Established 1865

पायनियर

Follw us on:
www.dailypioneer.com
@thedailypioneer
dailypioneer
dailypioneer

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

RNI No. DELHIN/2012/48369 | वर्ष-14 | अंक-42 | नई दिल्ली, रविवार, 14 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-12, मूल्य 6 रुपये | (नगर संस्करण)

मेस्सी के कार्यक्रम में भगदड़ और तोड़फोड़

10 मिनट में जश्न से हंगामे में बदला कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम का माहौल

एजेंसी। कोलकाता

फुटबॉल के दीवानों के लिए जो जीवन का सबसे सुखद अनुभव हो सकता था, वह शनिवार को बुरी याद में बदल गया क्योंकि बड़ी रकम खर्च कर टिकट खरीदने के बावजूद हजारों प्रशंसकों ने अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेस्सी की एक साफ झलक नहीं मिल पाने से निराशा में यहां साल्ट लेक स्टेडियम के अंदर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मेस्सी का विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन का बहुप्रचारित दौरा 2011 के बाद इस मैदान पर उनकी यह पहली उपस्थिति थी लेकिन यह एक अव्यवस्थित घटना बन गई। प्रशंसकों की भीड़ द्वारा सुरक्षा घेरा तोड़ने, तोड़-फोड़ और पुलिस के हस्तक्षेप से यह आयोजन फीका पड़ गया। इस कार्यक्रम को फुटबॉल के महानतम वैश्विक सितारों में से एक के उत्सव के रूप में प्रचारित किया गया था लेकिन यह पूरी तरह से अराजकता में बदल गया। मेस्सी तीन दिनों के भारत दौरे पर है जिसकी शुरूआती कोलकाता से हुई।

बड़ी रकम खर्च करने के बावजूद प्रशंसकों को नहीं मिली मेस्सी की झलक

उनका यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारतीय फुटबॉल अपने सबसे खराब दौर से गुजर रहा है। भारत फीफा रैंकिंग में 142वें स्थान पर खिसक गया है जो 2016 के बाद उनकी सबसे खराब रैंकिंग है। यही नहीं मौजूदा सत्र का लगभग आधा समय बीत जाने के बाद बावजूद घरेलू फुटबॉल की शीर्ष प्रतियोगिता शुरू होने को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। विश्व कप विजेता कप्तान मेस्सी अपने लंबे समय के साथी लुई सुआरेज और अर्जेंटीना के टीम के साथी रोड्रिगो डी पॉल के साथ सुबह करीब 11.30 बजे स्टेडियम पहुंचे। स्टेडियम में लगभग 50,000 दर्शक मौजूद थे। मैदान पर उनके कदम रखते ही वह आयोजकों, मशहूर हस्तियों और सुरक्षा कर्मियों की भीड़ में घिर गए, जिससे गैलरी में बैठे सामान्य दर्शक एक झलक देखने के लिए तरसते रह गए।

ममता ने मांगी मांफी, जांच के दिए आदेश

मेस्सी के स्टेडियम से निकलने के कुछ घंटों बाद, ममता ने कुप्रबंधन पर गहरा सदमा व्यक्त करते हुए एक उच्च स्तरीय जांच समिति के गठन की घोषणा की। उन्होंने एक्स पर जारी एक पोस्ट में मेस्सी और स्टेडियम आये प्रशंसकों से माफी मांगी। मुख्यमंत्री ने कहा, आज साल्ट लेक स्टेडियम में जो कुप्रबंधन देखने को मिला, उससे मैं बहुत दुखी और स्तब्ध हूं। उन्होंने कहा कि विश्व कप विजेता स्टार की एक झलक पाने की उम्मीद में हजारों प्रशंसक स्टेडियम में जमा हुए थे। जांच समिति की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशीष कुमार राय करेंगे। इस समिति में गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग के मुख्य सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव भी होंगे।

मुख्य आयोजक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोलकाता। साल्ट लेक स्टेडियम में शनिवार को आयोजित लियोनेल मेस्सी के फुटबॉल कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सतद्रु दत्ता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आयोजन स्थल पर मची व्यापक अफरा-तफरी के बाद यह कदम उठाया गया, जिसके चलते अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान लियोनेल मेस्सी को मैदान छोड़कर समय से पहले ही लौटना पड़ा। दत्ता को आयोजन के कथित तौर पर कुप्रबंधन के आरोप में कोलकाता हवाई अड्डे से हिरासत में लिया गया, जहां वह मेस्सी और उनके साथ शामिल अन्य को हैदराबाद जाते समय विदा करने गए थे। डीजीपी राजीव कुमार ने कहा, हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या आयोजकों की ओर से कोई कुप्रबंधन हुआ था, जिसके कारण स्टेडियम में अफरा-तफरी मची।

यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष होंगे राज्य मंत्री पंकज चौधरी

सीएम योगी रहे प्रस्तावक, निर्विरोध चुना जाना तय

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने दाखिल किया नामांकन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को लखनऊ स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यालय में पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। किसी अन्य के पर्चा दाखिल नहीं करने की वजह से उनका इस पद के लिए निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है।

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने पार्टी कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। पंकज चौधरी ही एकमात्र उम्मीदवार थे जिन्होंने अपना नामांकन दाखिल किया। इससे उनका भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित होने का रास्ता साफ हो गया है। चौधरी ने अपना नामांकन पत्र भाजपा राज्य चुनाव अधिकारी महेंद्र नाथ पांडेय और केंद्रीय चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े को सौंपा।

पंकज चौधरी पर इसलिए लगाया दांव

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में अध्यक्ष का चुनाव आगामी पंचायत चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किया जाएगा, तथा जाति और क्षेत्रीय समीकरणों पर मजबूत पकड़ रखने वाले को ही यह जिम्मेदारी दी जाएगी। पंकज चौधरी महाराजगंज संसदीय क्षेत्र से सात बार के सांसद हैं। वह कुर्मी जाति से हैं और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का भरोसेमंद माना जाता है। कुर्मी समुदाय का पूरे उत्तर प्रदेश में ओबीसी समुदाय में काफी प्रभाव है और 2024 के लोकसभा और 2022 के विधानसभा चुनाव में इस समुदाय ने राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा की ओर अपना झुकाव दिखाया था।

सार संक्षेप

जासूसी के आरोप में वायु सेना का सेवानिवृत्त जवान गिरफ्तार

तेजपुर। असम के सोनितपुर जिले में पाकिस्तानी जासूसों से कथित संबंधों के आरोप में भारतीय वायु सेना के एक सेवानिवृत्त जवान को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिचरण भूमिज ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी जासूस के साथ संवेदनशील दस्तावेज और जानकारी साझा की थी। पुलिस ने उसका लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। भूमिज ने बताया कि उपकरणों को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, हालांकि कुछ डेटा को डिलीट किया जा चुका है। अधिकारी ने बताया कि संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मादक पदार्थ तस्करों के ठिकानों पर चला बुलडोजर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में शनिवार को एक बड़े अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी में कथित तौर पर शामिल लोगों के मकानों समेत आठ अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू जिला प्रशासन ने बहू तहसील के नरवाल बाला गांव में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई जिलाधिकारी राकेश मिन्हास के निर्देश पर जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर सिंह के साथ समन्वय में की गई। अधिकारियों के मुताबिक, जिला प्रशासन ने स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दर्ज कई मामलों में नामजद तस्करों से जुड़े आठ अवैध ढांचों को ध्वस्त कर दिया।

समय के साथ बदलाव के लिए प्रतिबद्ध सेना : सीडीएस

हैदराबाद। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने युद्ध और संघर्ष में एक बड़ी क्रांति के प्रारंभ होने का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय रक्षा बल बदलते परिवेश के अनुकूल बनने और सुधारों को आत्मसात करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे हमेशा तैयार और प्रासंगिक बने रहें। सीडीएस ने यहां डुंडिगल के पास वायुसेना अकादमी में आयोजित 216 कोर्स के कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी) को संबोधित करते हुए यह बात कही। जनरल चौहान ने कहा कि भारत की ताकत मजबूत संस्थानों, लोकतांत्रिक स्थिरता और सशस्त्र सेनाओं की अडिग पेशेवर क्षमता पर आधारित है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भले ही धीमा हो गया हो, लेकिन यह जारी है।

तिरुवनंतपुरम निगम चुनाव में एनडीए की शानदार जीत

45 वर्षों के वामपंथी शासन का किया अंत

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शानदार जीत हासिल की। राजग ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को शिकस्त देकर निगम पर लगातार 45 वर्षों के वामपंथी शासन का अंत कर दिया।

नगर निगम के 101 वार्ड में से भाजपा ने जीती 50 सीटें

तिरुवनंतपुरम नगर निगम में मिली जीत से 2026 के विधानसभा चुनाव में विशेष रूप से राज्य की राजधानी में भाजपा की संभावनाओं को काफी बल मिलेगा। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्ड में से भाजपा को 50 में, एलडीएफ को 29 में, यूडीएफ को 19 में और दो निर्दलीय को जीत मिली है। भाजपा सदन में बहुमत हासिल करने से महज एक वार्ड दूर है। राजग ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ के साथ कड़ी टक्कर के बाद पलक्कड़ नगरपालिका को बरकरार रखा और कांग्रेस को त्रिप्पुनिथुरा नगरपालिका में शिकस्त दी।

एनडीए की जीत केरल की राजनीति में ऐतिहासिक क्षण : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव में भाजपा नीत राजग को मिले जनादेश को केरल की राजनीति में ऐतिहासिक क्षण बताया और शानदार नतीजों के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। वामपंथी दलों को तिरुवनंतपुरम नगर निगम में बड़ा झटका लगा। वहां राजग ने भारी बढ़त हासिल कर ली है। चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह केरल में पीढ़ियों से काम करने वाले कार्यकर्ताओं के कार्यों और संघर्षों को याद करने का दिन है, जिन्होंने जमीनी स्तर पर काम किया।

सीजेआई सूर्यकांत ने 'समान न्यायिक नीति' पर दिया जोर

एजेंसी। जैसलमेर

एकीकृत न्यायिक नीति पर जोर देते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी अदालतों के बीच मानकों और प्रक्रियाओं को एकरूप बनाने में मदद कर सकती है, जिससे नागरिकों को उनके स्थान की परवाह किए बिना एक सुगम और निर्बाध अनुभव मिल सके। उन्होंने कहा कि संघीय ढांचे के कारण उच्च न्यायालयों की अपनी-अपनी प्रक्रियाएं और तकनीकी क्षमताएं रही हैं, लेकिन प्रौद्योगिकी की मदद से इन क्षेत्रीय बाधाओं को तोड़कर एक अधिक एकीकृत न्यायिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा सकता है। जैसलमेर में आयोजित पश्चिम क्षेत्र क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने राष्ट्रीय न्यायिक पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा प्रस्तावित की और प्रौद्योगिकी के एकीकरण के साथ भारत की न्यायिक व्यवस्था में व्यापक सुधार का आह्वान किया। उन्होंने कहा, आज, जब प्रौद्योगिकी भौगोलिक बाधाओं को कम कर रही है और एकीकरण को संभव बना रही है।

न्यायिक व्यवस्था में व्यापक सुधार का किया आह्वान

बस्तर ओलंपिक 2025 के मंच से शाह ने किया ऐलान

5 साल में बस्तर बनेगा देश का नंबर-1 आदिवासी संभाग

एजेंसी। रायपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने छत्तीसगढ़ के सात जिलों वाले बस्तर संभाग को अगले पांच वर्षों में देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाने का संकल्प लिया है। शाह ने कहा कि नक्सलवाद से किसी को फायदा नहीं होता-न तो हथियार उठाने वालों को और न ही सुरक्षाकर्मियों को, और केवल शांति ही विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

पांच किलोमीटर के दायरे में मिलेंगी सभी सुविधाएं

उन्होंने एक बार फिर इस बात पर बल दिया कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म हो जाएगा। शाह ने जगदलपुर में इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में बस्तर ओलंपिक-2025 खेल के समापन समारोह को संबोधित करते हुए माओवादियों से अनुरोध किया कि वे हथियार डाल दें और समाज की मुख्यधारा में शामिल हो जाएं। सरकार ने 31 मार्च, 2026 से पहले पूरे देश से लाल आतंक को खत्म करने का फैसला किया है, यह लक्ष्य अब प्राप्ति के करीब है।

मार्च 2026 तक नक्सलवाद का हो जाएगा खात्मा : अमित शाह

शाह ने कहा, मैं इस मंच से जितनी दृढ़ता के साथ यह कहना चाहता हूं कि 31 मार्च 2026 को यह देश नक्सलवाद से मुक्त होगा, इतनी ही विनम्रता से मैं अपील करना चाहता हूं कि अभी भी गुमराह होकर हमारे ही लोग हाथ में हथियार लेकर बैठे हैं। हथियार डाल दीजिए पुनर्वास नीति का फायदा उठाइए। अपने और अपने परिवार के कल्याण में जुट जाइए, विकसित बस्तर के संकल्प के साथ आप लोग जुड़ जाइए। उन्होंने कहा, नक्सलवाद से किसी का भला नहीं होना है। ना नक्सलवाद के लिए हथियार उठाने वाले लोगों का भला होना है, ना आदिवासियों का होना है, ना सुरक्षाबलों का होना है। शांति ही विकास का रास्ता प्रशस्त कर सकती है।

तीन सांसदों ने भारत पर लागू 50 प्रतिशत शुल्क समाप्त करने का पेश किया प्रस्ताव

अमेरिका में ही राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ का विरोध

एजेंसी। न्यूयॉर्क/वाशिंगटन

अमेरिका के तीन प्रभावशाली सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क को खत्म के लिए कांग्रेस (अमेरिकी संसद) में एक प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा है कि भारत के प्रति इस गैर-जिम्मेदाराना शुल्क रणनीति के प्रतिकूल परिणाम होंगे, जिससे यह महत्वपूर्ण साझेदारी कमजोर पड़ेगी।

सांसदों ने टैरिफ को अर्थव्यवस्था के लिए बताया खतरनाक

उत्तर कैरोलाइना की प्रतिनिधि डेबोरा रॉस, टेक्सास के प्रतिनिधि मार्क वेसी और इलिनोइस के प्रतिनिधि राजा कृष्णमूर्ति ने शुक्रवार को प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाने के ट्रंप के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया गया है, ताकि व्यापार पर कांग्रेस के संवैधानिक अधिकार को बहाल करने में मदद मिले। ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगाया है, जो दुनिया में सबसे अधिक है। इसमें भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद को लेकर उस पर लगाया 25 प्रतिशत का शुल्क भी शामिल है। प्रस्ताव में उस राष्ट्रीय आपातकाल आदेश को समाप्त करने का प्रावधान किया गया है, जिसे ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत भारतीय वस्तुओं पर व्यापक शुल्क लगाने के लिए लागू किया है।

रॉस ने कहा कि ट्रंप के फैसले के कारण भारत से आयात किए जाने वाले कई उत्पादों पर शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत के प्रति ट्रंप की गैर-जिम्मेदाराना शुल्क रणनीति के प्रतिकूल परिणाम होंगे, जिससे एक महत्वपूर्ण साझेदारी कमजोर पड़ेगी। उन्होंने कहा, अमेरिकी हितों या सुरक्षा को बढ़ावा देने के बजाय ये शुल्क आपूर्ति शृंखला को बाधित करते हैं, अमेरिकी श्रमिकों को नुकसान पहुंचाते हैं और उपभोक्ताओं के लिए लागत बढ़ाते हैं।

अमेरिकी कांग्रेस बनाम ट्रंप की लड़ाई

यह प्रस्ताव अमेरिकी कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के उस बड़े अभियान का हिस्सा है जिसमें डेमोक्रेट्स (और कुछ रिपब्लिकन भी) राष्ट्रपति के आपातकालीन अधिकारों पर लगाम लगाना चाहते हैं। सांसदों का कहना है कि व्यापार नीति बनाने का अधिकार संविधान के अनुसार सिर्फ कांग्रेस के पास है, राष्ट्रपति के पास नहीं। फिलहाल यह प्रस्ताव अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पेश हो चुका है। अगर यह पारित होता है तो सीनेट (अमेरिकी कांग्रेस का ऊपरी सदन) में भी इसी तरह के बिल पर वोटिंग होगी। विशेष बहुमत से इस प्रस्ताव पर राष्ट्रपति वीटो को भी ओवरराइड किया जा सकता है।

संघ प्रमुख ने हिंदू समाज से एकता का किया आह्वान

एजेंसी। श्री विजयपुरम

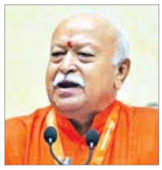

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को हिंदू समाज से स्वामी विवेकानंद के उस संदेश से प्रेरणा लेने की अपील की कि हर राष्ट्र का एक दायित्व होता है जिसे उसे निभाना होता है और एक नियति होती है, जिसे उसे प्राप्त करना होता है।

यहां नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक मान्यता को आकार देने में केवल सत्य से कहीं अधिक शक्ति का योगदान है। उन्होंने कहा, विश्व सत्य को नहीं, शक्ति को देखता है, जिसके पास शक्ति है, उसको मानता है...भले मन से नहीं, पर मानता जरूर है। भागवत ने कहा कि एक सशक्त समाज के निर्माण और राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एकजुटता आवश्यक है। उन्होंने कहा, यदि हिंदू जागृत हों, तो विश्व जागृत होगा। विश्व को विश्वास है कि भारत ही मार्ग प्रशस्त करेगा। समस्याओं पर समय बर्बाद करने के बजाय, हमें समाधान खोजने चाहिए।

सशक्त समाज और राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एकजुटता आवश्यक

ब्रेन स्टेंट परीक्षण से भारत ने स्ट्रोक उपचार में रचा इतिहास

एम्स ने दिलाई वैश्विक पहचान

- उच्च स्तरीय चिकित्सा अनुसंधान और नवाचार केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्ट्रोक के उपचार के क्षेत्र में भारत ने एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली ने देश का पहला अत्याधुनिक ब्रेन स्टेंट नैदानिक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर भारत को वैश्विक स्ट्रोक मानचित्र पर नई पहचान दिलाई है। इस उपलब्धि से यह सिद्ध हुआ है कि उच्च स्तरीय चिकित्सा अनुसंधान और नवाचार केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भारत में भी विश्वस्तरीय शोध संभव है।

एम्स इस बहुकेन्द्रित ग्रासरूट अध्ययन का राष्ट्रीय समन्वय केंद्र और सबसे बड़ा सहभागी संस्थान रहा। यह भारत का पहला विशेष शोध था, जिसमें गंभीर स्ट्रोक की स्थिति में मस्तिष्क की रक्त नलिकाओं में जमे थक्कों को निकालने वाले सुपरनोवा स्टेंट रिट्रीवर की सुरक्षा और प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया। इस अध्ययन के प्रधान अन्वेषक एवं एम्स के न्यूरो इमेजिंग विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. शैलेश बी. गायकवाड़ ने इसे भारत में स्ट्रोक उपचार की दिशा में मील का पत्थर बताया।

इस शोध के निष्कर्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित चिकित्सा पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं, जिनसे यह स्पष्ट हुआ कि सुपरनोवा स्टेंट गंभीर स्ट्रोक के मामलों में सुरक्षित और प्रभावी है। इसी वर्ष केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने भारत में हुए इसी नैदानिक परीक्षण के आंकड़ों के आधार पर इस स्टेंट को नियमित उपचार के लिए स्वीकृति प्रदान की। यह पहली बार है जब किसी स्ट्रोक उपचार उपकरण को पूरी तरह भारतीय मरीजों पर किए गए परीक्षण के आधार पर मंजूरी मिली है। यह नैदानिक परीक्षण देश के आठ प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में किया गया, जिससे मेक इन इंडिया पहल को भी मजबूती मिली है। इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि भारत अब केवल विदेशी चिकित्सा उपकरणों और आंकड़ों पर निर्भर नहीं है, बल्कि स्वयं मजबूत वैज्ञानिक प्रमाण तैयार करने की क्षमता रखता है। ग्रैविटी मेडिकल टेक्नोलॉजी के मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. आशुतोष जाधव ने इसे पूरी तरह भारत में किया गया विश्वस्तरीय शोध बताया।

राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में सुविधाएं बढेंगी

नई दिल्ली। नरेला क्षेत्र में स्थित दिल्ली सरकार के सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में सुविधाएं बढ़ेंगी। इस संबंध में अस्पताल की रोगी कल्याण समिति की बैठक में अस्पताल में विभिन्न सुविधाओं को बढ़ाने पर भी फैसले लिए गए। नरेला के विधायक और अस्पताल की रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष राज करण खत्री ने बताया कि अस्पताल में स्टाफ की कमी और मशीनों से जुड़ी समस्याओं को खत्म किया जाएगा। दवाओं की व्यवस्था का विस्तार होगा। अस्पताल के आधारभूत ढांचे को बेहतर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल में नरेला ही नहीं, बल्कि हरियाणा व आसपास के दर्जनों गांवों के मरीज आते हैं। इसलिए इसकी बुनियादी व्यवस्था को बेहतर करना जरूरी है।

अलग-अलग मामलों में फरार छह भगोड़े गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस ने अलग अलग मामलों में फरार चल रहे महिला समेत छह भगोड़े आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान बॉबी, प्रीति राणा, अकिल, वीरेंद्र सिंह चौहान, अनिरुद्ध कुमार शर्मा व संतोष के रूप में हुई है। सभी को अदालत ने भगोड़ा घोषित कर रखा था। पुलिस ने आरोपियों को तकनीकी सर्विलांस व ई-प्रिजन पोर्टल और स्थानीय स्तर पर मिली सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति का भी पता लगाया गया जिसकी मृत्यु हो चुकी थी मगर रिकॉर्ड में वह भगोड़ा घोषित था। डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि साउथ कैंपस थाना पुलिस ने एक्साइज एक्ट के तहत दर्ज केस में भगोड़ा घोषित आशु कुमार के विषय में छानबीन की तो पता चला कि उनकी मृत्यु हो गई है। आशु की पत्नी न्यू मोती बाग में रहती हैं। इस आधार पर रिपोर्ट बनाकर कोर्ट को भेज दी गई। वहीं सफदरजंग एन्क्लेव पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामले में भगोड़ा करार बॉबी को पकड़ा गया। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में सात अपराधिक मामले दर्ज हैं। सागरपुर पुलिस ने प्रीति राणा को पकड़ा। उसे भगोड़ा घोषित किया गया था। वसंत विहार पुलिस ने अकील तथा वीरेंद्र सिंह चौहान को पकड़ा। दोनों को पुलिस ने यूपी से पकड़ा गया।

फ्री आई कैंप में 39 मरीजों का सफल ऑपरेशन, 6200 से अधिक की हुई जांच

- डेरा सच्चा सौदा में लगा है याद-ए-मुर्शिद परम पिता शाह सतनाम जी महाराज फ्री आई कैंप
- मरीज और परिजन सेवादारों की सेवा भावना की कर रहे सराहना

पायनियर समाचार सेवा। सिरसा

पूजनीय परम पिता शाह सतनाम जी महाराज की पावन स्मृति में आयोजित 34वें याद-ए-मुर्शिद परम पिता शाह सतनाम जी महाराज फ्री आई कैंप के तहत शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल में शनिवार से चयनित मरीजों के नेत्र ऑपरेशन शुरू हो गए। दूसरे दिन तक 6217 मरीजों की आंखों की जांच की जा चुकी है, जबकि 39 मरीजों के सफल ऑपरेशन किए गए हैं।

शनिवार को शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल में ऑपरेशन कार्य का शुभारंभ डेरा सच्चा सौदा की प्रबंधन समिति के सदस्यों और चिकित्सकों ने धन-धन सतगुरु तेरा ही आसरा इलाही नारे और अरदास के साथ किया। अस्पताल की नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिका गर्ग इन्सां, डॉ. गीतिका इन्सां, शाह सतनाम जी सार्वजनिक अस्पताल श्री गुरुसरमोडिया से डॉ. ललित तथा चंडीगढ़ से वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अवनीश गुप्ता व उनकी टीम द्वारा ऑपरेशन किए जा रहे हैं। अस्पताल में दो आधुनिक ऑपरेशन थिएटर बनाए गए हैं, जहां चार टेबल पर अलग-अलग विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों का उपचार कर रहे हैं। अब तक 600 मरीजों को चश्मे और 1400 से अधिक मरीजों को दवाइयां निःशुल्क वितरित की गई हैं। ऑपरेशन के लिए 121 मरीजों का चयन किया गया है, जिनमें से 39 के ऑपरेशन पूरे हो चुके हैं। इनमें 35 सफेद मोतिया और चार काला मोतिया के ऑपरेशन शामिल हैं। कैंप में मरीजों की जांच का सिलसिला 15 दिसंबर तक जारी रहेगा। ऑपरेशन के बाद मरीजों की सुविधा के लिए अस्पताल में महिला व पुरुषों के लिए अलग-अलग मेडिकल वार्ड बनाए गए हैं। पैरामेडिकल स्टाफ दवाइयों सहित सभी आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है। वहीं शाह सतनाम जी ग्रीन एस वेलफेयर कमेटी के महिला व पुरुष सेवादार भोजन व्यवस्था, साफ-सफाई और आवागमन में मरीजों की निःस्वार्थ सेवा कर रहे हैं। मरीजों के साथ आए परिजनों ने सेवादारों की सेवा भावना की सराहना करते हुए इसे मानवता का सच्चा उदाहरण बताया। कैंप में सेवाएं देने पहुंचे विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के नेत्र रोग विशेषज्ञों ने भी व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए इसे गरीब व असहाय लोगों के लिए वरदान बताया। अब तक 33 कैंप में हो चुके हैं 28253 मरीजों के ऑपरेशन यह कैंप राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 12 से 15 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें हजारों मरीजों को निःशुल्क जांच व ऑपरेशन की सुविधा मिल रही है।

लायंस पब्लिक स्कूल की ओर से की गई प्रतियोगिता की शुरूआत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

लायंस पब्लिक स्कूल सेक्टर-102 में अंतर विद्यालय उड़ान 2025-कॉस्मिक फेस्ट में नन्हें बच्चों ने उत्साह से भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। बच्चों ने मौज-मस्ती से इस आयोजन में भाग लिया। स्कूल की ओर से इस प्रथम अंतर विद्यालय प्रतियोगिता में 14 विद्यालयों के 104 बच्चों ने भाग लिया। ब्लेजिंग ए ट्रायल ऑफ हेप्पीनेस नाम से इस आयोजन में बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। यह पूरा कार्यक्रम आनंद और सृजनात्मकता से परिपूर्ण रहा।

प्रतियोगिता का शुभारंभ चेयरमैन लायन के.एस. ढाका, पूर्व चेयरमैन लायन डी.वी. तनेजा, ट्रस्टी लायन अशोक सोमल, प्रबंधक राजीव कुमार, सीनियर कंसल्टेंट रेणु वर्मा, उपप्रधानाचार्या अरुण बहल ने किया। उपप्रधानाचार्या ने सभी अतिथियों का विद्यालय पहुंचने पर स्वागत किया। इस दौरान चार प्रतियोगिताएं गैलेक्सी ग्लिटर रन (नर्सरी), मून वॉक बैलेंस रेस (एलकेजी), गैलेक्सी बड्र्स आर्ट (यूकेजी) तथा सेलेशियल कॉस्ट्यूम फिएस्टा (कक्षा एक व दो) कराई गई। प्रतियोगिताओं में मूल्यांकन स्कूल की निदेशक अनु वर्मा तथा किड्जी प्ले स्कूल की प्रमुख गुंजन शर्मा द्वारा किया गया।

यातायात जाम दूर कर प्रदूषण को नियंत्रित करें : आयोग

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने यातायात जाम के चलते होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए हर महीने बैठक करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही सड़कों की धूल साफ करने, ठोस कचरे का जलना रोकने आदि के लिए भी समुचित प्रबंधन करने को कहा है। आयोग ने वायु प्रदूषण नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू करने के लिए दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के एनसीआर जिलों की स्थिति की समीक्षा की। आयोग ने सभी स्थानों की स्थिति की समीक्षा के बाद सबके लिए विशेषीकृत निर्देश जारी किए हैं। आयोग के निरीक्षण में आया है कि दिल्ली में विभिन्न हॉट स्पॉट पर लगने वाला यातायात जाम, सड़क की धूल, ठोस कचरे का निस्तारण सही से नहीं होना और उसे जलाया जाना आदि प्रदूषण के प्रमुख कारकों में शामिल हैं।

विद्यासागर स्कूल का 13वां फाउंडेशन डे श्रद्धा और सेवा भाव के साथ मनाया गया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-2 ब्रांच में 13वें फाउंडेशन डे का आयोजन बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक सरोकार के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय परिसर में विधि-विधान से हवन यज्ञ के साथ हुई। हवन में विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण, छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों ने भाग लेकर ईश्वर से विद्यालय की निरंतर प्रगति, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और समाज के कल्याण की कामना की। पूरे वातावरण में मंत्रोच्चारण और सकारात्मक ऊर्जा का संचार देखने को मिला। हवन उपरांत कार्यक्रम का सबसे आकर्षक क्षण चेयरमैन धर्मपाल यादव, डायरेक्टर दीपक यादव, सुनीता यादव और प्रिंसिपल श्वेता का किंडरगार्टन के नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ केक कटिंग सेरेमनी रही। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ विद्यालय का जन्मदिन मनाया। बच्चों की मुस्कान और उनकी मासूम खुशियाँ कार्यक्रम को विशेष बना रही थीं। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों को शुभकामनाएँ दीं और उन्हें संस्कार, अनुशासन व शिक्षा के महत्व के बारे में सरल शब्दों में समझाया। फाउंडेशन डे के अवसर पर विद्यालय ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का भी सुंदर निर्वहन किया। कार्यक्रम के अंत में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। इस सेवा कार्य का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करना और छात्रों में सेवा, करुणा एवं मानवता के संस्कार विकसित करना रहा। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे पर संतोष और खुशी साफ दिखाई दी। विद्यालय प्रबंधन ने इस अवसर पर कहा कि विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कार, सेवा और समाज के प्रति दायित्व निभाने का संदेश भी देता है। 13 वर्षों की इस सफल यात्रा में विद्यालय ने शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता दी है।

जनवरी से अस्पताल में ही मिल जाएगा बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- निगम ने सरल की प्रक्रिया

दिल्ली नगर निगम प्रशासन की तरफ से राजधानी में जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को और सरल किया जा रहा है।

अगले महीने से अस्पताल में बच्चे के जन्म लेने के बाद ही निगम प्रशासन जन्म प्रमाण पत्र जारी कर देगा। अभी तक अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद माता-पिता को निगम की वेबसाइट में जन्म प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करना होता था। इसमें अस्पताल में हुए बच्चे के जन्म से जुड़े दस्तावेजों की जानकारी निगम को देनी होती थी। इसके बाद सात दिनों में बच्चे के माता-पिता को निगम की वेबसाइट पर जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध होता था। नई प्रक्रिया के मद्देनजर अस्पताल में रहते हुए ही माता-पिता को जन्म लिए बच्चे का बर्थ सर्टिफिकेट उपलब्ध हो जाएगा। ऐसे मिलेगी सुविधा निगम अधिकारियों के अनुसार जन्म प्रमाण पत्र जारी करने की प्रणाली को सरल बनाते हुए इसे आधार कार्ड नंबर और डिजी लॉकर से जोड़ दिया गया है। अस्पताल में रहते हुए माता-पिता को निगम ऐप 311 या वेबसाइट पर अपने मोबाइल नंबर से पंजीकरण कर बच्चे के जन्म से जुड़ी जानकारी देनी होगी। इससे माता-पिता के नंबर से एक अकाउंट बन जाएगा।

करदाताओं की भी जाति आधारित गणना हो : सीटीआई

नई दिल्ली। व्यापारियों के संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने केंद्र सरकार से जाति जनगणना के साथ-साथ करदाताओं की जाति का भी आंकड़ा एकत्र करने की मांग की है। इस संबंध में सरकार को भेजे पत्र में सीटीआई ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में विभिन्न जातियों की कर के रूप में क्या भूमिका है, इसका स्पष्ट और पारदर्शी आकलन होना चाहिए। संगठन का तर्क है कि जिस वर्ग की कर भुगतान में जितनी भागीदारी है, सरकारी योजनाओं और नीतिगत लाभों में उसकी हिस्सेदारी भी उसी अनुपात में तय की जानी चाहिए। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल और महासचिव गुरमीत अरोड़ा ने कहा कि जातिगत सर्वे के साथ यह जानकारी भी जुटाई जाए कि किस जाति के लोग आयकर और जीएसटी के माध्यम से सरकार को कितना राजस्व देते हैं।

लूट का विरोध करने पर किया जानलेवा हमला, आरोपी काबू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में हुई लूट और चाकूबाजी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान जनता मजदूर कॉलोनी निवासी 26 वर्षीय मोनिष के रूप में हुई है। घटना में घायल युवक से सोने की बाली और नकदी लूट ली गई थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटी गई सोने की बाली और वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 12 दिसंबर की शाम वेलकम थाना क्षेत्र में लूट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित नूर मोहम्मद ने बताया कि वह मंदिर वाली गली से गुजर रहा था, तभी तीन युवकों ने उसे घेर लिया। बदमाशों ने सोने की बाली और नकदी छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए वेलकम थाने की टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए और सुरागों पर काम शुरू किया। जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध को दबिश देकर पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की । पुलिस ने बताया कि आरोपी मोनिश पहले भी लूटपाट और अवैध हथियारों से जुड़े मामलों में शामिल रहा है।

डीएनए साक्ष्य देरी रोकने के लिए नीति बनाएं : हाईकोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने यौन उत्पीड़न के मामलों में डीएनए सैंपल को फोरेंसिक प्रयोगशाला तक पहुंचाने में होने वाली देरी पर गंभीर चिंता जताते हुए एक समन्वित और बाध्यकारी नीति बनाने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने दिल्ली पुलिस, फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल), दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग और गृह विभाग के बीच स्पष्ट समन्वय व्यवस्था विकसित करने को कहा है, ताकि जांच प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही या विलंब न हो। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला द्वारा जारी दिशा-निर्देशों तथा उच्चतम न्यायालय के बाध्यकारी आदेशों का सख्ती और समान रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए। पीठ ने दोहराया कि सर्वोच्च न्यायालय ने देशभर के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए हैं, जिनका उद्देश्य डीएनए साक्ष्यों को वैज्ञानिक मानकों के अनुसार एकत्र करने, सुरक्षित रखने और तत्काल फोरेंसिक लैब तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की कि यदि फोरेंसिक लैब सप्ताहांत या सार्वजनिक अवकाश के दौरान सैंपल स्वीकार नहीं करती हैं, तो यह जांच एजेंसियों के लिए आदेशों का पालन करना व्यावहारिक रूप से कठिन बना देता है।

Name change

I, Rajkumar S/o T.R. Kukreja R/o H.No. 1372, Sector 19, Faridabad do have changed my name to RAJ KUMAR KUKREJA.

सार्वजनिक सूचना

सार्वजनिक सूचना

हेल्प मोबाइल ऐप के प्रचार-प्रसार के लिए बड़े स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम

महिला सुरक्षा के लिए मध्य जिला पुलिस की पहल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- ऑटो-रिक्शा जागरूकता रैली को निर्भया की मां आशा देवी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

महिला सुरक्षा और आपातकालीन सहायता को लेकर मध्य जिला पुलिस ने एक सराहनीय कदम उठाते हुए से हेल्प मोबाइल ऐप के प्रचार-प्रसार के लिए बड़े स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम का शनिवार को आयोजन किया। इस मौके पर करीब 500 ऑटो-रिक्शा को से हेल्प ऐप के संदेश वाले बैनरों से सजाकर सड़कों पर उतारा गया, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक महिला सुरक्षा से जुड़ा संदेश पहुंच सके।

इस ऑटो-रिक्शा जागरूकता रैली को निर्भया की मां आशा देवी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उनके शामिल होने से कार्यक्रम को भावनात्मक मजबूती और सामाजिक महत्व मिला। कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त (एचआरडी) रॉबिन हिबू भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आशा देवी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, अगर उस समय ऐसा कोई ऐप होता, तो शायद मेरी बेटी को बचाया जा सकता था। उनके शब्दों ने वहां मौजूद लोगों को भावुक कर दिया और महिला सुरक्षा को लेकर सजग रहने का संदेश दिया। विशेष आयुक्त रॉबिन हिबू ने कहा कि दिल्ली पुलिस स्मार्ट पुलिसिंग, सामुदायिक भागीदारी और तकनीक आधारित सुरक्षा उपायों के माध्यम से नागरिकों की सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऐसे तकनीकी प्लेटफॉर्म का अधिक से अधिक उपयोग करें, जिससे आपात स्थिति में तुरंत मदद मिल सके। हेल्प ऐप एक अत्याधुनिक सुरक्षा ऐप है, जिसमें वॉयस कमांड और एक बटन दबाते ही एसओएस अलर्ट भेजने की सुविधा है। आपात स्थिति में यह ऐप तुरंत याद्दच्छिक संपर्कों और संबंधित एजेंसियों तक मदद का संदेश पहुंचाता है, जिससे समय रहते सहायता मिल सके। ऑटो-रिक्शा रैली के जरिए सेंट्रल जिला के भीड़भाड़ वाले इलाकों और सार्वजनिक स्थानों पर से हेल्प ऐप के बारे में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि इस अभियान से ऐप के उपयोग और महिला सुरक्षा को लेकर जागरूकता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। मध्य जिला पुलिस ने दोहराया कि वह नागरिकों, सामाजिक संगठनों और तकनीकी भागीदारों के साथ मिलकर दिल्ली को और अधिक सुरक्षित शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना से विकास को मिलेगी नई गति : राजीव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मंडल रोजगार कार्यालय द्वारा डीआईसी के सहयोग से फरीदाबाद इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के सभागार में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएमवीबीआरवाई) को लेकर एक स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा सरकार के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग के प्रधान सचिव राजीव रंजन ने की। इस अवसर पर एमएसएमई, निर्यात इकाइयों सहित जिले के लगभग 150 प्रमुख नियोक्ताओं ने भाग लिया। राजीव रंजन ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना 1 अगस्त 2025 से लागू हो चुकी है। इस योजना पर 99,446 करोड़ रुपये का परिव्यय प्रस्तावित है, जिसका लक्ष्य दो वर्षों में देशभर में 3.5 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित करना है। इनमें 1.92 करोड़ लोग पहली बार कार्यबल में शामिल होंगे। यह योजना 1 अगस्त 2025 से 31 जुलाई 2027 के बीच सृजित रोजगारों पर लागू होगी और विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करेगी। प्रधान सचिव ने बताया कि पीएमवीबीआरवाई दो भागों में लागू की गई है। भाग ए के तहत पहली बार रोजगार पाने वाले कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। ईपीएफओ में पहली बार पंजीकृत कर्मचारियों को एक माह का ईपीएफ वेतन, अधिकतम 15 हजार रुपये तक, दो किश्तों में दिया जाएगा। पहली किश्त छह माह की सेवा के बाद और दूसरी किश्त 12 माह की सेवा पूरी करने व वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम पूर्ण करने पर मिलेगी। भाग बी के अंतर्गत नियोक्ताओं को अतिरिक्त रोजगार सृजन के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसमें सभी क्षेत्रों को शामिल किया गया है, हालांकि विनिर्माण क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी गई है। सरकार प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए, जिसे कम से कम छह माह तक रोजगार दिया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 की पाबंदिया लागू

एक्यूआई 400 पार होते ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने उठाया सख्त कदम

■ पांचवी तक हाइब्रिड मोड में पढ़ाई और निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर प्रतिबंध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तीसरे चरण के तहत सख्त प्रतिबंध शनिवार को लागू किए, जिनमें पांचवी कक्षा तक के विद्यालयों में पढ़ाई हाइब्रिड मोड में कराया जाना और निर्माण एवं विध्वंस कार्यों पर प्रतिबंध लगाया जाना शामिल हैं।

आयोग ने यह कदम मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच प्रदूषण स्तर में काफी बढ़ोतरी होने के बीच उठाया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 349 था, लेकिन हवा की धीमी गति, स्थिर वातावरण, मौसम संबंधी प्रतिकूल स्थितियों और प्रदूषकों के फैलाव की कमी के कारण यह शनिवार सुबह 10 बजे तक बढ़कर 401 हो गया। इसमें कहा गया है कि वायु गुणवत्ता की मौजूदा स्थिति को देखते हुए तथा क्षेत्र में स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए सीएक्यूएम ग्रैप उप-समिति ने फैसला किया है कि वायु गुणवत्ता के गंभीर स्तर को देखते हुए ग्रैप के तीसरे चरण के उपाय तत्काल प्रभाव से लागू किए जाएं। बयान में कहा गया है कि ये राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पहले से ही लागू ग्रैप के पहले एवं दूसरे चरण के तहत लागू उपायों के अतिरिक्त हैं।

तीसरे चरण के प्रतिबंधों में गैर-जरूरी निर्माण, विध्वंस कार्य, पत्थर तोड़ने और खनन गतिविधियों पर रोक शामिल है। दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर में बीएस तीन के पेट्रोल संचालित और बीएस चार के डीजल संचालित चार पहिया वाहनों पर भी प्रतिबंध लागू किया गया है। इसमें दिल्ली में डीजल से संचालित पुराने मालवाहक वाहनों पर प्रतिबंध भी शामिल है, जबकि पांचवी कक्षा तक के विद्यालयों में हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों) में पढ़ाई कराई जाएगी और दिल्ली-एनसीआर में कार्यालय 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम कर सकते हैं। सर्दियों के दौरान, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में ग्रैप के तहत प्रतिबंध लागू करने के लिए वायु गुणवत्ता को चार चरणों में वर्गीकृत किया गया है। एक्यूआई जब 201 से 300 के बीच होता है तब पहले चरण की पाबंदियां लगाई जाती हैं जबकि एक्यूआई के 301 से 400 के बीच रहने पर दूसरे, 401 से 450 के बीच रहने पर तीसरे तथा एक्यूआई के 450 से अधिक होने पर चौथे चरण के प्रतिबंध लागू किए जाते हैं।

गंभीर स्तर के करीब पहुंचा एक्यूआई

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार सुबह धुंध की मोटी चादर छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक 397 के साथ गंभीर श्रेणी के करीब पहुंच गया। सीपीसीबी के अनुसार दिल्ली में कुल निगरानी स्टेशन में से 21 में एक्यूआई 400 से अधिक दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार एक्यूआई वजीरपुर में सबसे अधिक 445, विवेक विहार में 444, जहांगीरपुरी में 442, आनंद विहार में 439 और अशोक विहार व रोहिणी दोनों जगह 437 दर्ज किया गया है। आंकड़ों के मुताबिक एक्यूआई नरेला में 432, पटपड़गंज में 431, मुंडका में 430 और बवाना, आईटीओ एवं नेहरू नगर में 429 दर्ज किया गया। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, चांदनी चौक और पंजाबी बाग में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 423 दर्ज किया गया, जबकि सिरी फोर्ट और सोनिया विहार में यह 424 रहा। सीपीसीबी ने बताया कि बुराड़ी क्रॉसिंग में एक्यूआई 414 दर्ज हुआ, इसके बाद कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 409, नॉर्थ कैंपस और आरके पुरम में 408-408 तथा ओखला फेज-2 में 404 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, शून्य से 50 के बीच का एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच अत्यंत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर श्रेणी में माना जाता है। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली (एक्यूईडब्ल्यूएस) के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता शनिवार तक अत्यंत खराब श्रेणी में रहने की संभावना है। अगले छह दिनों के पूवार्नुमान में भी वायु गुणवत्ता के बहुत खराब श्रेणी में रहने की आशंका जताई गई है।

एनसीआर में सीजन का पहला घना कोहरा, दृश्यता घटी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सर्दी के साथ-साथ सीजन का पहला घना कोहरा छा गया है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद समेत पूरे एनसीआर में सुबह और रात के समय दृश्यता काफी कम हो रही है, जिससे आम जनजीवन और यातायात प्रभावित हो रहा है।

मौसम विभाग के स्थानीय पूवार्नुमान के अनुसार आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान के साथ-साथ न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी, जिससे ठंड और बढ़ने के आसार हैं। स्थानीय मौसम रिपोर्ट के मुताबिक 13 दिसंबर को अधिकतम तापमान लगभग 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम पूवार्नुमान में मध्यम कोहरा छाने के बारे में बताया गया है। इसी तरह 14 दिसंबर को अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 15 दिसंबर को तापमान में और गिरावट के संकेत हैं, जब अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। फिलहाल किसी प्रकार की मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन कोहरे के कारण सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है।

वाहन चोरी में युवक गिरफ्तार, 2 स्कूटी और 3 मोबाइल बरामद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की थाना बिंदापुर टीम ने वाहन चोरी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी की गई 2 स्कूटी और 3 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

थाना बिंदापुर पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति पिछले दो-तीन दिनों से रात के समय पुरानी पंखा रोड स्थित कम्युनिटी सेंटर के पास चोरी की स्कूटी पर आ-जा रहा है और उसके पास चोरी के मोबाइल फोन हैं, जिन्हें वह बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इलाके में घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस ने एक युवक को चोरी की स्कूटी पर आते हुए देखा, जिसे मौके पर ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ के दौरान उसने विकासपुरी इलाके से एक अन्य स्कूटी चोरी करने की बात भी कबूल की, जिसे उसने पंखा रोड पर नाले के पास छिपाकर रखा था। आरोपी की निशानदेही पर उक्त स्कूटी भी बरामद कर ली गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अभिषेक कुमार (26) निवासी मटियाला, उत्तम नगर (दिल्ली) के रूप में हुई। आरोपी पहले से ही छीनाझपटी और चोरी के 10 से अधिक मामलों में शामिल रहा है। जांच में सामने आया कि आरोपी कोई काम नहीं करता और नशे की लत को पूरा करने के लिए चोरी को अंजाम देता है। इस कार्रवाई में कुल 2 चोरी की स्कूटी और 3 चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी शिकायत ई-एफआईआर के जरिए दर्ज कराई गई थी। दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। ये किस गिरोह का है और किस-किस इलाके में वारदात की। पुलिस आरोपी अभिषेक की निशानदेही पर उन लोगों का पता लगा रही है कि जिन्हें चोरी के वाहन बेचे गए हैं। अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया जा रहा है, जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राज्य स्कूल स्तर के खेलों का आयोजन शुरू

नई दिल्ली। राजधानी में स्कूली खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य स्कूल स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन शुरू हो गया है। शिक्षा निदेशालय की खेल शाखा की ओर से राज्य स्कूल खेल टेबल टेनिस प्रतियोगिता का सोमवार से दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। यह टूर्नामेंट अंडर-17 वर्ग में लड़के और लड़कियों दोनों के लिए होगा। निदेशालय ने सभी जोनल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रतिभागियों की एंट्री तय कर आवश्यक दस्तावेज त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जमा कराएं। स्कूल प्रमुखों को सुनिश्चित करना होगा कि खिलाड़ी निर्धारित खेल किट में समय पर रिपोर्ट करें। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि ऐसे आयोजनों से छात्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और भविष्य में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिल्ली व देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे।

आंकड़ों से 'आप' सरकार के शिक्षा मॉडल की सच्चाई उजागर: दिल्ली के शिक्षा मंत्री

■ 'शिक्षा क्रांति' का उद्देश्य छात्रों का समर्थन करने के बजाय आंकड़ों को चमकाना था

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को कहा कि राज्यसभा में प्रस्तुत आंकड़ों ने पूर्व आम आदमी सरकार के शिक्षा मॉडल की सच्चाई को उजागर किया है।

राज्यसभा में दिए गए एक जवाब पर प्रतिक्रिया देते हुए सूद ने कहा कि बहुचर्चित शिक्षा क्रांति का उद्देश्य छात्रों का समर्थन करने के बजाय आंकड़ों को चमकाना था। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने उठाया था, जिन्होंने यह स्पष्टीकरण मांगा था कि क्या कक्षा नौ में फेल होने वाले छात्रों को स्कूल के परिणामों में सुधार के लिए राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) में स्थानांतरित किया जा रहा है। आरोपों प्रतिक्रिया व्यक्त आप ने कहा कि ये दावे तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। एक बयान में पार्टी ने कहा कि नौवी कक्षा में फेल हुए छात्रों में से केवल 22 प्रतिशत ने ही पांच साल की अवधि के दौरान एनआईओएस का विकल्प चुना और उन्होंने भी स्वेच्छा से ऐसा किया ताकि उन्हें एक ही कक्षा में दोबारा न पढ़ना पड़े। पार्टी ने कहा कि ये आरोप बिना सोचे-समझे लगाए जा रहे हैं। सूद ने कहा कि जब उसी पार्टी का कोई सांसद यह सवाल उठाता है कि क्या बच्चों को मुख्यधारा से बाहर निकाला जा रहा है तो इससे नीति के इरादे के बारे में चिंताएं पैदा होती हैं। राज्यसभा में एक प्रश्न पर शिक्षा मंत्रालय के लिखित जवाब के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में दिल्ली सरकार के स्कूलों में नौवीं कक्षा में 32 लाख से अधिक छात्र अनुत्तीर्ण हुए हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि 2020-21 में 31,541 छात्र, 2021-22 में 28,548, 2022-23 में 88,421, 2023-24 में 1,01,344 और 2024-25 में 70,296 छात्र अनुत्तीर्ण रहे। इसी अवधि के दौरान एनआईओएस में 71,000 से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया गया, जिसमें 2022-23 में 29,436 छात्रों का प्रवेश शामिल हैं।

डिजिटल अरेस्ट कर बुजुर्ग से 1.16 करोड़ ठगे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

■ पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट के तीन सदस्यों को किया गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने एक बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट करने के बाद उससे 1.16 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में साइबर धोखाधड़ी सिंडिकेट के तीन कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यहां एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि खुद को कानून प्रवर्तन अधिकारी बताते हुए आरोपी ने एक वीडियो कॉल के दौरान पीड़ित 82 वर्षीय व्यक्ति को एक फर्जी गिरफ्तारी आदेश दिखाया। दबाव बनाकर और कानूनी कार्रवाई की धमकी देकर बुजुर्ग व्यक्ति को कुल 1.16 करोड़ रुपये अंतरित करने के लिए मजबूर किया गया। जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि ठगी गई रकम का एक बड़ा हिस्सा करीब 1.10 करोड़ रुपये हिमाचल प्रदेश स्थित एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के चालू खाते में जमा किया गया था। हालांकि, यह खाता बिहार के पटना से जालसाजों द्वारा कथित तौर पर संचालित किया जा रहा था।

पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर इसी बैंक खाते के खिलाफ 32 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिसमें कुल मिलाकर लगभग 24 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी शामिल है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के तहत हिमाचल प्रदेश और बिहार में कई छापेमारी की गई, जिससे तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिहार के नालंदा जिला निवासी प्रभाकर कुमार (27), बिहार के वैशाली जिला निवासी रूपेश कुमार सिंह (37) और हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिला निवासी देव राज (46) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि प्रभाकर कुमार ने देव राज के मोबाइल फोन पर एक एपीके फाइल इंस्टॉल की, जिससे धोखाधड़ी वाले बैंक खातों से जुड़े सिम कार्ड सक्रिय हो गए। वह इंटरनेट-आधारित वर्चुअल नंबरों के माध्यम से साइबर ठगों से कथित तौर पर लगातार संपर्क में रहा, नकद कमीशन प्राप्त किया, सहयोगियों के बीच आय वितरित की और अपनी भूमिका के लिए पर्याप्त हिस्सा प्राप्त किया। रूपेश कुमार सिंह ने कथित तौर पर डाक वितरण के माध्यम से बैंक खाता किट प्राप्त की और पटना में सह-आरोपियों की समन्वित बैठकें कीं। पुलिस ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में एक एनजीओ चलाने वाले देव राज ने अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता अपने पिता वेद प्रकाश की मिलीभगत से एनजीओ के नाम पर कथित तौर पर एक चालू खाता खोला। पैसों के लिए उन्होंने खाता बिहार में रूपेश कुमार को सौंप दिया। देव राज ने इंटरनेट बैंकिंग क्रेडेंशियल और ओटीपी कथित तौर पर साझा किए, लेनदेन को अंजाम देने के लिए पटना की यात्रा की और धोखाधड़ी की आय से कमीशन प्राप्त किया।

डीयू छात्रा के उत्पीड़न मामले की जांच की मांग

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा के उत्पीड़न मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। संगठन ने कहा है कि डीयू की साख दांव पर लगाने वाले इस संवेदनशील मामले की पारदर्शी और स्वतंत्र जांच होनी चाहिए।

संगठन ने शनिवार को बयान जारी करके कहा है कि डीयू की छात्रा द्वारा सोशल माध्यम पर डाले गए वीडियो को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच हो ताकि सत्य सामने आ सके। संगठन ने कहा कि पिछले कुछ समय से ऐसे प्रकरण लगातार डीयू की प्रतिष्ठा और साख पर सवाल उठा रहे हैं। इससे न केवल डीयू की छवि प्रभावित हो रही है बल्कि छात्र-छात्राओं और अभिभावकों के मन में भी असुरक्षा और अविश्वास की भावना पैदा होती है।

फर्जी 'नो-एंट्री' स्टिकर गिरोह का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

■ बिना किसी रुकावट के सड़कों पर चलती थी स्टिकर लगी गाड़ियां

दिल्ली पुलिस ने यातायात धोखाधड़ी और जबरन वसूली में शामिल एक आपराधिक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए कथित साजिशकर्ता समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह गिरोह व्यावसायिक वाहनों को नो एंट्री से जुड़े प्रतिबंधों से बचने में मदद करने के लिए कथित तौर पर फर्जी स्टिकर बेचता था। पुलिस के मुताबिक, उसने रिंकू राणा उर्फ भूषण, सोनू शर्मा और मुकेश कुमार उर्फ पकौड़ी की गिरफ्तारी के साथ ही यातायात से संबंधित धोखाधड़ी करने वाले तीसरे संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। ये आरोपी जबरन वसूली में शामिल एक अन्य गिरोह से भी जुड़े हुए थे। पुलिस के अनुसार, रिंकू राणा एक संगठित गिरोह संचालित कर रहा था, जो दो हजार से पांच हजार रुपये प्रति माह की दर से नकली मार्का या स्टिकर बेचकर व्यावसायिक माल वाहनों को प्रतिबंधित घंटों के दौरान आवाजाही की सुविधा प्रदान करता था। स्टिकर को यातायात नियमों से संबंधित चालान से बचने के लिए गलत तरीके से पेश किया गया था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 31 लाख रुपये नकदी, कई करोड़ रुपये की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज, 500 से अधिक नकली स्टिकर और गिरोह को संचालित करने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले छह मोबाइल फोन बरामद किए। यह कार्रवाई यातायात पुलिस के एक अधिकारी की ओर से इस साल अप्रैल में दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर की गई। अधिकारी ने एक व्यावसायिक वाहन को रोका था, जिसने फर्जी स्टिकर के जरिये प्रवर्तन कार्रवाई से छूट का दावा किया था। पुलिस के मुताबिक, जांच से पता चला कि अवैध आवाजाही में वाहनों की मदद करने और चालकों को यातायात पुलिस जांच चौकियों के बारे में सूचना देने के लिए सोशल मीडिया ग्रुप का इस्तेमाल किया जाता था।

जिलाधिकारी ने मौजपुर गांव को घोषित किया तंबाकू मुक्त

■ गांव को तंबाकू मुक्त बनाने में जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शाहदरा जिले का मौजपुर गांव एक नई मिसाल बनकर उभरा है, इस गांव को ग्रामवासियों के सहयोग से तम्बाकू मुक्त घोषित किया गया। इस पहल की वजह से मौजपुर गांव लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। इस गांव को तम्बाकू मुक्त बनाने में जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

शनिवार को मौजपुर गांव की चौपाल का नजारा बदला हुआ था गांव के सैकड़ों युवा और बुजुर्ग वहां इकट्ठा थे, और उनके बीच डीएम एस.एस परिहार, एसडीएम तपन झा भी मौजूद थे। शाहदरा जिला प्रशासन के निरंतर और सख्त प्रयासों के बाद मौजपुर गांव को तम्बाकू मुक्त घोषित किया गया। यह अभियान पिछले एक वर्ष से अधिक समय से लगातार चलाया जा रहा था, जिसमें प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक संगठनों ने मिलकर काम किया। अभियान के तहत स्थानीय लोगों को तम्बाकू से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया,और शनिवार की मौजपुर गांव की चौपाल पर मौजूद सभी लोगो ने शपथ ली,कि वह कभी भी ताम तंबाकू या उससे निर्मित वस्तुओं का सेवन नहीं करेंगे। इस मौके पर डीएम एस.एस. परिहार ने कहा यह गांव दिल्ली के लोगों के लिए एक मिसाल बनकर उभरा है और आज इस गांव को तम्बाकू मुक्त घोषित किया गया है यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। एसडीएम शाहदरा तपन झा ने बताया कि मौजपुर गांव को नशा मुक्त बनाने के लिए नियमित निगरानी, काउंसलिंग, जनजागरूकता शिविर और पुनर्वास से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्कूलों और सामुदायिक स्तर पर संवाद स्थापित कर लोगों को इस मुहिम से जोड़ा गया। प्रशासन का कहना है कि नशा मुक्त गांव की पहचान बनाए रखने के लिए आगे भी सतर्कता और निगरानी जारी रहेगी। स्थानीय निवासियों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए प्रशासन के साथ सहयोग बनाए रखने का भरोसा जताया।

मोटर मैकेनिक की दुकान में अचानक लगी आग

नई दिल्ली । शाहदरा के जीटीबी एन्क्लेव थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात उस समय अफरा तफरी मच गई जब जनता फ्लैट्स स्थित एक मोटर मैकेनिक की दुकान में अचानक आग लग गई और आग की लपटे दुकान के ऊपरी मंजिल तक जा पहुंची और इस आग में गली के खम्भे की बिजली की तार भी जल गयी जिनको शनिवार सुबह बदला गया । घटना रात करीब एक बजे की बताई जा रही है। आग इतनी भयंकर थी कि कुछ ही देर में दुकान में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया।

गनीमत रही कि इस हादसे में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार 69 जनता फ्लैट्स, जीटीबी एन्क्लेव में ग्राउंड फ्लोर पर बाइक सही करने वाले की दुकान थी, जबकि ऊपर तीन मंजिलों पर रिहायशी हिस्से बने हुए हैं। आग नीचे दुकान से उठी और उसकी लपटों व धुएं की चपेट में ऊपर की तीनों मंजिलें भी आ गईं, जिससे वहां भी नुकसान पहुंचा। स्थानीय लोगों ने धुआं उठता देखा तो तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी।

हथियारों की आपूर्ति करने वाले गिरोह का सदस्य गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

■ पुलिस ने आरोपी के पास से 11 अर्धस्वचालित पिस्तौल बरामद की

पुलिस ने अवैध हथियारों की आपूर्ति करने वाले एक गिरोह के 22 वर्षीय सदस्य को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 11 अर्धस्वचालित पिस्तौल बरामद की हैं। उसका कथित तौर पर दिल्ली-एनसीआर में अपराधियों को आपूर्ति करने का इरादा था। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी मनपाल नामक आरोपी को मध्य प्रदेश स्थित हथियार कारोबारियों से प्राप्त अवैध हथियारों को लाने ले जाने के बारे में मिली सूचना के बाद गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में गैंगस्टर और कुख्यात अपराधियों द्वारा मध्य प्रदेश के आपूर्तिकर्ताओं से अत्याधुनिक आग्नेयास्त्र प्राप्त करने की विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने नेटवर्क की पहचान करने और उसे नष्ट करने के लिए काम शुरू किया। अधिकारी ने बताया, एक महीने से अधिक समय तक लगातार प्रयास करने के बाद टीम ने गिरोह के सदस्यों की पहचान की।

नौ दिसंबर को विशिष्ट सूचना मिली कि मनपाल ने मध्य प्रदेश के सेंधवा से पिस्तौल की एक खेप मंगवाई थी और उन्हें पहुंचाने के लिए नयी दिल्ली के सराय काले खान जा रहा था। अधिकारी ने बताया कि इलाके में जाल बिछाया गया और नौ दिसंबर की देर रात मनपाल को घेरकर काबू में कर लिया गया। उन्होंने बताया, तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से .32 बोर की 11 अच्छी गुणवत्ता वाली अर्धस्वचालित पिस्तौल और 11 अतिरिक्त मैगजीन बरामद कीं। शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत 10 दिसंबर को मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान, मनपाल ने कथित तौर पर खुलासा किया कि आग्नेयास्त्र सेंधवा स्थित एक हथियार आपूर्तिकर्ता से खरीदे गए थे और दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय अपराधियों को आपूर्ति किए जाने थे। उसने जांचकताओं को बताया कि उसने पहले भी मध्य प्रदेश से क्षेत्र के विभिन्न अपराधियों को 25 से अधिक पिस्तौल की आपूर्ति किया था। अधिकारी ने आगे बताया कि हथियारों के स्रोत का पता लगाने और अंतरराज्यीय हथियार गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

18 आपराधिक मामलों में शामिल हिस्ट्रीशीटर पकड़ा

नई दिल्ली। हत्या समेत 18 आपराधिक मामलों में शामिल बदायूं, यूपी के हिस्ट्रीशीटर को हथियार के साथ लक्ष्मी नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान कबीर नगर,बाबरपुर निवासी 45 वर्षीय शमशेर उर्फ अच्छे मियां के तौर पर हुई है। उसके पास से देशी कट्टा, जिंदा कारतूस, लूट व चोरी के दो मोबाइल फोन तथा बाइक बरामद हुआ है। ईस्ट जिला डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि 11/12 दिसंबर की रात करीब 12:40 बजे, दिल्ली-सहारनपुर हाईवे फ्लाईओवर के नीचे, किशन कुंज झुग्गियों के पास गश्त के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को बाइक पर आते हुए देखा। बाइक का नंबर प्लेट जानबूझकर छिपाई गई थी। संदेह होने पर उसे रोका गया और तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक अवैध देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा लूट व चोरी के दो मोबाइल भी बरामद हुआ। जांच में पता चला कि वह बदायूं का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 14 दिसंबर 2025

संक्षिप्त खबरें

महिंद्रा एक्सयूवी 7एक्सओ की प्री-बुकिंग 15 से

फरीदाबाद। देश की अग्रणी एसयूवी निमार्ता महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने अपनी प्रीमियम और हाई-टेक एसयूवी एक्सयूवी 7एक्सओ के लिए प्री-बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है। यह बहुप्रतीक्षित एसयूवी 15 दिसंबर 2025 को दोपहर 12 बजे से प्री-बुकिंग के लिए उपलब्ध होगी। ग्राहक 21,000 रुपये की बुकिंग राशि जमा कर अर्ली बुकिंग सीक्वेंस सुनिश्चित कर सकते हैं। कंपनी के अनुसार, प्री-बुकिंग के दौरान ग्राहकों को अपनी पसंदीदा डीलरशिप, ईंधन विकल्प और ट्रांसमिशन चुनने की सुविधा मिलेगी। एक्सयूवी 7एक्सओ पेट्रोल और डीजल, दोनों ईंधन विकल्पों में उपलब्ध होगी, जिसे मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ पेश किया जाएगा। प्री-बुकिंग की सुविधा देशभर की सभी महिंद्रा डीलरशिप के साथ-साथ कंपनी के आधिकारिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध रहेगी। आधुनिक तकनीक, दमदार डिजाइन और प्रीमियम फीचर्स से लैस एक्सयूवी 7एक्सओ को लेकर ग्राहकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कंपनी को उम्मीद है कि यह एसयूवी प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेगी।

स्टेट लेवल रेडक्रॉस कैंप में जेआरसी सराय ख्वाजा को पांच पुरस्कार

फरीदाबाद। हरियाणा राज्य रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा कुरुक्षेत्र के गीता ज्ञान संस्थानम में 7 दिसंबर से आयोजित पांच दिवसीय स्टेट लेवल रेडक्रॉस कैंप फॉर बॉयज में राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा, फरीदाबाद की जूनियर रेडक्रॉस व सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड इकाई ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा के मार्गदर्शन में विद्यालय की टीम को बेस्ट कोऑर्डिनेटिंग टीम, बेस्ट काउंसलर, एक्सटेंपोर स्पीच, ग्रुप डांस और लकी स्टार प्रतियोगिताओं में प्रथम सहित कुल पांच पुरस्कार प्राप्त हुए। शिविर में छात्रों ने रेडक्रॉस की मानवतावादी गतिविधियों, नशा मुक्ति, प्राथमिक चिकित्सा, यातायात जागरूकता, रक्तदान तथा जरूरतमंदों की सहायता के महत्व को समझा। विद्यालय लौटने पर प्रतिभागी छात्रों बजरंगी, अभिनाश, प्रिंस, धीरज, योगेश और प्राध्यापक पवन कुमार का विद्यालय परिवार ने स्वागत किया। प्राचार्य मनचंदा ने छात्रों को समाज सेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया।

सीही सरकारी स्कूल में एनएसएस शिविर का शुभारंभ, पं ओमदत्त शास्त्री चीफ गेस्ट

फरीदाबाद। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सीही सेक्टर 08 के प्रांगण में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि ज्योतिषाचार्य पं ओमदत्त शास्त्री ने दीप प्रज्वलित कर किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रोहित कुमार और जनहित सेवा संस्था के अध्यक्ष सन्तसिंह हुड्डा एवं डॉ. प्रेमचंद योगाचार्य ने मुख्य अतिथि का पौधा भेंटकर स्वागत एवं स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर पं ओमदत्त शास्त्री ने छात्राओं को अनुशासन, शिक्षा और आध्यात्मिक संस्कृति यज्ञ के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रेमचंद आर्य ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा के महत्व पर प्रकाश डाला। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रोहित कुमार ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और बताया कि यह सात दिवसीय शिविर सोमवार 15 दिसंबर को समापन समारोह के साथ संपन्न होगा। मंच संचालन समाजसेवी शिक्षाविद सन्तसिंह हुड्डा ने किया।

सेंट कोलंबस स्कूल में नन्हें-मुन्नों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन

फरीदाबाद। सेंट कोलंबस स्कूल के सभागार में नर्सरी से द्वितीय कक्षा तक के विद्यार्थियों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को समाज के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित कराना, आत्मविश्वास बढ़ाना और अपने विचारों को प्रस्तुत करने की कला सिखाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश जांगिड़ (संस्थापक डीएस डिजाइन सेंस लिमिटेड) ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। निदेशिका संगीता भाटी की अगुवाई में कार्यक्रम में बच्चों के अभिभावकों ने भी भाग लिया। प्रतियोगिता में बच्चों ने रंग-बिरंगे किरदारों में प्रस्तुति देकर समाज, संस्कृति और तकनीकी विषयों जैसे चैट जी पी टी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कथकली नृत्य, दशावतार, चार्ली चैप्लिन आदि का प्रतिनिधित्व किया। निर्णायक मंडल में रितु सहाय और कांता बर्थवाल रही। निदेशिका ने सभी की मेहनत की सराहना की और मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

समुंदर से निकाला स्वर्ण पदक, हरियाणा के तैराकों ने रोशन किया नाम

फरीदाबाद। अंडरवॉटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित थर्ड ओपेन वॉटर नेशनल फिनस्विमिंग प्रतियोगिता चिबला बीच, मालवन, महाराष्ट्र में संपन्न हुई। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में हरियाणा के तैराकों ने शानदार प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन किया। फरीदाबाद के डीसी मॉडल स्कूल के कक्षा 11 के छात्र उदित मलिक ने समग्र फिन स्विमर श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीतकर हरियाणा का गौरव बढ़ाया। इसके अतिरिक्त, झज्जर के आरव भारद्वाज ने 1 किलोमीटर की रेस में रजत पदक प्राप्त किया। दोनों तैराकों की इस उपलब्धि ने आगामी फिन स्विमर्स के लिए समुंदर में तैराकी के प्रति उत्साह और हौसला बढ़ाया है। अंडरवॉटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के सचिव ए के पंडित ने बताया कि बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन हरियाणा के लिए गर्व का विषय है।

युवाओं में बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने की अपील

फरीदाबाद। वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और पीढ़ियों के बीच संवाद को सशक्त बनाने के लिए दक्ष फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम ख्याल अपने बुजुर्गों का दिल्ली स्कॉलर इंटरनेशनल स्कूल परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के मंत्री राजेश नागर ने कहा कि आज की पीढ़ी में बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए इस प्रकार की पहल आवश्यक है। उन्होंने माता-पिता से युवाओं को बुजुर्गों के प्रति भावनात्मक और सामाजिक रूप से संवेदनशील बनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में फरीदाबाद के 28 विद्यालयों के 380 विद्यार्थियों ने अपने दादा-दादी/नाना-नानी सहित लगभग 450 बुजुर्ग अभिभावकों के साथ भाग लिया। बच्चों और बुजुर्गों के लिए पाँच श्रेणियों में रचनात्मक और मूल्य-आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कवि दिनेश रघुवंशी, स्कूल चेयरमैन एस. दलाल, रेड क्रॉस सोसायटी के जिला सचिव विजेंद्र सोरोत, कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

20 साल की युवती का शव मिला, हाथ पर लिखा है गुड़िया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- प्राथमिक दृष्टि में बाहर से लाया गया है शव
- शव के गले पर है गला घोंटने के है निशान

यहां मानेसर के पास शनिवार को एक युवती का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव पड़े होने की सूचना पर काफी संख्या में लोग और सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव की शिनाख्त करने की कोशिश की। शव के गले पर किसी चीज से गला घोंटने के निशान भी मिले हैं। हाथ पर गुडिय़ा लिखा हुआ है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि प्राथमिक दृष्टि में ऐसा लग रहा है कि युवती की कहीं और हत्या करके शव को यहां पर डाल दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर को थाना मानेसर पुलिस टीम को एक सूचना गांव ग्वालियर (पंचगांव) के क्षेत्र में एक युवती का शव पड़े होने की मिली। पुलिस थाना मानेसर से पुलिस टीम बताए गए स्थान पर पहुंची। वहां पर युवती का शव पड़ा था। पुलिस टीम द्वारा पुलिस की सीन-ऑफ-क्राइम, एफएसएल, फिंगरप्रिंट, डॉग-स्क्वार्ड व क्राइम की पुलिस टीमों से घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव का भी निरीक्षण किया गया। शव की पहचान व आगामी कार्यवाही के लिए शव को मोर्चरी में रखवाया गया है।

पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार के अनुसार प्रथम दृष्टि में युवती का शव किसी अन्य स्थान से यहां पर ट्रांसपोर्ट करके डालने जैसा लग रहा है। युवती के दाहिने हाथ पर गुडिय़ा शब्द गुदा हुआ है। शरीर पर अन्य किसी भी प्रकार के चोट के निशान नहीं है। साथ ही युवती के साथ किसी प्रकार के यौन उत्पीडऩ, बलात्कार का कोई खुलासा नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

किशोर की संदिग्ध मौत दोस्तों पर हत्या का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

- मृतक के भाई ने आरोप लगाया कि हिमांशु की मौत सामान्य नहीं है

हरियाणा के फरीदाबाद में एक किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों ने उसके साथ बाहर गए दोस्तों पर जान से मारने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है और सेक्टर-58 थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार सीकरी गांव निवासी हरीश का बेटा हिमांशु बारहवीं कक्षा का छात्र था। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे उसके दोस्त अंशुल और समीर उसे घर से बाहर घूमने के लिए लेकर गए थे। परिजनों के मुताबिक, घर से निकलने के करीब एक घंटे बाद ही हिमांशु के मोबाइल फोन से अंशुल ने कॉल कर बताया कि हिमांशु बेहोश हो गया है। यह सूचना मिलते ही पिता हरीश ने अंशुल को निर्देश दिया कि वह तुरंत हिमांशु को बादशाह खान नागरिक अस्पताल ले जाए। इसके बाद परिजन भी आनन-फानन में अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने हिमांशु को मृत घोषित कर दिया। इस खबर से परिवार में कोहराम मच गया।

मृतक के भाई सोनू ने आरोप लगाया कि हिमांशु की मौत सामान्य नहीं है और उसके दोस्तों ने ही उसकी हत्या की है। परिजनों का कहना है कि हिमांशु पूरी तरह स्वस्थ था और दोस्तों के साथ जाने के बाद अचानक उसकी मौत कई सवाल खड़े करती है।

सेक्टर-58 थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर किसी भी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। परिजनों की शिकायत ले ली गई है, लेकिन फिलहाल मामला दर्ज नहीं किया गया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले ने इलाके में सनसनी फैला दी है और लोग सच्चाई सामने आने का इंतजार कर रहे हैं।

करोड़ों की अवैध शराब रखने के आरोपी में शॉप मालिक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- अब तक दो लोगों को किया जा चुका है गिरफ्तार

यहां एक वॉइन-शॉप में संग्रहित की गई बिना होलोग्राम एवं ट्रैक-ट्रेस स्ट्रिप्स वाली करोड़ों की कीमत की विदेशी शराब की 3,921 पेटियां व 176 बोतलें रखने के मामले में पुलिस ने वाईन शॉप के मालिक को गिरफ्तार किया है। शनिवार को पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपी इस वाईन शॉप में 25 फीसदी शेयर का मालिक है। उसके अन्य साथी द्वारा वॉइन-शॉप में अवैध शराब संग्रहित कराई गई थी। इस मामले में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बता दें कि बीती नौ दिसंबर 2025 को एक गुप्त सूचना के आधार पर सिग्नेचर टॉवर स्थित एल-2 व एल-14ए जेडजीआरई-14 मैसर्ज सुरेंद्र की वाइन शॉप में छापेमारी की गई थी। इस दौरान बिना होलोग्राम एवं ट्रैक-ट्रेस स्ट्रिप्स वाली करोड़ों की विदेशी शराब की 3,921 पेटियां व 176 बोतलें बरामद हुई थी। इस मामले में आबकारी विभाग के एक अधिकारी को पहले सस्पेंड किया जा चुका है। फिर उसके मैनेजर को गिरफ्तार किया गया। अब वाईन शॉप का मालिक गिरफ्तार किया गया है। वाईन-शॉप के एक मालिक को झुंझुनूं (राजस्थान) से काबू किया गया है।

प्रदूषण स्तर बढ़ने पर ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू

फरीदाबाद। उपायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा ग्रैप की संशोधित कार्ययोजना 21 नवंबर 2025 से पूरे एनसीआर में लागू है। हाल ही में दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 401 तक पहुंच गया है, जिससे स्थिति गंभीर श्रेणी में आ गई है।

डीसी ने बताया कि कम गति की हवाओं, स्थिर वातावरण और प्रतिकूल मौसमीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषकों का प्रसार नहीं हो पा रहा है। साथ ही पूर्वी हवाओं के कारण पीएम 2.5 का स्तर बढ़ गया है। आईएमडी और आईआईटीएम के अनुसार यह स्थिति अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है। इन हालात को देखते हुए सीएक्यूएम ने ग्रैप के चरण-थर्ड के तहत सभी प्रतिबंधात्मक और नियंत्रणात्मक उपाय तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए हैं। उपायुक्त आयुष सिन्हा ने सभी विभागों और संबंधित एजेंसियों को ग्रैप-3 के नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

फ्री में शराब न देने पर सेल्समैन पर लाठी-डंडों से हमला, तीन गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

किसी तरह सेल्समैन ने बचाई जान

सेल्समैन ने हिम्मत दिखाते हुए किसी तरह हमलावरों के चंगुल से खुद को छुड़ाया और वहां से भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद पीड़ित ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लिया।

भूपानी इलाके में फ्री में शराब न देने पर शराब ठेके के सेल्समैन के साथ बेरहमी से मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हमलावर कार में सवार होकर आए और लाठी-डंडों से सेल्समैन को पीटकर मौके से फरार हो गए। इस पूरी वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपी खुलेआम गुंडागर्दी करते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि मुख्य आरोपी को पहले ही पकड़ा जा चुका है।

फरीदाबाद पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि यूपी निवासी अश्वनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह भूपानी मोड़ स्थित शराब के ठेके पर सेल्समैन के रूप में काम करता है। 5 दिसंबर की रात करीब 11 बजे तीन युवक ठेके पर शराब लेने आए थे। युवकों ने उससे फ्री में शराब देने की मांग की। जब सेल्समैन ने नियमों का हवाला देते हुए शराब देने से मना कर दिया तो आरोपी उसे धमकी देकर वहां से चले गए।

शिकायत के अनुसार, 6 दिसंबर की रात आरोपी बदले की नीयत से दोबारा लौटे। इस बार वे एक कार में सवार होकर करीब छह युवक आए, जिनमें से कुछ के हाथों में लाठी और डंडे थे। आते ही उन्होंने ठेके पर मौजूद सेल्समैन ब्रह्मप्रकाश पर हमला कर दिया। आरोपियों ने उसे घेरकर डंडों से पीटना शुरू कर दिया।

सीसीटीवी में साफ दिखी गुंडागर्दी : शराब ठेके पर लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात कैद हो गई है। फुटेज में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि कैसे आरोपी कार से उतरते ही हाथों में डंडे लेकर सेल्समैन पर टूट पड़ते हैं। इस फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की।

तीन आरोपी गिरफ्तार: क्राइम ब्रांच एवीटीएस-2 की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों निशांत निवासी मक्कड़ राम कॉलोनी, होशियार निवासी नचौली और राम अवतार निवासी पहलादपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से दो डंडे और कार भी बरामद की है। सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस मामले के मुख्य आरोपी जितेंद्र को पहले ही जेल भेजा जा चुका है।

फर्जीवाड़े से दूसरों की जमीन बेचकर रईस बनने का एक आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

दूसरों की जमीन दिखाकर फर्जी एग्रीमेंट के माध्यम से धोखाधड़ी व ठगी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गुरुग्राम पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर-17 की ओर से यह गिरफ्तारी की गई है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शनिवार को बताया कि आरोपी ने फर्जी कागजात दिखाकर 45 लाख रुपये की ठगी की थी।

जानकारी के अनुसार छह जून 2024 को आर्थिक अपराध शाखा-2 गुरुग्राम को एक शिकायत मिली थी। जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि वर्ष-2023 में उसकी मुलाकात अश्वनी चौधरी नामक व्यक्ति से हुई थी। अश्वनी चौधरी ने स्वयं को एक बड़े प्रॉपर्टी इन्वेस्टमेंट ग्रुप का सदस्य बताते हुए जमीन खरीदने का प्रस्ताव रखा। अश्वनी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से उसको जमीन में इन्वेस्टमेंट का लालच दिया। गांव मंडकोला व नोएडा की जमीन से संबंधित फर्जी एग्रीमेंट किए। अश्वनी व उसके साथियों ने दूसरों की जमीन को अपनी बताकर 15 बीघा जमीन का फर्जी एग्रीमेंट 9 करोड़ 30 लाख रुपयों में कर लिया। एडवांस में 45 लाख रुपयों की ठगी की। बाद में जांच में पता चला कि संबंधित जमीन विक्रय योग्य नहीं थी। उसके दस्तावेज फर्जी थे। जांच में सामने आए तथ्यों के अनुसार थाना सिविल इन गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया। अपराध शाखा की टीम ने आठ दिसंबर 2025 को इस मामले में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से ठगी गिरोह के एक सदस्य को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान विजय शर्मा निवासी गांव प्रताप नगर जिला गाजियाबाद के रूप में हुई। पुलिस द्वारा आरोपी को अदालत में पेश करके तीन दिन के रिमांड पर लिया गया।

पुलिस हिरासत रिमांड के दौरान आरोपी ने पुलिस पूछताछ में गुरुग्राम व उत्तर-प्रदेश में जमीन से संबंधित ठगी की दो अन्य वारदातों को अंजाम देने का भी खुलासा किया। आरोपी ने बताया कि वह अश्वनी चौधरी व कविंद्र सिंह के गिरोह का सदस्य है।

ब्लॉपंक्ट-बीपीआईएन की पार्टनरशिप 2041 तक बढ़ी

फरीदाबाद। कार इन्फोटेनमेंट और ऑडियो एक्सेसरीज के क्षेत्र की वैश्विक ब्रांड ब्लॉपंक्ट ने भारत में बीपीआईएन प्राइवेट लिमिटेड के साथ अपनी ब्रांड पार्टनरशिप को अगले 15 वर्षों के लिए बढ़ाते हुए 2041 तक करने की घोषणा की है। यह समझौता दोनों कंपनियों के बीच 27 वर्षों से चले आ रहे सफल सहयोग को और मजबूत करता है।

रीन्यू किए गए एग्रीमेंट से भारत के तेजी से विकसित हो रहे ऑटोमोटिव सेक्टर में ब्लॉपंक्ट की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। इस साझेदारी के तहत ओईएम और आफ्टरमार्केट के लिए हाई-परफॉर्मेंस कार इन्फोटेनमेंट और एक्सेसरीज की उपलब्धता बढ़ाई जाएगी। बीपीआईएन के मैनेजिंग डायरेक्टर पंकज जगवानी ने कहा कि भारत ब्लॉपंक्ट के लिए संभावनाओं से भरा बाजार है।

यूपीएससी विभागीय परीक्षाओं के मद्देनजर फरीदाबाद में धारा 163

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

यूपीएससी द्वारा आयोजित विभागीय परीक्षाओं के शांतिपूर्ण और निष्पक्ष आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए फरीदाबाद जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। जिलाधीश आयुष सिन्हा ने बताया कि संयुक्त सेक्शन ऑफिसर्स (ग्रेड-बी) एलडीसीई-2025 तथा संयुक्त स्टेनोग्राफर्स (ग्रेड-बी व ग्रेड-टी) एलडीसीई परीक्षाएं 13 और 14 दिसंबर 2025 को जिले के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा रही हैं।

इन परीक्षाओं के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। आदेश के अनुसार 13 से 14 दिसंबर तक परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में भीड़ जमा करने, अनावश्यक आवाजाही और फोटोस्टेट मशीनों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

जिलाधीश ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि आदेशों के उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बीपीएल/एएवाई परिवारों को मिलेगा फोर्टिफाइड सरसों तेल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

- जनवरी से प्रत्येक पात्र परिवार को दिया जाएगा दो लीटर सरसो का तेल : सिन्हा

उपायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल के तहत जनवरी 2026 से बीपीएल/एएवाई श्रेणी के पात्र परिवारों को फोर्टिफाइड सरसों तेल रियायती दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत पीपीपी में सत्यापित वार्षिक आय 1.80 लाख रुपए तक वाले प्रत्येक पात्र परिवार को प्रति माह 2 लीटर सरसों तेल दिया जाएगा।

डीसी ने जानकारी दी कि सरकार ने 2 लीटर सरसों तेल की अधिकतम कीमत 300 रुपए निर्धारित की है, जबकि लाभार्थियों को यह तेल सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से मात्र 30 रुपए प्रति लीटर और 100 रुपए में 2 लीटर उपलब्ध कराया जाएगा। तेल की आपूर्ति हैफेड और हर-हित (हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड) द्वारा की जाएगी, जिनके बीच जिलावार आवंटन तय किया गया है। दोनों एजेंसियां प्रत्येक माह कॉनफेड के फोकल प्वाइंट पर समय पर तेल की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगी।

उन्होंने बताया कि सरसों तेल एफएसएसएआई प्रमाणित, पूर्णतः सीलबंद और लीक-प्रूफ बोतलों में वितरित किया जाएगा।

गुरुग्राम में 90,886 व फरीदाबाद में 69,987 मामले निपटाए

राष्ट्रीय लोक अदालत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- इस दौरान 24.93 करोड़ रुपये का सेटलमेंट हुआ

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, गुरुग्राम द्वारा शनिवार को जिला न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत में 90886 मामलों का निपटारा किया गया। इस दौरान 24.93 करोड़ रुपये का सेटलमेंट हुआ।

शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय तथा कार्यकारी अध्यक्ष, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम वाणी गोपाल शर्मा के निर्देशानुसार संपन्न हुई। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, गुरुग्राम द्वारा कुल 27 पीठों का गठन किया गया। इसके अतिरिक्त उप-मंडल सोहना एवं पटौदी में भी लोक अदालत का आयोजन किया गया, जहां सोहना में एक तथा पटौदी में एक पीठ स्थापित की गई।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गुरुग्राम राकेश कादियान ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला न्यायालय, सोहना एवं पटौदी की सभी पीठों को मिलाकर विभिन्न श्रेणियों के लगभग 97,678 मामलों को सूचीबद्ध किया गया, जिनमें से 90,886 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इन मामलों के निपटारे से कुल 24 करोड़ 93 हजार 8 सौ 47 रुपये का सेटलमेंट हुआ।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

- इनमें दुर्घटना, चेक बाउंस बिजली, चालान, वैवाहिक, दीवानी, बैंक रिकवरी, लेबर डिस्प्यूट के मामले थे

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं न्यायमूर्ति पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट चंडीगढ़ माननीय लिसा गिल के दिशा-निर्देशानुसार हर जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला फरीदाबाद के सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री संदीप गर्ग की अध्यक्षता में जिला अदालत, सेक्टर 12 में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की गई।

लोक अदालत का संचालन श्रीमती रितु यादव, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में किया गया। कुल 17 बेंचों में 89,377 मामले रखे गए, जिनमें से 69,987 मामलों का आपसी सहमति और लोक अदालत के फैसले के माध्यम से निपटारा हुआ। इनमें मोटर व्हीकल दुर्घटना 58, छोटे-मोटे आपराधिक मामले 3,340, चेक बाउंस 357, बिजली से संबंधित 687, समरी चालान 61,892, वैवाहिक 121, दीवानी 223, बैंक रिकवरी 1,359, रेवेन्यू 1,931 और लेबर डिस्प्यूट 19 मामले शामिल थे।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 14 दिसंबर 2025

शीतकालीन राहत व्यवस्था पर सवाल

रैन बसेरा और कंबल वितरण में भारी लापरवाही

एजेंसी। ग्रेटर नोएडा

गौतमबुद्धनगर जनपद में शीतकाल की शुरूआत के साथ ही शासन द्वारा जारी सख्त निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर राहत व्यवस्थाएं नाकाफी साबित हो रही हैं। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर द्वारा 12 दिसंबर 2025 को उपजिलाधिकारी सदर को जारी पत्र में रैन बसेरा, अलाव और कंबल वितरण की स्थिति पर गहरी नाराजगी जताई गई है।

पत्र में स्पष्ट किया गया है कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि जनपद में कोई भी व्यक्ति सड़क पर सोता हुआ न दिखे और ठंड से किसी प्रकार की जनहानि न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। पत्र के अनुसार जनपद में तहसीलों को 4 दिसम्बर 2025 को कंबल उपलब्ध करा दिए गए थे, लेकिन तहसील सदर में स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है।

गत वर्ष जहां सदर तहसील में 5 रैन बसेरे स्थापित किए गए थे, वहीं इस वर्ष अब तक एक भी रैन बसेरे की फीडिंग आपदा प्रहरी ऐप पर नहीं की गई है। यही नहीं, अलाव की व्यवस्था भी अधूरी है। स्वीकृत 13 अलाव स्थलों के सापेक्ष केवल 12 स्थलों की ही फीडिंग की गई है, जबकि रैन बसेरों में प्रतिदिन ठहरने वाले लोगों की संख्या भी नियमित रूप से दर्ज नहीं की जा रही है। सबसे गंभीर स्थिति कंबल वितरण को लेकर सामने आई है।

पत्र में उल्लेख है कि 4 दिसंबर 2025 से अब तक 1000 उपलब्ध कंबलों में से मात्र 11 कंबलों का ही वितरण किया गया है, जिसे अत्यंत खेदजनक बताया गया है। इस लापरवाही पर राहत आयुक्त ने भी घोर असंतोष व्यक्त किया है और जिला प्रशासन को फटकार लगाई है। इसके अलावा 19 नवंबर 2025 को शहर में विभिन्न स्थानों पर रैन बसेरा बनाए जाने थे, लेकिन अब तक यह कार्य भी पूरा नहीं हो सका है। जिलाधिकारी की ग्राउंड रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि ग्रेटर नोएडा शहर में पिछले पांच से छह वर्षों से जिन छह प्रमुख स्थानों पर रैन बसेरे लगाए जाते रहे हैं, वहां इस वर्ष अभी तक व्यवस्था नहीं की गई है।

नौकरी नहीं दी तो एचआर मैनेजर पर हमला किया

एजेंसी। ट्रांस हिंडन

साहिबाबाद थाना क्षेत्र में ई-बस चार्जिंग स्टेशन के एचआर प्रबंधक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो युवकों को नौकरी न देने पर हमला किया गया। पीड़ित ने दो लोगों को नामजद करते हुए तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

देवेश दुबे के अनुसार वह चार दिसंबर को घर लौट रहे थे। रास्ते में तीन युवकों ने उनकी बाइक रुकवा ली। तीनों ने उनके साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि तीनों में एक आऊटसोर्स कर्मचारी था। दूसरे आरोपी का नाम सचिन गिरी निवासी ग्राम पथौली जनपद मेरठ है।

सचिन गिरी उन पर दो लोगों को नौकरी पर रखने के लिए दबाव बना रहा था। नौकरी नहीं लगाने पर सचिन ने उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। पुलिस ने देवेश दुबे की शिकायत पर सचिन गिरी, साकेत और एक अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

चार घंटे तक गुल रही बिजली, मचा हाहाकार

एजेंसी। ट्रांस हिंडन

ट्रांस हिंडन क्षेत्र में बिजली की समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। जर्जर बिजली की लाइनों के चलते लोगों को रोजाना कटौती झेलनी पड़ रही है। शालीमार गार्डन, विक्रम एंक्लेव, कोयल एंक्लेव, वसुंधरा और इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में शनिवार को करीब चार घंटे तक गुल रही बिजली। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सर्दियां शुरू होने के साथ ही ट्रांस हिंडन क्षेत्र में बिजली की खपत लगभग आधी रह गई है, लेकिन इसके बावजूद लोगों को रोजाना बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी के दिनों में जहां बिजली की मांग 1500-1900 मेगावाट तक पहुंच गई थी, वहीं अब यह घटकर 900 से 1000 मेगावाट के बीच रह गई है।

इसके बावजूद लोगों को कटौती की समस्या से निजात नहीं मिल पा रहा है। लोगों का कहना है कि खपत घटने के बाद भी परेशानी हो रही है। शनिवार को इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में एवीसी केबिल में फॉल्ट के कारण कई लोगों के घरों में करीब चार घंटे तक अंधेरा पसरा रहा। सुबह के समय हुए फॉल्ट के चलते लोगों को पानी की किल्लत का भी सामना करना पड़ा। स्थानीय निवासी प्रदीप कुमार ने बताया कि सुबह करीब सात बजे तार के टूटने के वजह से पेयजल नहीं मिला। सुबह नौ बजे के करीब तार को ठीक कर दिया गया। इसके बाद दोपहर दो से चार बजे तक बिजली गुल रही।

- लोगों का कहना है कि खपत घटने के बाद भी हो रही है परेशानी

वहीं, डिफेंस कॉलोनी निवासी पूजा ने बताया कि रोजाना 33 केवी की लाइन में फॉल्ट होता है। लाइन जर्जर हो चुकी है। इस वजह से रोजाना तीन से चार बार लाइन फैल होती है। सुबह करीब 10 बजे से 11 बजे तक, दो से चार बजे तक और फिर शाम में करीब एक घंटे तक आपूर्ति बाधित रही। लोगों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी लाइन को बदला नहीं जा रहा है। इससे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की मांग है की जल्द से जल्द आपूर्ति में सुधार किया जाए। मामले पर जानकारी देते हुए विद्युत निगम जोन तीन प्रभारी मुख्य अभियंता पवन अग्रवाल ने बताया कि निजी फॉल्ट की वजह से बिजली आपूर्ति बंद की गई थी। फिलहाल स्थिति सामान्य है।

फ्लैट में चल रहे देह व्यापार का खुलासा, एक गिरफ्तार

एजेंसी। ट्रांस हिंडन

टीला मोड़ थानाक्षेत्र के तुलसी निकेतन के एक फ्लैट में शनिवार दोपहर पुलिस ने छापेमारी कर देह व्यापार का भंडाफोड़ किया। इस दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार करते हुए दो महिलाओं का रेस्क्यू किया गया। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि तुलसी निकेतन के एक एलआईजी फ्लैट में देह व्यापार की सूचना पर छापेमारी की गई।

पुलिस ने मौके से दो महिलाओं को मुक्त कराया है। मौके से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री, एक मोबाइल और 19 हजार रुपये और रजिस्टर बरामद किया गया। पुलिस ने प्रदीप निवासी चंद्रलोक दुगार्पुरी दिल्ली को गिरफ्तार किया। एसीपी के अनुसार पुलिस के पहुंचने पर एक महिला और राकेश कश्यप मौके से फरार हो गए। एसीपी ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मौके से दो महिलाओं को रेस्क्यू किया। एक महिला पश्चिमी बंगाल की रहने वाली है, जबकि दूसरी भोजपुर थाना क्षेत्र की है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि

- दो महिलाओं को मुक्त कराया है। मौके से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री, एक मोबाइल और 19 हजार रुपये और रजिस्टर बरामद
- सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की दो आरोपी मौके से फरार हो गए

राकेश ने उन्हें नौकरी का लालच देकर बुलाया था। इसके बाद जबरन उनसे देह व्यापार कराया जा रहा था। तुलसी निकेतन में चल रहे देह व्यापार का मामला एक्स पर पोस्ट किया गया था। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी की। एसीपी का कहना है कि मौके से फरार संचालक राकेश और महिला की तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

क्रेन की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

ग्रेटर नोएडा। दादरी क्षेत्र में कोट नहर पुल के समीप गुरुवार को क्रेन की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक क्रेन लेकर भाग गया। युवक के पिता ने क्रेन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है। बुलंदशहर के अख्तयारपुर गांव के रहने वाले निर्देश कुमार ने पुलिस को बताया कि उनका 20 वर्षीय बेटा आशीष ग्रेटर नोएडा के कासना स्थित एक कंपनी में नौकरी करता था। आशीष गुरुवार की सुबह अपने घर से स्कूटी पर सवार होकर ड्यूटी जा रहा था। वह दादरी कोतवाली क्षेत्र में कोट नहर पुल से आगे पहुंचा तो एक क्रेन ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में आशीष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आशीष के पिता निर्देश कुमार ने क्रेन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि चालक की तलाश की जा रही है।

दुकान हटाने को लेकर दो भाइयों से मारपीट

लोनी। प्रशांत विहार कॉलोनी में आकाश गुप्ता साप्ताहिक बाजार में दुकान लगाते हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को गली में बाजार लगा हुआ था। गली में रहने वाले व्यक्ति ने दो पुत्रों और उनके साथियों के साथ मिलकर मकान के सामने से दुकान हटाने को लेकर लोहे के सरिये से छोटे भाई बबलू गुप्ता के साथ मारपीट की। उनके विरोध करने पर हमलावरों ने उनके साथ भी मारपीट की। शोर मचाने पर हमलावर फरार हो गए।

7 खिलाड़ियों का मंडलीय ट्रायल में चयन

गाजियाबाद। महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला स्तरीय सीनियर महिला बॉक्सिंग ट्रायल का आयोजन किया गया। ट्रायल में प्रदर्शन के आधार पर सात खिलाड़ियों का चयन मंडलीय ट्रायल के लिए हुआ है। बॉक्सिंग कोच राजन ने बताया कि हर्षिता मेहरा, प्रगति सिंह, दिव्यांशी शहरावत, श्रेया सिंह, दृष्टि सिंह, आरती पाल और गुंजन तामोली का चयन किया गया है। ये सभी चयनित खिलाड़ी मेरठ में मंडलीय ट्रायल में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए

मुरादनगर। दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में शनिवार को कनेक्ट केयर कंटीन्यू विषय पर एलुमनाई लेक्चर का आयोजन किया गया। पूर्व छात्रा डॉ. रवीना दुहान समेत अन्य ने छात्रों को अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि दंत चिकित्सा क्षेत्र में रोज नई तकनीक आ रही है। छात्रों को नई टेक्नोलॉजी से रूबरू रहना होगा, तभी सफलता मिल सकती है। उन्होंने छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों के उत्तर भी दिए। इस कार्यक्रम में 150 छात्रों ने भाग लिया।

संयम मैन ऑफ द टूर्नामेंट और तनिष्क सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुने गए

गाजियाबाद। प्रताप विहार स्थित न्यू रेनबो पब्लिक स्कूल में खेला जा रहा छठा अतुल मेमोरियल अंतर स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट शनिवार को संपन्न हो गया। फाइनल में मेजबान न्यू रेनबो स्कूल को हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में भागीरथ पब्लिक स्कूल को एक विकेट से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे सेमीफाइनल में न्यू रेनबो पब्लिक स्कूल ने इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल को हराया। फाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यू रेनबो पब्लिक स्कूल 70 रन बनाकर आउट हो गया। जबकि वेवसिटी के स्कूल ने 8.1 ओवर में 71 रन बनाकर दो विकेट के साथ टूनार्मेंट का खिताब जीत लिया। मैन ऑफ द टूनार्मेंट व फाइनल के मैन ऑफ द मैच का खिताब संयम को मिला। न्यू रेनबो के तनिष्क सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज व हर्ष सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। स्कूल की निदेशिका मुनीष अग्रवाल व स्कूल प्रधानाचार्या रूचि गुप्ता ने विजेता सम्मानित किया।

लुप्तप्राय प्रजाति के कछुए पालने के आरोप में डॉक्टर गिरफ्तार

एजेंसी। नोएडा

नोएडा पुलिस ने 'इंडियन स्टार'ह्न प्रजाति के कछुए पालने के आरोप में एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) यमुना प्रसाद ने बताया कि सेक्टर-20 थाने में शुक्रवार रात वन दरोगा शनि गौतम की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है।

अधिकारी के अनुसार, वन दरोगा ने शिकायत में बताया कि उन्हें सेक्टर-20 स्थित डी-11 में रश्मि मेडिकल सेंटर में लुप्तप्राय प्रजाति के कछुओं को पालने की सूचना मिली थी जिसके बाद जब वह मौके पर पहुंचे, तो सूचना सही पाई गई।

उन्होंने कहा, मेडिकल सेंटर में पारदर्शी प्लास्टिक के डिब्बे में दो कछुए मिले जो ह्यइंडियन स्टारह्न प्रजाति हैं। वहां मौजूद डॉ. कैलाश चंद्र सूद (75) ने पूछताछ में कछुओं को पालने की बात स्वीकार की।

कछुओं की यह प्रजाति वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (संशोधित 2022) की अनुसूची-एक के अंतर्गत लुप्तप्राय जीवों में शामिल है।

प्रसाद ने बताया कि डॉ. सूद के खिलाफ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है और कछुओं को अभिरक्षा में ले लिया गया।

जिले में सभी हाईटेंशन लाइन भूमिगत होंगी, विद्युत निगम ने टेंडर प्रक्रिया शुरू की

एजेंसी। नोएडा

हर मौसम में दी जाएगी निर्बाध आपूर्ति

विद्युत निगम द्वारा उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति देने के लिए तमाम कार्य किए जा रहे हैं। स्काडा योजना के तहत कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। इसके साथ ही एचटी लाइन को भूमिगत भी किया जाएगा, ताकि उपभोक्ताओं को हर मौसम में निर्बाध आपूर्ति दी जा सके।

-विवेक कुमार पटेल, अधीक्षण अभियंता, विद्युत निगम

शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं हो हर मौसम में निर्बाध आपूर्ति देने के लिए सभी हाईटेंशन (एचटी) लाइन भूमिगत की जाएगी। इसके लिए विद्युत निगम ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। विद्युत ढांचे के आधुनिकीकरण योजना के तहत यह कार्य किया जाएगा। सभी एचटी लाइन कंट्रोल रूम से भी जोड़ी जाएगी, ताकि इन पर ऑनलाइन निगरानी रखी जा सके। जिले में केंद्र और प्रदेश सरकार की संयुक्त योजना के तहत बिजली ढांचे के आधुनिकीकरण और स्काडा कंट्रोल योजना के तहत बिजली ढांचे को सुधारने का कार्य किया जाना है।

इसके लिए 1313 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को स्वीकृति दी जा चुकी है। इसके साथ बिजली लाइनों की क्षमता वृद्धि का कार्य भी किया जाएगा। जरुरत के अनुसार नई बिजली लाइनें भी डाली जाएंगी। वहीं, जर्जर बिजली के खंभों को भी दुरुस्त किया जा रहा है और जरुरत के अनुसार नए खंभे भी लगाए जा रहे हैं। दशकों पुराना ढांचा मजबूत होगा तो उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति भी मिल सकेगी। इस कार्य को दो फेस में किया जाएगा।

अभी स्काड़ा योजना के तहत 650 करोड़ रुपये का टेंडर एक कंपनी को दिया गया है। कंपनी के प्रतिनिधियों ने जिले के अभियंताओं के साथ काम के सिलसिले में बैठक भी करनी शुरू कर दी है। इसके साथ ही सभी एचटी लाइनों को भूमिगत भी किया जाएगा। इसमें 11 हजार केवीए और 33 हजार केवीए की लाइन शामिल है। इन लाइनों पर कंट्रोल रूम से ऑनलाइन निगरानी भी रखी जाएगी।

विद्युत निगम के अधिकारियों के अनुसार शहर में 33 हजार केवी की साढ़े पांच सौ किलोमीटर लंबी लाइनें हैं। इसमें करीब 460 किलोमीटर लाइन को भूमिगत किया जा चुका है। शेष 90 किलोमीटर लाइनें अंडरग्राउंड होना बाकी है।

वहीं, शहर में 11 हजार केवी की 16 सौ एक किलोमीटर लाइनें है। इसमें पांच सौ 60 किलोमीटर लाइन भूमिगत हो चुकी है। बाकी एक हजार 40 किलोमीटर को अगले एक वर्ष में भूमिगत किया जाएगा। योजना के तहत सभी लाइनों को अंडरग्राउंड किया जाएगा। इसके अलावा जरुरत के अनुसार 11 हजार और 33 हजार केवीए की नई लाइनें भी बनाई जाएगी, ताकि एक लाइन में दिक्कतें आने पर दूसरी लाइन से आपूर्ति शुरू की जा सक।

इसके अलावा बिजली उपकेंद्रों को भी आपस में जोड़ा जाएगा। इससे एक उपकेंद्र पर दिक्कतें आने पर दूसरे उपकेंद्र से आपूर्ति शुरू की जा सकेगी। शहरी क्षेत्र में योजना का तुरंत लाभ मिलेगा बिजली ढांचे के आधुनिकीकरण का त्वरित लाभ शहरी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को मिलेगा। शहरी क्षेत्र में बड़े स्तर पर बिजली ढांचे में सुधार होगा। इससे उपभोक्ताओं को आंधी-बारिश में भी निर्बाध आपूर्ति मिल सकेगी। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को लोकल फॉल्ट की समस्या भी राहत मिल जाएगी। अब नामी कंपनी को टेंडर होने से तेजी से कार्य शुरू हो सकेगा।

हरित पट्टी से ग्रिल और बेंच चोरी

नोएडा (एजेंसी)। सेक्टर-61 स्थित मानसरोवर अपार्टमेंट की हरित पट्टी में बदमाशों ने धावा बोला दिया। वे गैस कटर से लोहे की ग्रिल और बैंच काटकर ले गए। उन्होंने जलभराव के दौरान पानी निकालने के लिए लगवाई गई मोटर भी चोरी करने का प्रयास किया, लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

सेक्टर-58 थाना पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मानसरोवर अपार्टमेंट की आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एमएल जायसवाल ने पुलिस को बताया कि सेक्टर में हरित पट्टी है। बदमाश 11 दिसंबर की रात को फैंसिंग हटाकर हरित पट्टी में घुस गए। इसके बाद उन्होंने गैस कटर से लोहे की ग्रिल और लोहे की बेंचों को काटा और उन्हें चोरी कर ले गए। सेक्टर के लोगों को 12 दिसंबर की सुबह इसकी जानकारी हुई।

ग्रेनो वेस्ट में बिजली की दुकान में लगी आग

एजेंसी। ग्रेटर नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित गैलेक्सी रॉयल सोसाइटी के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में शनिवार की सुबह बिजली की दुकान में अचानक आग लग गई। सैर पर निकले सोसाइटी के लोगों की तत्परता से आग पर काबू पाया गया। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सोसाइटी के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में बिजली के सामान की दुकान है। सोसाइटी के लोग सुबह टहलने के लिए बाहर निकले तो उन्होंने दुकान से आग की लपटें निकलती देखीं। उन्होंने दुकान का शटर खोलने का प्रयास किया। इसके बाद लोगों ने आसपास से पानी का इंतजाम किया और पाइप की मदद से आग बुझाने में जुट गए। दमकल

विभाग को भी सूचना दी गई। सूचना मिलने पर दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची। इसके बाद आग पर काबू पाया गया।

हालांकि, आग की चपेट में आकर दुकान में रखा काफी सामान जलकर राख हो गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि दुकान में आग लगने की सूचना मिली थी। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। सोसाइटी के लोगों की तत्परता के चलते समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई।

ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर घने कोहरे के पहले ही दिन हुआ हादसा

एजेंसी। ग्रेटर नोएडा

शनिवार सुबह ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर घने कोहरे के कारण बड़ा सड़क हादसा हो गया। दृश्यता बेहद कम होने की वजह से हाईवे पर चल रहे वाहन एक-दूसरे को समय रहते नहीं देख सके, जिसके चलते दो अलग-अलग स्थानों पर कई वाहन आपस में टकरा गए।

हादसे के बाद एक्सप्रेस-वे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहला हादसा थाना दादरी क्षेत्र के चक्रसेनपुर फ्लाईओवर पर हुआ, जहां घने कोहरे के बीच तीन वाहन आपस में भिड़ गए।

वहीं, दूसरा और अधिक गंभीर हादसा समाधीपुर फ्लाईओवर पर हुआ, जहां लगभग एक दर्जन से अधिक वाहन एक के बाद एक टकरा गए।

- दो अलग-अलग स्थानों पर टकराए कई वाहन

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में महिला सहित कई लोगों के घायल होने की सूचना है, जिन्हें तत्काल एंबुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और टोल प्लाजा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए क्षतिग्रस्त वाहनों को टोल मैनेजमेंट की क्रेन की मदद से हाईवे से किनारे कराया। साथ ही यातायात को नियंत्रित कर धीरे-धीरे जाम खुलवाने का प्रयास किया गया।

पुलिसकर्मियों ने यात्रियों से संयम बरतने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील भी की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दिनांक 13 दिसंबर 2025 को घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम थी, जिसके चलते ये सड़क दुर्घटनाएं हुईं। राहत की बात यह रही कि इन हादसों में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

सभी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है। घटना के बाद कुछ समय के लिए ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर यातायात प्रभावित रहा, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के चलते बाद में यातायात को सामान्य रूप से संचालित कर दिया गया।

फिलहाल पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि घने कोहरे के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें, कम गति में वाहन चलाएं, फॉग लाइट का प्रयोग करें और सुरक्षित दूरी बनाए रखें, ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

छेड़छाड़ के मामले में थाने पर प्रदर्शन

एजेंसी। मोदी नगर

किशोरी से छेड़छाड़ करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज करने की मांग को लेकर भाकियू भानू के कार्यकताओं ने मोदीनगर थाने पर प्रदर्शन कर हंगामा किया।

आरोप है कि किशोरी के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। थानाप्रभारी ने जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। भाकियू भानू के कार्यकर्ता शनिवार को मोदीनगर थाने पहुंचे और धरने पर बैठ गए। भाकियू भानू के जिलाध्यक्ष गौरव त्यागी ने बताया कि मोदीनगर शहर के एक व्यापारी के घर पर पीड़िता की मां घरेलू सहायिका थी। किशोरी के साथ अश्लील हरकत कर छेड़छाड़ की गई। जब किशोरी ने पुलिस से शिकायत करने की बात कही तो उल्टे पीड़िता के खिलाफ ही चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी गई। आरोप है कि पुलिस के पास चोरी करने के कोई सबूत नहीं हैं ,इसलिए अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा। एसीपी मोदीनगर अमित सक्सेना का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

- जब किशोरी ने छेड़छाड़ की शिकयत पुलिस से शिकायत करने की बात कही तो उल्टे पीड़िता के खिलाफ ही चोरी की रिपोर्ट दर्ज करा दी

घना कोहरा : पुलिस ने जारी की विशेष निर्देशिका, एक्सप्रेस-वे व एलिवेटेड रोड पर घटाई गई रफ्तार

एजेंसी। नोएडा

शीत ऋतु की शुरूआत के साथ ही गौतमबुद्ध नगर में कोहरे और धुंध का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। सुबह और देर रात के समय दृश्यता बेहद कम हो जाने के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी कई गुना बढ़ गई है।

इसी को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस गौतमबुद्ध नगर ने जनहित और सड़क सुरक्षा के उद्देश्य से एक विशेष यातायात निर्देशिका जारी की है। यह निर्देशिका 15 दिसंबर 2025 से 15 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेगी। यातायात विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कोहरे के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जिले के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा (स्पीड लिमिट) कम कर दी गई है।

जारी दिशा-निदेर्शों में यमुना एक्सप्रेस-वे, नोएडाझ्रग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे और नोएडा एलिवेटेड रोड को विशेष रूप से शामिल किया गया है। यमुना एक्सप्रेस-वे पर हल्के मोटरयान (कार, जीप आदि) के लिए अधिकतम गति सीमा 75 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है, जबकि भारी मोटरयान (बस, ट्रक आदि) के लिए स्पीड लिमिट 60 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है।

वहीं, नोएडाझ्रग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर भी यातायात पुलिस ने सख्ती बरतते हुए गति सीमा तय की है। इस मार्ग पर हल्के वाहनों के लिए अधिकतम स्पीड 75 किलोमीटर प्रति घंटा और भारी वाहनों के लिए 50 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। इसके अलावा शहर के भीतर अत्यंत व्यस्त माने जाने वाले नोएडा एलिवेटेड रोड पर भी स्पीड लिमिट लागू की गई है। यहां हल्के मोटरयानों के लिए अधिकतम गति 50 किलोमीटर प्रति घंटा, जबकि भारी मोटरयानों के लिए 40 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई है।

यातायात पुलिस द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वाहन चालक यातायात सुरक्षा की दृष्टि से निर्धारित और कम की गई अधिकतम गति सीमा का पालन सुनिश्चित करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान और अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जांच : नोएडा-ग्रेनो में 90 ई-रिक्शा चालकों के पास डीएल नहीं मिले

एजेंसी। नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में करीब 600 ई-रिक्शा चालकों में से 90 के पास में ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) नहीं मिले। परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीम के जांच अभियान में यह जानकारी सामने आई।

परिवहन विभाग में 25 हजार से अधिक ई-रिक्शा पंजीकृत हैं। इनकी संख्या बढ़ने के साथ ही नियमों का उल्लंघन भी बढ़ा है। परिवहन विभाग के अनुसार एक साल में सड़कों पर चलाए गए अभियान में लगभग 600 ई-रिक्शा की जांच की गई है। इसमें नियमों के उल्लंघन के आधार पर चालान और सीज करने की कार्रवाई की गई। इसमें 80 से 90 चालक मौके पर ड्राइविंग लाइसेंस नहीं दिखा सके। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ. उदित नारायण पांडे ने कहा कि ई-रिक्शा चालकों को विकल्प दिया जाता है कि वे फोन पर भी ड्राइविंग लाइसेंस दिखा दें। जो चालाक फोन पर लाइसेंस दिखा देते हैं, उनका चालान नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि बिना ड्राइविंग लाइसेंस कोई भी वाहन नहीं चलाएं। यह मोटर वाहन अधिनियम के तहत दंडनीय है और चालक व दूसरों को खतरे में डालता है।

- परिवहन विभाग में 25 हजार से अधिक ई-रिक्शा पंजीकृत हैं। इनकी संख्या बढ़ने के साथ ही नियमों का उल्लंघन भी बढ़ा है

बिहारीपुरा में अतिक्रमण से लोग परेशान

गाजियाबाद। विजयनगर जोन के वार्ड-27 में बिहारीपुरा प्लांट रोड पर अतिक्रमण से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। सड़क के दोनों और दुकानदारों ने रैंप, स्लैब हैं। रेहड़ी पटरी सड़क किनारे खड़ी रहती है। इस कारण वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय निवासी सुरेश पाल ने बताया कि सड़क से रोजाना बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना रहता है। अतिक्रमण के चलते वाहन चालकों और पैदल चलने में भी दिक्कत होती है। नगर निगम में अतिक्रमण करने वालों की शिकायत की। इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा।

प्रभाष जोशी ने हिंदी पत्रकारिता के नए मानक स्थापित किए

जनसत्ता के प्रभाष जोशी पुस्तक की समीक्षा

मनोज कुमार मिश्र

जनसत्ता के संस्थापक संपादक और पत्रकारिता के शिखर पुरुष प्रभाष जोशी पांच नवंबर, 2009 को इस दुनिया से विदा हुए। तब से लेकर अभी तक देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में उनके बारे में सैकड़ों संस्मरण प्रकाशित हुए। उनके निधन के बाद उनकी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए बने प्रभाष परंपरा न्यास ने साले 2012 में उनके संस्मरणों के आधार पर एक पुस्तक प्रकाशित की थी। एक बार फिर न्यास के प्रबंध न्यासी, प्रभाष जोशी की परंपरा के श्रेष्ट पत्रकार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के अध्यक्ष और पद्म भूषण से सम्मानित रामबहादुर राय (राय साब) के मार्गदर्शन में उनके संस्मरणों पर ही आधारित - ''जनसत्ता के प्रभाष जोशी'' पुस्तक प्रकाशित करना तय किया गया। प्रयास यही किया गया है कि इस पुस्तक में जनसत्ता में जोशी जी के साथ काम करने वालों के संस्मरण शामिल किए जाएं। इसके अलावा कुछ संस्मरण उनके करीबी मित्रों और परिवार के सदस्यों के भी शामिल किए गए।

ज्यादातर संस्मरण अभी के लिखे हुए हैं। इस पुस्तक में जनसत्ता के चार वरिष्ट सहयोगियों - मंगलेश डबराल जी, श्रीश चन्द्र मिश्र जी, सुरेश कौशिक जी और आलोक तोमर जी के पहले के लिखे लेख शामिल किए गए हैं, क्योंकि वे अब हमारे बीच नहीं हैं। उसी तरह उनके आत्मीय जनों में जिनके लेख लिए गए हैं, उनमें प्रभाष परंपरा न्यास के संस्थापक अध्यक्ष डाक्टर नामवर सिंह, वरिष्ठ पत्रकार राजकिशोर और लेखक रुपेश पांडेय भी अब जा चुके है।

इस पुस्तक में 49 लेख शामिल किए गए हैं। जिसमें 38 जनसत्ता के सहयोगियों के और 11 लेख जोशी जी के आत्मीय जनों के हैं। सभी संस्मरण लेखों में प्रभाष जोशी और जनसत्ता के बारे में विस्तार से लिखा गया है। राय साब ने अपने लेख में जनसत्ता के शुरुआती दिनों का ब्यौरा विस्तार से दिया है। वे लिखते हैं कि जनसत्ता की पूरी कल्पना प्रभाष जोशी जी की थी। वे एक ऐसे अखबार की कल्पना को अपने मन में जीवित रखे हुए थे जो हिंदी में हो। और सही मायने में राष्ट्रीय समाचार पत्र हो। यानी हर प्रांत के लोगों को लगे कि अखबार के सरोकार में वे और उनका समाज शामिल है। उसी कल्पना में यह भी था कि हिंदी में एक ऐसे अखबार की जरूरत है जो सत्ता या सियासत तक सीमित न हो, बल्कि वह अपने पाठकों की दिल की धड़कन बन जाए। पिछली सदी के छठे दशक से वे इसी सपने को संजोये हुए थे। उन्हें 1983 में वह अवसर मिला। इसके लिए उन्होंने पत्रकारीय तपस्या की। उन्होंने जनसत्ता निकाला।

राय साब आगे लिखते हैं कि जनसत्ता ने हिंदी पत्रकारिता में कई नए प्रयोग किए। प्रयोग सफल रहे। उनकी सराहना हुई। अखबार में प्रयोग करने की अगर छूट प्रभाष जी ने न दी होती और वहां खुला माहौल नहीं होता तो जनसत्ता को जो सफलता मिली वह संभव नहीं थी। जनसत्ता के शुरुआती दिनों से प्रभाष जी के वरिष्ठ सहयोगी रहे बनवारी जी ने लिखा कि प्रभाष जी में एक कुशल संपादक के सभी गुण थे। उनमें प्रतिभा थी, लगन थी, नेतृत्व क्षमता थी, राजनैतिक बुद्धि और सांस्कृतिक अभिरुचि थी, प्रवाहमयी भाषा थी और अपने सहयोगियों के प्रति आत्मीयता थी। लेकिन वे केवल जनसत्ता के संपादक नहीं थे। जनसत्ता उनकी कृति थी। उनकी सबसे विलक्षण बात उनका वह संकल्प था कि जनसत्ता को हिंदी जगत का एक उत्कृष्ट समाचार-पत्र बनाना है। जो लंबे समय तक पत्रकारिता का मानक रहा। अपने ध्येय के लिए उन्होंने हमेशा सबसे पहले अपने आप को कसौटी पर रखा। जनसत्ता की ख्याति में उनके नेतृत्व और उनके लेखन का बड़ा योगदान था।

वरिष्ठ पत्रकार और राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश जी अपने लेख में लिखते हुए पूछा हैं कि क्यों प्रभाष जी की स्मृति उभरती है? उनके आत्मीय स्नेह के कारण? उनके मौजूद मानवीय संवेदनशीलता-सरोकार के कारण? उनके प्रयोगधर्मी स्वभाव, मिजाज व संस्कार की वजह से देशज शब्दों-भावों से पत्रकारिता को नई धार देने वाले व्यक्ति के असमय चले जाने के कारण? हिंदी क्षेत्रों में, खासतौर से गंभीर मुद्दों पर नवजागरण के अग्रदूत के रूप में उनकी सक्रिय भूमिका में अचानक विराम लग जाने के कारण? ये सभी वजहें हैं। उनका व्यक्तित्व समृद्ध था। यायावर, दार्शनिक, संगीत प्रेमी, गांधीवादी, सर्वोदय के व्याख्याकार। अत्यंत सुंदर,प्रवाहमयी, देशज अभिव्यक्ति भाव व गद्य के धनी। विचारों के प्रवर्तक व व्याख्याकार भी। धुन के पक्के। महज क्रिकेट ही नहीं, खेलों के प्रेमी।

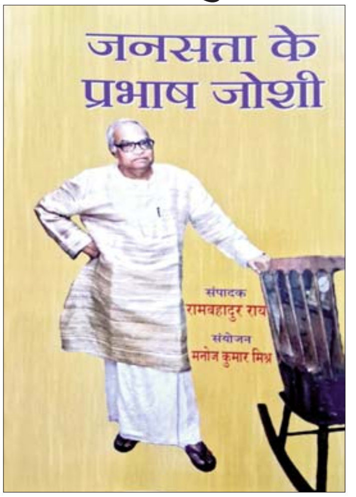

इस पुस्तक के संस्मरणों में अलग- अलग घटनाओं और जोशी जी के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं का ब्यौरा दिया गया है। जनसत्ता में लंबे समय तक काम करके सेवानिवृत हुए हरेकृष्ण यादव ने पुस्तक प्रकाशन का काम अपने हाथ में लिया। उन्हें राय साब ने बताया की स्वर्गीय प्रभाष जोशी इस तरह की पुस्तक प्रकाशित करना चाहते थे। यादव जी ने राय साब से पुस्तक प्रकाशन का दायित्व देने का अनुरोध किया। राय साब ने मुझे इस काम में सहयोग करने का निर्देश दिया। 2010 से हर साल न्यास प्रभाष जोशी जी की प्रतिष्ठा के अनुरूप अनेक आयोजन करता है। सबसे बड़ा आयोजन उनके जन्मदिन के मौके पर किया जाता है। उनका जन्मे 15 जुलाई, 1937 को हुआ था। इस साल उनके जन्मदिन यानी प्रभाष प्रसंग का आयोजन रविवार, 20 जुलाई 2025 को हुआ। उसी मौके परे ''जनसत्ता के प्रभाष जोशी'' पुस्तक का लोकार्पण किया गया था। प्रभाष परंपरा न्यास से जुड़ने के दौरान राय साब के मार्गदर्शन में प्रभाष जी की पहले प्रकाशित हुई पुस्तकों में जो लेख नहीं आ पाए थे उन लेखों को दो पुस्तकों में झ्रे 'ओटन लगे कपास' औरे 'घंटी तो बजनी है', संग्रहित करने का अवसर मिला।

इन लेखों से पहले सन्‍ 1960 में आचार्य विनोबा भावे के इंदौर प्रवास के दौरान नई दुनिया अखबार ने विनोबा दर्शन नाम से निःशुल्क परिशिष्ट 39 दिन तक लगातार प्रकाशित किया था। वह परिशिष्ट प्रभाष जी ने तैयार किया था। राय साब से मिली परिशिष्ट सामग्री मुझे झ्रे 'विनोबा के साथ उनतालीस दिन' पुस्तक संपादित करने का भी अवसर मिला। इन सभी पुस्तकों को तैयार करते समय प्रभाष जी की दिग्गज पत्रकार की छवि, और निखर कर सामने आयी। वे मूल रूप से गांधीवादी थे। गांधी, विनोबा और जयप्रकाश नारायण जैसे नेता उनके आदर्श रहे। लेकिन वे लोकतंत्र के भारी समर्थक और ठेठ पत्रकार थे। सभी को पता है कि समाज के इन्हीं नेताओं के बताए रास्ते पर चलने के लिए प्रभाष जी ने विश्वविद्यालय की पढ़ाई छोड़ी और गांव में जाकर रहे, काम किया। विनोबा दर्शन पढ़ते हुए उनके विनोबा प्रेम और उनकी आसक्ति साफ दिखती है।

वहीं 11 वे 12 दिसंबरे 1995 को प्रभाष जी, 'अहिंसक क्रांति का विनोबा प्रयोग' औरे 'अहिंसा की तलाश में सत्याग्रह खो गया' लिखकर इमरजेंसी का विरोध न करने के लिए विनोबा जी की आलोचना भी करते हैं। मैं तो जुलाई 1986 से जनसत्ता से जुड़ा। इस पुस्तक में उन वरिष्ट जनों के संस्मरणों को प्राथमिकता से शामिल किया गया है जो 1983 में जनसत्ता के शुरुआती दिन से प्रभाष जोशी की टीम में थे। जनसत्ता का पहला अंके 17 नवंबर, 1983 को प्रकाशित हुआ। मगर अनेक वरिष्ट साथी तो उससे पहले से काम कर रहे थे। प्रभाष जोशी के जाने के 16 साल बाद संस्मरणों पर आधारित पुस्तक को पढ़कर जनसत्ता, प्रभाष जोशी जी और उस संस्थान में बिताए दिन वापस सजीव होने लगते हैं। मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक पठनीय बनी है। यह प्रभाष जोशी को जनसत्ता के साथियों की ओर से एक श्रद्धांजलि भी है। वास्तव में प्रभाष जी ने जनसत्ता और अपने लेखन से पत्रकारिता के नए मानक स्थापित किए।

राजेश विक्रांत

बतरस

मेरा झोला बड़ा कारसाज है!

चाहे जो हो जाए, हम तो झोल करके ही रहेंगे क्योंकि हर जगह मेरी सेटिंग है। इसलिए चुनाव प्रचार के बाद हमेशा मैं ध्यान की मुद्रा में चला जाता हूँ। सच तो ये है कि ध्यान व्यान कुछ नहीं होता , यह तो मेरी एक चुनावी मुद्रा होती है।

आपको याद होगा कि कई साल पहले मैंने कहा भी था कि मैं झोला उठाकर चला जाऊंगा। मैं चला भी जाता पर कजानी सेठ ने रोक लिया। फिर क्या हुआ कि मेरा झोला भरने लगा- टैरिफ, विशेष गहन पुनरीक्षण, वोटचोरी, हेट स्पीच, जहरीली हवाएं आदि इत्यादि। पर अभी भी मेरे झोले में बहुत सारी जगह है। जब तक देश के सभी नागरिकों के हाथ मैं कटोरा न पकड़ा दूं तब तक झोला नहीं उठाऊंगा। कहते हैं कि एक चुप हजार शब्दों के बराबर होता है और चुप रहकर ही मैं अपना सब काम कर लेता हूं। नागरिकों व मतदाताओं को जो सन्देश देना होता है, दे देता हूं। विपक्ष चाहे जितना चिल्लाए, कोई फर्क नहीं पड़ेगा। देश की बदहाली व कंगाली के झोल को मैंने आखिरकार अपने ध्यान के झोले से भर ही दिया है। लोकतंत्र, गरिमा, नैतिकता आदि फालतू के शब्द हैं। पता नहीं किसने इन शब्दों का आविष्कार किया था, वो अगर मुझे मिल जाए चार जूते खुद लगाऊं। ये किसी कारण से न कर पाया तो जेल में भिजवा ही सकता हूं। ईडी, सीबीआई, इन्कम टैक्स आखिर किस दिन काम आएंगे? मेरी सरकार झोल की सरकार है, झोले की सरकार है। एक्जिट पोल में झोल, इवीएम में झोल, नीयत में झोल, अर्थव्यवस्था में झोल, जीडीपी में झोल, क़ानून व्यवस्था में झोल, विकास में झोल सब मेरे ही बाई प्रोडक्ट हैं। यहां तक कि राहत की फुहार में भी झोल है और रहेगा।

जो शब्द मुझे प्रिय हैं वे हैं- धांधली, करप्शन, अनैतिकता, हैकिंग, बोलबचन, तानाशाही, हेराफेरी, धोखाधड़ी, फर्जीकल स्ट्राइक। जब मैं अपने परिवार को, प्रियजनों को, साथियों को धोखा दे सकता हूं तो आम आदमी की क्या बिसात है? मेरा विकसित भारत कजानी सेठ से जुड़ा है। कजानी सेठ खूब प्रगति कर रहे हैं। उनका रास्ता साफ करने के लिए इंडिगो ने काफी मेहनत की है। चांदी की कीमत 2 लाख हो गई है। रुपया डॉलर का गुलाम बन गया है। कजानी सेठ एशिया में नम्बर एक हो गए हैं। इसका मतलब यह है कि भारत धनवान हो रहा है। मेरे कहने पर इंडिगो गंभीर प्रभावित यात्री को 10 हजार रुपए का ट्रेवल वाउचर देगी। ट्रम्प दादागिरी कर रहे हैं। अदालतों में 5.50 करोड़ केस लंबित हैं। किसान आत्महत्या कर रहे हैं। हेट क्राइम, साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट का खुशनुमा दौर चल रहा है। कृपया इसकी आलोचना न करें। क्योंकि मेरी सरकार झोल की सरकार है।

नेपाल भारत दोस्ती के रिश्ते में चीन की शरारत

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में नेपाल सरकारी करेंसी पर मुद्रित एक नक्शे ने भारत नेपाल संबंधों में तकरार पैदा की कोशिश की है। आप को पता है कि राजशाही के खात्मे के बाद नेपाल 2008 में गणतंत्र बना था और 2015 में नेपाल का संविधान लागू हुआ। इस दौरान चीन परस्त के। पी। शर्मा ओली 2 बार देश के प्रधानमंत्री बने। हालांकि वह एक बार भी अपना कार्यकाल पूर्ण नहीं कर पाए परंतु इस दौरान उन्होंने भारत विरोधी रवैया ही अपनाए रखा। नेपाल के सेंट्रल बैंक ने गुरुवार (27 सितंबर) को 100 रुपए का नया नोट जारी किया है। इस नोट को जारी करते ही भारत और नेपाल के बीच एक नया सीमा विवाद खड़ा हो गया। दरअसल इस नोट में नेपाल का बदला हुआ मैप छपा है। इस मैप में भारत और नेपाल के बीच विवादित कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा इलाके नेपाल की सीमा में दिखाए गए हैं। इस नोट पर छपे नक्शे को लेकर भारत ने इसे ऑर्टिफीशियल एनलार्जमेंट बताया है। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) के नए नोट पर पिछले गवर्नर महा प्रसाद अधिकारी के सिग्नेचर हैं। वहीं इस नोट को जारी करने की तिथि बैंक ने 2081 बीएस लिखी है।

घरेलू मामलों में मनमाने निर्णय लेने के साथ-साथ चीन के उकसावे पर ओली ने भारत के 3 इलाकों लिपुलेख, कालापानी व लिपियाधुरा पर अपना दावा जताने के अलावा समय-समय पर भारत विरोधी बयान दिए और भारत विरोधी कदम उठाए जिनसे दोनों देशों के संबंधों में खटास आई।

आपको बता दें 13 जून, 2020 को ओली ने उत्तराखंड स्थित लिपुलेख, लिपियाधुरा और कालापानी के इलाकों को नेपाल के नक्शे में दिखाने को नेपाल की संसद से स्वीकृति दिलाई और आरोप लगाया कि भारत उनकी सरकार को अस्थिर करना चाहता है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी।

इस बीच 3 सितम्बर, 2025 को प्रधानमंत्री के। पी। शर्मा ओली तथा उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के मनमाने फैसलों तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध युवाओं ने मोर्चा खोल दिया।

जेन जी के बैनर तले आंदोलनकारी युवा नेपाल की राजधानी काठमांडू के कई हिस्सों में के। पी। चोर देश छोड़ो और भ्रष्ट नेताओं के विरुद्ध कार्रवाई करो, भूकम्प की जरूरत नहीं है नेपाल रोज भ्रष्टाचार से हिलता है जैसे नारे लगाते हुए प्रदर्शन कर रहे थे।

आंदोलनकारियों ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित अनेक मंत्रियों के आवास अग्नि भेंट कर दिए तथा आंदोलन के दौरान 20 लोगों की मौत की जवाबदेही की मांग को लेकर अपना प्रदर्शन जारी रखा। 9 सितम्बर को सुबह से ही तेजी से बदलते हालात के बीच दोपहर को एहतियातन राजधानी काठमांडू तथा आसपास के इलाकों में कर्फ्यू भी लगाया गया परन्तु स्थिति नियंत्रण में नहीं आई। इस आंदोलन के परिणामस्वरूप अंततः देश में तख्तापलट हुआ और 13 सितम्बर, 2025 को देश की पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की (73) को अंतरिम प्रधानमंत्री बनाया गया। चूंकि 1971 में नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से ग्रैजुएशन करने के बाद सुशीला कार्की ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से आगे की पढ़ाई पूरी की थी, इसलिए आशा थी कि भारत में पढ़ाई के बाद अब राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिलने पर वह भारत के प्रति अपना सकारात्मक रवैया रखेंगी, परंतु ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा। नेपाल के केंद्रीय बैंक (नेपाल राष्ट्र बैंक अर्थात एन। आर। बी।) ने 27 नवम्बर, 2025 को अपने देश का 100 रुपए का नया नोट जारी करके एक एक बार फिर अपना भारत विरोधी चेहरा उजागर कर दिया है। इस नोट पर नेपाल का संशोधित मानचित्र लगा हुआ है और इसमें भारत के स्वामित्व वाले काला पानी, लिपुलेख और लिपियाधुरा क्षेत्र नेपाल में दिखाकर फिर विवाद खड़ा कर दिया है। एनआरबी प्रवक्ता ने ये भी साफ किया कि नेपाली रुपयों में 10 रुपये, 50 रुपये, 500 रुपये और 1, 000 रुपये जैसे अलग-अलग कीमत वाले बैंक नोटों में से सिर्फ़ 100 रुपये वाले नोट पर ही नेपाल का नक्शा है बाकी के नोटों पर नहीं है। वहीं भारत का दावा है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा तीनों ही भारत के हैं नेपाल इसे गलत तरीके से प्रदर्शित कर रहा है। भारत ने साल 2020 में नेपाल की इस हरकत के लिए चेतावनी भी दी थी कि किसी भी सूरत में भारत नेपाल के इस कृत्रिम विस्तार को मंजूरी नहीं देगा।

नेपाल के नए 100 रुपये के बैंक नोट के बाईं ओर माउंट एवरेस्ट है, जबकि दाईं ओर नेपाल के राष्ट्रीय फूल रोडोडेंड्रोन का वॉटर मार्क है। बैंक नोट के बीच में बैकग्राउंड में नेपाल का हल्का हरा रंग का नक्शा छपा है। नक्शे के पास अशोक स्तंभ भी छपा है जिस पर भगवान बुद्ध की जन्मभूमि लुंबिनी लिखा है। बैंक नोट के पीछे एक सींग वाले गैंडे की तस्वीर है। बैंक नोट में एक सिक्योरिटी थ्रेड और एक उभरा हुआ काला डॉट भी है, जिससे अंधे लोग इसे पहचान सकते हैं। नेपाल भारत के पांच राज्यों सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सीमा रेखाओं में 1850 किमी से ज़्यादा हिस्सा अपना होने का दावा करता है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने नेपाल सरकार के इस कदम पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे कृत्रिम विस्तार तथा ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत बताया है और यह मुद्दा एक बार फिर गर्मा गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव ने स्थिति को जटिल बना दिया है और चीन के प्रभाव में ही नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी की सरकारें भारत विरोधी भावनाओं को बढ़ावा दे रही हैं।

नेपाल का यह रवैया भारत के लिए तो चिंता का विषय है ही नेपाल के लिए भी हितकर नहीं है। जब भी वहां कोई प्राकृतिक संकट पैदा होता है तो सबसे पहले भारत ही उसकी सहायता के लिए आगे आता है। लिहाजा वहां जितनी जल्दी परिपक्व फैसले लेने वाली सरकार बने उतना ही दोनों देशों के संबंधों के लिए बेहतर होगा।

सोशल मीडिया का बढ़ता वर्चस्व और खोता बचपन

ललित गर्ग

पिछले एक दशक में जिस सोशल मीडिया को आधुनिकता की उपलब्धि, अभिव्यक्ति की आजादी और वैश्विक संपर्क का सबसे बड़ा माध्यम माना गया था, उसी सोशल मीडिया ने अब अपने छिपे डरावने एवं वीभत्स चेहरे दिखाने शुरू कर दिए हैं। पश्चिमी देश, जो कल तक इसके गुणगान करते नहीं थकते थे, अब उसके दुष्परिणामों से भयभीत होने लगे हैं। यह भय यूं ही नहीं है-अनेक देशों में बच्चों की आत्महत्याओं, हिंसक व्यवहार, मानसिक विकारों, नशे जैसे डिजिटल व्यसनों और सामाजिक विकृतियों के बढ़ते आंकड़ों ने सोशल मीडिया की वास्तविकता का पर्दाफाश किया है। इसी पृष्ठभूमि में आस्ट्रेलिया की सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाकर विश्व-समुदाय को चेताया भी है और झकझोर भी दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया कंपनियों से वह अधिकार वापस ले लिए हैं, जिनके दुरुपयोग ने बच्चों के जीवन और अभिभावकों की मानसिक शांति को संकट में डाल दिया था। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सुधार बच्चों को 'बचपन जीने का अधिकार' लौटाने के लिए है-उन जिंदगियों को नया मोड़ देने के लिए है जो सोशल मीडिया ने समय से पहले वयस्कता, अस्वस्थता, तनाव और विकृतियों में धकेल दी थीं। इतना ही नहीं, 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट नहीं हटाने पर लगभग पाँच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान देश का रुख साफ करता है कि अब बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस पहल के बाद पश्चिमी जगत में सुगबुगाहट बढ़ी है। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक सवाल उठ रहे हैं कि यदि ऑस्ट्रेलिया यह साहस दिखा सकता है तो वे क्यों नहीं? यह सुगबुगाहट केवल सरकारों में ही नहीं है-उन अभिभावकों में भी है जिन्होंने सोशल मीडिया को अपने बच्चों की आत्महत्या, अवसाद और चरित्र-भंग का मूल कारण मानना शुरू कर दिया है। वास्तव में, इस संकट की शुरुआत तब हुई जब सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों ने बच्चों को आकर्षित करने के लिए ऐसे एल्गोरिद्म बनाए, जो उनका अधिकतम समय खाएं, उनकी जिज्ञासाओं को उकसाएं और उनके भीतर छिपी संवेदनशीलता का दोहन करके उन्हें सोशल मीडिया निर्भरता की स्थिति तक ले जाएं। इन प्लेटफॉर्मों पर वयस्क सामग्री, द्विअर्थी वीडियोज, हिंसक गेम्स, 'लाइक-फॉलोअर' जैसे डिजिटल भ्रमों का ऐसा सैलाब है जिसने बच्चों की मनोवैज्ञानिक संरचना को गहरी चोट पहुंचाई है। नतीजा यह है कि आज बच्चे समय से पहले वयस्क हो रहे हैं-शरीर से नहीं, मानसिकता से।

भारतीय परिवार-व्यवस्था, संस्कार और मूल्य-व्यवस्था इस संकट की चपेट में और तेजी से आए हैं। पहले जहां बच्चे माता-पिता, शिक्षक और संस्कारों से सीखते थे, आज वे 'रील्स' और 'शॉर्ट वीडियोज' एवं अश्लील सामग्री से सीख रहे हैं। जो सामग्री उनके सामने आ रही है, वह न भारतीय चरित्र से मेल खाती है न जीवन-मूल्यों से। निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा तैयार ये सामग्री बच्चों के मन में गलत आदर्श, गलत नायक और गलत आकांक्षाएं भर रही है। सवाल यह है कि क्या बच्चे स्वयं सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, या सोशल मीडिया उन्हें एक सुनियोजित तरीके से अपनी गिरफ्त में ले रहा है? सच्चाई का उत्तर दूसरा है। इन प्लेटफॉर्मों पर अमर्यादित सामग्री की भरमार है-जिसे देखकर किशोरों में अपराधी प्रवृत्तियों की ओर उन्मुखता बढ़ रही है। ब्रह्मचर्य, संयम, अनुशासन और चरित्र जैसे भारतीय मूल्य हाशिये पर जा रहे हैं। इसके साथ-साथ एक गंभीर स्वास्थ्य-संकट जन्म ले रहा है। घंटों मोबाइल पकड़े बैठने से बच्चे शारीरिक सक्रियता से दूर हो रहे हैं। मोटापा, नींद की कमी, सिरदर्द, रीढ़ संबंधी विकार और यहां तक कि किशोरावस्था में मधुमेह जैसे रोगों के मामले बढ़ रहे हैं। मानसिक रूप से स्थिति और भी भयावह है। लगातार स्क्रॉल करने की आदत बच्चों की एकाग्रता को चकनाचूर कर रही है। शिक्षा पर इसका सीधा दुष्प्रभाव दिखाई दे रहा है। जो बच्चे घंटों कल्पना-लोक में विचरण करते हैं, वे वास्तविकताओं से जूझते समय टूटने-बिखरने लगते हैं। उनकी सहनशक्ति कम हो रही है, आत्मविश्वास टूट रहा है, और असफलताओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ रही है-जो कई बार आत्महत्या जैसी भयावह प्रवृत्तियों को जन्म देती है। भारत भी इस संकट से अछूता नहीं है। ऑनलाइन बुलिंग, ऑनलाइन ठगी, व्यभिचार से जुड़ी सामग्री, गुमराह करने वाले 'इन्फ्लुएंसर', फर्जी पहचान, ऑनलाइन हिंसा और डिजिटल व्यसन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कई बार बच्चे अपराधों में नहीं, बल्कि अपराधों के शिकार के रूप में फंसते हैं-लेकिन उन्हें बचाने वाला कोई नहीं दिखता। सोशल मीडिया कंपनियों का रवैया लापरवाह रहा है, क्योंकि उनका लक्ष्य बच्चों की सुरक्षा नहीं, बच्चों का उपयोग करके मुनाफा कमाना है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत में भी ऑस्ट्रेलिया जैसे कठोर कदम उठाए जाने चाहिए? उत्तर है-बिल्कुल होना चाहिए। और वह भी तुरंत।

भारत की जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा किशोरों और युवाओं का है। यदि यह पीढ़ी सोशल मीडिया के अंधाधुंध प्रभाव में ढल गई, तो भविष्य में हमें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत की वह पहचान, जहां दुनिया भर में भारतीय प्रतिभा, अनुशासन और बुद्धिमत्ता की मिसाल दी जाती थी, वह धूमिल पड़ने लगेगी। यह संकट केवल सरकार का नहीं है-यह समाज, विद्यालयों, अभिभावकों और मीडिया-संस्थानों का संयुक्त संकट है। अभिभावकों को बच्चों को मोबाइल देना उनकी 'मांग' समझ में आता है, लेकिन उनको दिशा देना उनका कर्तव्य है। विद्यालयों को बच्चों को डिजिटल शिष्टाचार, डिजिटल योग्यता और डिजिटल अनुशासन के बारे में शिक्षित करना चाहिए। सरकार को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ ऐसे नियम बनाने चाहिए, जिनमें सोशल मीडिया कंपनियों को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाना पड़े। ऑस्ट्रेलिया ने यह कर दिखाया। और दुनिया सहम गई। अब बारी भारत और अन्य देशों की है। क्योंकि बच्चों का बचपन सिर्फ उनका अधिकार नहीं-पूरे समाज का भविष्य है। यदि यह बचपन सोशल मीडिया के हाथों बर्बाद होता रहा, तो आने वाले दौर में जो विकृतियां जन्म लेंगी, वे केवल सामाजिक नहीं, राष्ट्रीय संकट बन जाएंगी। यह समय निर्णायक है। थोड़ी-सी भी देर-और समाज को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई पहल ने दुनिया को एक संदेश दे दिया है कि बच्चों को बचाने का समय अब आ गया है। भारत को भी साहसिक कदम उठाकर यह साबित करना होगा कि वह डिजिटल युग के दुष्परिणामों को समझता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और संस्कारित वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। बचपन को बचाइए-क्योंकि यही वह आधार है जिस पर समाज, संस्कृति और सभ्यता खड़ी होती है। और यदि यह आधार कमजोर पड़ गया, तो भविष्य की कोई भी इमारत स्थायी नहीं रह सकती।

देश को मिले 491 युवा सैन्य अफसर, थल सेनाध्यक्ष ने ली परेड की सलामी

राष्ट्र के प्रति आजीवन कर्तव्य-निस्वार्थ सेवा की शुरूआत

- थल सेना प्रमुख ने अधिकारियों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर दी बधाई

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) के ऐतिहासिक ड्रिल स्क्वायर में शनिवार को 157वीं पासिंग आउट परेड का भव्य आयोजन किया गया। गौरव, परंपरा और सैन्य गरिमा से परिपूर्ण इस अवसर पर अधिकारी कैडेट्स को भारतीय सेना में कमीशन प्रदान किया गया। यह समारोह अकादमी के आदर्श वाक्य 'वीरता और विवेक' तथा कैडेट्स के कठोर प्रशिक्षण, अनुशासन और अदम्य साहस का सशक्त प्रतीक रहा।

थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने परेड की समीक्षा की और नव-नियुक्त अधिकारियों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर बधाई दी। उन्होंने युवा अधिकारियों के उच्च स्तर के अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सहनशक्ति की प्रशंसा करते हुए उन्हें भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं का निर्वहन करने तथा निष्ठा, प्रतिबद्धता और सम्मान के साथ राष्ट्र सेवा करने का आह्वान किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सेना में कमीशन प्राप्त करना केवल प्रशिक्षण की समाप्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति आजीवन कर्तव्य और निस्वार्थ सेवा की शुरूआत है। देश के 491 युवाओं ने जिस सपने को आंखों में सजाया था, वह अब साकार हो गया है. कड़ी मेहनत, अनुशासन और कठिन प्रशिक्षण के लंबे दौर के बाद ये युवा भारतीय सैन्य अकादमी से पास आउट होकर देश सेवा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस बार अकादमी से कुल 525 ऑफिसर्स कैडेट्स पास आउट हुए हैं। इनमें भारत के 491 कैडेट्स के साथ-साथ 14 मित्र देशों के 34 विदेशी कैडेट्स भी शामिल हैं. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय सैन्य अकादमी की साख और भरोसे का यह एक और प्रमाण है।

14 मित्र राष्ट्रों के 34 विदेशी अधिकारी कैडेट्स को कमीशन किया प्रदान

157वें रेगुलर कोर्स, 46वें टेक्निकल एंट्री स्कीम, 140वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स, 55वें स्पेशल कमीशंड ऑफिसर्स कोर्स और टेरिटोरियल आर्मी ऑनलाइन एंट्रेंस एग्जाम 2023 कोर्स के कुल 525 अधिकारी कैडेट्स के साथ-साथ 14 मित्र राष्ट्रों के 34 विदेशी अधिकारी कैडेट्स को कमीशन प्रदान किया गया। यह कमीशनिंग न केवल भारत के रक्षा नेतृत्व को सुदृढ़ करती है, बल्कि मित्र देशों के साथ दीर्घकालिक सैन्य सहयोग को भी सशक्त बनाती है। इस गरिमामय समारोह के साक्षी गर्वित अभिभावक, परिजन, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी तथा अनेक विशिष्ट अतिथि बने। परेड का समापन पारंपरिक अंतिम पग के साथ हुआ, जब युवा अधिकारी राष्ट्र की संप्रभुता, सम्मान और मूल्यों की रक्षा के संकल्प के साथ आगे बढ़े। स्वॉर्ड ऑफ ऑनर एवं स्वर्ण पदक (मेरिट में प्रथम) एसीए निश्कल द्विवेदी को प्रदान किया गया। रजत पदक (द्वितीय स्थान) बीयूओ बादल यादव तथा कांस्य पदक (तृतीय स्थान) एसयूओ कमलजीत सिंह को मिला। टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स में मेरिट में प्रथम स्थान के लिए ऑफिसर कैडेट जाधव सुजीत संपत और टेक्निकल एंट्री स्कीम-46 में प्रथम स्थान के लिए डब्ल्यूसीसी अभिनव मेहरोत्रा को रजत पदक प्रदान किया गया। स्पेशल कमीशन ऑफिसर कोर्स का रजत पदक ऑफिसर कैडेट सुनील कुमार छेत्री को दिया गया। विदेशी कैडेट्स में मेरिट में प्रथम स्थान का पदक बांग्लादेश के जेयूओ मोहम्मद सफीन अशरफ को मिला। ऑटम टर्म 2025 में समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए इम्फाल कंपनी को थल सेना प्रमुख बैनर प्रदान किया गया। 157वें कोर्स के साथ भारतीय सैन्य अकादमी ने एक बार फिर राष्ट्र के लिए साहस, पेशेवर दक्षता और अटूट समर्पण से नेतृत्व करने वाले अधिकारियों के निर्माण की अपनी गौरवशाली परंपरा को सुदृढ़ किया है।

अतिक्रमण हटाने गई जेसीबी पर पथराव, शीशा टूटा

- घटना के बाद मौके पर बन गई तनाव की स्थिति

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

शनिवार को हल्द्वानी के हीरानगर वार्ड नंबर 17 में अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम और राजस्व विभाग की टीम को विवाद का सामना करना पड़ा। गुस्साए लोगों ने नगर निगम की जेसीबी पर पथराव कर दिया। जिससे जेसीबी का शीशा टूट गया।

जानकारी के अनुसार राजस्व विभाग की भूमि पर शौचालय निर्माण का प्रस्ताव है, जिसको लेकर राजस्व विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने पहुंची थी। इसी दौरान मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने नगर निगम की जेसीबी पर पत्थर फेंक दिए, जिससे मशीन का शीशा टूट गया। घटना के बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई, जिसके चलते फिलहाल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को रोक दिया गया है।

नगर निगम की ओर से बताया गया है कि सरकारी कार्य में बाधा डालने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है और आवश्यक कदम उठाने की तैयारी की जा रही है।

महक क्रांति नीति का शुभारंभ, एक लाख किसानों को जोड़ने का लक्ष्य

किसानों के उत्थान व उनकी समृद्धि के लिए सरकार संकल्पित: सीएम धामी

- सीएम ने प्रयोगशाला व 5 सैटेलाइट सेन्टरों का किया शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को सगन्ध पौधा केन्द्र, सेलाकुई, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए उत्तराखंड महक क्रांति नीति-2026-36 का शुभारम्भ किया। उन्होंने सैटेलाइट सेन्टर भाऊवाला का लोकार्पण एवं सगन्ध पौधा केन्द्र, सेलाकुई स्थित ए.एम.एस (सी-14) प्रयोगशाला का शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कुल 5 सैटेलाइट सेन्टरों का शिलान्यास किया। यह सैटेलाइट सेंटर-परसारी (चमोली), रैथल (उत्तरकाशी), भैसोड़ी (अल्मोड़ा), खतेड़ा (चंपावत) एवं विषाड (पिथौरागढ़) में स्थापित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान सगन्ध पौधा केन्द्र और डाबर इंडिया लिमिटेड के बीच एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर भी किए गए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य एक्सटेंशन (विस्तार), अनुसंधान एवं विकास, मानव संसाधन विकास, मार्केटिंग आदि के क्षेत्र में कैप और डाबर के बीच सहयोग के लिए एक रूपरेखा तैयार करना है। एम.ओ.यू के दौरान कैप की ओर से निदेशक कैप नृपेन्द्र सिंह चौहान एवं डाबर के अधिशासी निदेशक डा. सौरभ लाल मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कैप के फाउण्डर वैज्ञानिकों एवं लेमनग्रास - तुलसी की खेती करने वाले किसानों को भी इस मौके पर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने परफ्यूमरी प्रयोगशाला का भी भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड महक क्रांति नीति के शुभांरभ को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इस नीति के अंतर्गत 7 एरोमा वैलियों को विकसित करने की शुरूआत होगी। प्रथम चरण में पिथौरागढ़ में तिमूर वैली, चमोली एवं अल्मोड़ा में डैमस्क रोज वैली, ऊधमसिंह नगर में मिन्ट वैली, चम्पावत और नैनीताल में सिनेमन वैली तथा हरिद्वार और पौड़ी में लेमनग्रास एवं मिन्ट वैली विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस नीति के अंतर्गत पौधशाला विकास सहयोग, खेती हेतु अनुदान, प्रशिक्षण एवं क्षमता-विकास, फसल बीमा तथा पैकेजिंग और ब्रांडिंग जैसी आवश्यकताओं की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति के अंतर्गत राज्य में लगभग 23 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सगंधित फसलों की खेती को विकसित कर करीब 1 लाख किसानों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। आगामी दस वर्षों में राज्य में सगंधित फसलों की खेती के टर्नओवर को 100 करोड़ से बढ़ाकर लगभग 1200 करोड़ तक पहुंचाने में सफलता मिलेगी, जिससे किसानों के साथ राज्य की आय में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार, प्रदेश के किसानों के उत्थान एवं उनकी समृद्धि हेतु संकल्पित होकर निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में किसानों को 3 लाख तक का ऋण बिना ब्याज के उपलब्ध कराया जा रहा है।

300 करोड़ की लागत से एरोमा पार्क भी किया जा रहा है विकसित

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने 1200 करोड़ की लागत से नई सेब नीति, कीवी नीति, स्टेट मिलेट मिशन और ड्रैगन फ्रूट नीति लागू की है। इन नीतियों के तहत किसानों को 80 प्रतिशत तक सब्सिडी प्रदान की जा रही है। सगंध उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए काशीपुर में 40 एकड़ में एरोमा और परफ्यूमरी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए 300 करोड़ से एरोमा पार्क भी विकसित किया जा रहा है।

हाउस ऑफ हिमालयाज के माध्यम से सगंध तेलों को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। धौलादेवी, मुन्स्यारी और बेतालघाट के चाय बागानों को जैविक चाय बागान के रूप में परिवर्तित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, मिलेट उत्पादन से संबंधित निवेश पर 80 प्रतिशत तक का अनुदान प्रदान कर रही है। पंक्ति बुआई करने पर प्रति हेक्टेयर 4 हजार और अन्य विधियों से बुआई करने पर प्रति हेक्टेयर 2 हजार की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही, मिलेट उत्पाद की खरीद पर किसानों को 300 रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान भी किया गया है। हमारे इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि आज हमने किसानों की आय में वृद्धि करने में देश भर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य सरकार द्वारा लिए गए फैसले देश के लिए नजीर बन रहे हैं। राज्य सरकार ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, सतत विकास की सूची में प्रथम स्थान प्राप्त करना, समान नागरिक संहिता लागू होना एवं मदरसा एक्ट समाप्त करने जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह द्वारा बनाए गए उत्पादों को उपहारों के रूप में दिया जा रहा है। सरकारी आयोजनों में भी स्थानीय उत्पादों को खरीदने को कहा गया है। कृषि मंत्री गणेश जोशी, विधायक सहदेव पुंडीर, उपाध्यक्ष जड़ी बूटी सलाहकार समिति भुवन विक्रम डबराल, जिला अध्यक्ष भाजपा मीता सिंह, गिरीश डोभाल, सचिव सुरेंद्र नारायण पांडे, एसेंशियल ऑयल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सचिव पी.के जैन, अध्यक्ष नगर पंचायत सुमित चौधरी एवं अन्य लोग भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

अन्तर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार, हथियारों का जखीरा बरामद

- एसटीएफ व उधम सिंह नगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। रुद्रपुर

उत्तराखंड एसटीएफ व रुद्रपुर पुलिस के ज्वाइंट ऑप्रेशन में में बड़ी सफलता मिली है। टीम ने चार अवैध ऑटोमैटिक पिस्टल, एक बंदूक व 40 कारतूस के साथ एक अन्तर्राज्यीय तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ की कार्रवाई में अवैध हथियारों का अन्तर्राज्यीय नेटवर्क ध्वस्त हुआ है। जो यूपी से लेकर उत्तराखंड तक फैला था। पकड़े गये अभियुक्त का सम्बन्ध वर्ष 2016 में पंजाब में हुए नाभा जेल ब्रेक काण्ड से रहा है।

जिसमें आरोपी ने नाभा जेल ब्रेक के कुख्यात गैंगस्टरों को कारतूस उपलब्ध कराये गये थे। जिनका प्रयोग जेल ब्रेक में हुआ था। आरोपी उस मामले में साढ़े छह साल पटियाला जेल में निरुद्ध रहा। तथा एनआईए ने वर्ष 2023 में उसकी गनहाऊस में रेड की गयी थी जिसमें एनआईए दोनों भाइयों को पकड़कर पूछताछ हेतु अपने साथ ले गयी थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ आरबी चमोला के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक एसटीएफ एमपी सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर उनकी गिरफ्तारी व धकपकड़ हेतु उचित दिशा-निर्देश दिये गये थे। इसी क्रम में एसटीएफ की कुमायूं युनिट ने शुक्रवार देर रात्रि थाना रूद्रपुर पुलिस के साथ एक व्यक्ति मौ आसिम पुत्र शकील अहमद निवासी ग्राम धनसारा थाना बाजपुर को भारी मात्रा में अवैध असलहों व गोला-बारुद के साथ गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी ऊधम सिंह नगर मणिकांत मिश्रा व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने जानकारी देते हुए बताया कि एसटीएफ को पिछले कुछ समय से सूचना प्राप्त हो रही थी कि जनपद ऊधमसिंह नगर के बाजपुर से राज्य और राज्य के बाहर अवैध हथियारों व कारतूसों की बड़े पैमाने में तस्करी हो रही है इसपर टीम द्वारा गोपनीय रुप से कार्य किया और करीब एक माह की कड़ी मेहनत के फलस्वरूप शुक्रवार की देर रात्रि एसटीएफ कुमाऊं यूनिट को मुखबिर की एक गोपनीय सूचना प्राप्त हुयी कि बाजपुर का एक पुराना वैपन तस्कर भारी मात्रा में हथियारों की सप्लाई रुद्रपुर में देने वाला है।

कैसे हुई थी नाभा जेल-ब्रेककाण्ड की पूरी वारदात

27 नवंबर 2016 की सुबह करीब 9 बजे पुलिस की वर्दी में तीन गाड़ियों में हथियारों से लैस होकर आए करीब 15 अपराधियों ने नाभा की मैक्सिसम सिक्योरिटी जेल पर हमला करके दो आतंकियों व चार गैंगस्टरों को छुड़ा लिया था। अपराधियों ने दरअसल जेल में एक कैदी को लाने का दिखावा किया। जिस पर मेन गेट पर तैनात गार्ड ने इन्हें अंदर जाने दिया। अंदर घुसते ही अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद वह बैरकों में घुस गए, जहां खालिस्तान लिब्रेशन फोर्स के आतंकी हरमिंदर सिंह मिंटू, आतंकी कश्मीर सिंह व चार गैंगस्टरों हरजिंदर सिंह भुल्लर उर्फ विक्की गौंडर, गुरप्रीत सिंह सेखों, कुलप्रीत सिंह उर्फ नीटा देयोल व अमनदीप सिंह उर्फ धोतियां इनका इंतजार कर रहे थे।

रेलवे बनभूलपुरा भूमि मामला फिर टला

नई दिल्ली/हल्द्वानी। बहुचर्चित रेलवे बनभूलपुरा भूमि प्रकरण की सुनवाई एक बार फिर टल गई है। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार अब इस मामले की संभावित सुनवाई 3 फरवरी 2026 को दर्शाई गई है। इससे पहले यह मामला 16 दिसंबर 2025 को सुनवाई के लिए संभावित रूप से सूचीबद्ध था। 10 दिसंबर 2025 को यह मामला सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन क्रम संख्या 15 पर दर्ज एक अन्य प्रकरण में लंबी बहस चलने के कारण बनभूलपुरा रेलवे भूमि मामले पर सुनवाई नहीं हो सकी। इसके बाद इसे 16 दिसंबर को सुने जाने की संभावना जताई गई थी, जिसे अब आगे बढ़ाकर फरवरी 2026 कर दिया गया है। यह प्रकरण लंबे समय से न्यायालय में लंबित है और इसे लेकर उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित बनभूलपुरा क्षेत्र में लगातार असमंजस और तनाव का माहौल बना हुआ है। इस मामले का सीधा असर हजारों स्थानीय निवासियों, प्रशासनिक तैयारियों और भविष्य की योजनाओं पर पड़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई अब 3 फरवरी 2026 को संभावित

कांग्रेस विधायक के नेतृत्व में हल्द्वानी से महिलाओं का बड़ा जत्था दिल्ली रवाना

पायनियर समाचार सेवा। हल्द्वानी

- आज दिल्ली में होगा कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन

कांग्रेस पार्टी रविवार 14 तारीख को दिल्ली में होने वाले बड़े प्रदर्शन की तैयारी में जुट गई है। इसी कड़ी में शनिवार को उत्तराखंड के हल्द्वानी से कांग्रेस विधायक सुमित हृदेश के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसी महिलाएं दिल्ली के लिए रवाना हो गई हैं। हल्द्वानी से बसों और अन्य वाहनों के माध्यम से कांग्रेसी महिलाओं का यह दल दिल्ली कूच करने के लिए निकल गया है। विधायक सुमित हृदेश ने बताया कि उत्तराखंड से करीब 10 हजार लोग दिल्ली पहुंचेंगे और रविवार को होने वाले प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। विधायक सुमित ने कहा कि केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की नीतियों के खिलाफ कांग्रेस पार्टी देशव्यापी आंदोलन कर रही है। उत्तराखंड से हजारों कार्यकर्ता दिल्ली पहुंच रहे हैं और लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज बुलंद करेंगे।

बीमार मरीज को डंडी-कंडी के सहारे उपचार के लिए पहुंचा रहे अस्पताल

अभी भी कई गांव सड़कों से कोसों दूर

- कई बार बीमार लोगों और गर्भवती महिलाओ को जान तक पडती है गवानी

पायनियर समाचार सेवा। चमोली

एक तरफ जहां सरकारें और जनप्रतिनिधि सडकों के जाल बिछाने की बात कहकर अपनी पीठ खूब थप-थपाते रहते हैं वहीं पहाडों मे धरताल पर आज भी विभिन्न क्षेत्रों में सडकों के अभाव में ग्रामीणों को बडी दिक्कतों का सामना करना पडता है।कई ग्रामीण इलाकों में आजतक मोटर मार्गों के निर्माण नहीं हो सकने के चलते जहां हर दिन छात्र-छात्राओं को स्कूल-कालेज आने-जाने, आम ग्रामीणों का रोजमर्रा की आवश्यकताओं के लिए ब्लाक तथा जिला मुख्यालय आदि स्थानों के आवागमन में परेशानियां झेलनी पडती ही है।

तो वहीं दूसरी और बिमार लोगों और प्रसूता महिलाओं को आज भी लोग डंडी-कंडी के सहारे कांधों पर लादकर शहरों के अस्पतालों तलक लाना पडता है, जिसमें कई बार बीमार लोगों और गर्भवती महिलाओ को जान तक गवानी पडती है।

वैसे बिना मोटर मार्गों के चलते बहुत सारे गांव आज भी परेशान हैं तो ताजा मामला जनपद के देवाल ब्लॉक के ऐरठा गांव का हैं जहां चालीस वर्षीय एक व्यक्ति पूरन राम की तबियत खराब होने पर ग्रामीणों ने उंहें पांच कीलोमीटर तंग पहाडी और चट्टानी पगडंडियों से डंडी में लादकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक पहुचाया जहां उनका प्राथमिक उपचार करने के बाद हायर सेंटर रैफर किया गया है।

वर्षों पुरानी सडक की मांग आज भी धरातल पर नहीं उतर पाई

बताते चलें कि यहां ऐरठा गांव अनुसूचित जाति बाहुल्य गांव है जहां लोगों की वर्षों पुरानी एक सडक की मांग आज भी धरातल पर नहीं उतर पाई है। यहां के स्कूली बच्चे भी हर दिन इसी पहाडी और जंगल का पैदल रास्ता तय करके हर मौसम में अपने गांव से पांच कीलोमीटर दूर देवाल तक अपने-अपने स्कूल-कालेजों के लिए जान जोखिम में डालकर आवागमन करते हैं, जिस कारण छात्र-छात्राओं के परिजनों को उनके स्कूल जाने तथा घर वापस लौटने तक चिंता सताए रहती हैं।इन सबसे तो यही लगता है कि पहाड के लोगों की नीयति बन गई है अपनी जान को जोखिम में डालकर जीने की। तस्वीरों में आप साफ देख सकते हैं कि किस तरह ग्रामीण बिमार व्यक्ति को कांधे पर लादकर ले जा रहे हैं, ऊपर पहाडी, तंग रास्ता और नीचे पिंडर नदी की गहराई।

युवक की हत्या से आक्रोशित लोगों ने बंद कराया बाजार

- खटीमा में तनाव, हाइवे जाम की कोशिश को पुलिस ने किया नाकाम

पायनियर समाचार सेवा। खटीमा

शुक्रवार की देर रात्रि खटीमा में युवक की हत्या कर दी। खटीमा रोडवेज स्टेशन में शुक्रवार देर रात्रि दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के तुषार शर्मा पुत्र मनोज शर्मा, सलमान पुत्र शब्बू निवासी पकड़िया और अभय पुत्र कन्हैया लाल निवासी खटीमा पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हमलावर मौके से फरार हो गए।

घायलों को उप जिला चिकित्सालय ले जाया गया। यहां इलाज के दौरान तुषार शर्मा ने दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल सलमान और अभय को हायर सेंटर रेफर कर दिया। शनिवार को खटीमा में युवक की हत्या के विरोध में युवक के परिजनो व वार्ड वासियों ने सुबह ही बाजार बंद करवा दिया। भीड़ ने हत्यारोपी के पिता के खोखे में आग लगा दी जिससे रोडवेज के समीप अफरा तफरी मच गई। लोग मुख्य चौक पर धरने में बैठ गए। भीड़ बार बार जाम लगाने की कोशिश करती रही। पुलिस ने जाम लगाने की कोशिश को नाकाम कर दिया। इधर मुख्य चौक पर बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता लगातार नारेबाजी कर बाजार बंद करवाती रही। पुरानी तहसील रोड पर भीड़ ने बंद दुकानों के फर्नीचर,दुकानों की पन्नियां ,त्रिपाल फाड़ दिए।भीड़ के हाथ में डंडे थे जिसे लेकर भीड़ दुकानों के काउंटर और शटर पर मार रही थी। पुलिस भीड़ के सामने लाचार नजर आ रही थी। भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस के पसीने छूट गए। भीड़ नारेबाजी कर हत्यारोपियों को फांसी दिए जाने की मांग कर रही थी।

एडीजी ने खतौली कोतवाली का किया औचक निरीक्षण, महिला हेल्प डेस्क, कंप्यूटर कक्ष और साफ-सफाई का लिया जायजा

लंबित विवेचनाओं में तेजी लाने के दिए निर्देश

■ नीलामी के बाद भी भारी संख्या में खड़े वाहनों को देखकर एडीजी हुए नाराज

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

एडीजी जोन भानु भास्कर ने शनिवार को थाना दिवस के अवसर पर खतौली कोतवाली का औचक निरीक्षण कर पुलिस की कार्यशैली की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने महिला हेल्प डेस्क, कंप्यूटर कक्ष, कार्यालय, अभिलेखों की स्थिति और साफ-सफाई का जायजा लिया।

एडीजी ने लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि पीड़ितों को समयबद्ध न्याय मिलना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कोतवाली परिसर में नीलामी के बाद भी भारी संख्या में खड़े वाहनों को देखकर एडीजी नाराज हो गए। उन्होंने तत्काल प्रभाव से इन वाहनों को परिसर से हटवाने के निर्देश दिए। साथ ही कोतवाली की नालियों में गंदगी मिलने पर भी कड़ी नाराजगी जताई और साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के आदेश दिए। एडीजी ने कोतवाली आवासों का निरीक्षण करने के बाद जीटी रोड पर उतरकर कोतवाली से जानसठ तिराहे तक पैदल भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने नगर में बढ़ते अतिक्रमण, सड़क किनारे खड़े वाहनों और सड़क हादसों की संभावनाओं का जायजा लिया।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यातायात व्यवस्था सुचारू रखने और अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय कोतवाली में मौजूद फरियादियों से भी एडीजी ने सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही आईजीआरएस से संबंधित मामलों की भी कड़ी समीक्षा की गई। कोतवाली परिसर में एडीजी के आगमन पर एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत, सीओ राम आशीष यादव, कोतवाल दिनेश चंद्र बघेल, क्राइम इंस्पेक्टर नरेश कुमार सहित सभी उप निरीक्षक मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत में एडीजी भानु भास्कर ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस के तहत यह देखा गया कि अधिकारी समय पर उपस्थित हैं या नहीं। साथ ही हाल ही में खतौली में हुई लूट की घटना के अनावरण की समीक्षा की गई है, जिसका शीघ्र खुलासा किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुपालन में आईजीआरएस मामलों की भी गहन जांच की गई है। इसके बाद एडीजी ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचकर हाईवे का निरीक्षण किया।

अवैध घुसपैठियों पर सख्तीः किसी भी हाल में नहीं बख्शे जाएंगे दोषी : भास्कर

खतौली। शनिवार को थाना दिवस एवं सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर मेरठ जोन के एडीजी भानु भास्कर ने खतौली थाना का औचक निरीक्षण कर पुलिस प्रशासन में हड़कंप मचा दिया। निरीक्षण के दौरान एडीजी ने पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट और सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी सूरत में कोई भी अवैध घुसपैठिया बख्शा नहीं जाएगा। एडीजी भानु भास्कर ने बताया कि लगातार प्राप्त हो रही सूचनाओं के आधार पर अवैध रूप से रह रहे घुसपैठियों के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि संदिग्ध व्यक्तियों के कागजातों की गहन जांच कर संबंधित विभागों और सक्षम अधिकारियों के माध्यम से डीपोर्टेशन की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान एडीजी ने महिला हेल्प डेस्क, कंप्यूटर कक्ष, कार्यालय और अभिलेखों का निरीक्षण किया तथा साफ-सफाई और व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने थाना स्टाफ से संवाद करते हुए जनसुनवाई को और अधिक प्रभावी बनाने, प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने तथा कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया। एडीजी भानु भास्कर ने कहा कि पुलिस की सक्रियता, निष्पक्षता और पारदर्शिता से ही जनता का विश्वास मजबूत होता है।

थाने से चंद कदम की दूर पर 80 लाख की लूट

■ एडीजी पहुंचे पीड़ित के घर, जल्द खुलासे का दिया भरोसा

पायनियर समाचार सेवा। खतौली

कोतवाली से कुछ ही कदमों की दूरी पर एक सप्ताह पूर्व हुई करीब 80 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट की घटना ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रखे हैं।

एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद मामले का खुलासा न होने पर मेरठ जोन के एडीजी भानु भास्कर खुद एक्शन मोड में नजर आए। शनिवार को कोतवाली का औचक निरीक्षण करने के बाद एडीजी सीधे पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी ली। एडीजी भानु भास्कर ने पीड़ित परिवार से विस्तार से पूछताछ करते हुए घटना की टाइमलाइन, बदमाशों के हुलिए और वारदात के तरीके के बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद उन्होंने खतौली पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि लूट की घटना का जल्द से जल्द खुलासा किया जाए। एडीजी ने पीड़ित परिवार को भी भरोसा दिलाया कि मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और बदमाशों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा। हालांकि घटना के बाद से ही एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत स्वयं जांच की कमान संभाले हुए हैं।

एक नजर

आभूषण, नगदी और घेर में खड़ा ट्रैक्टर चोरी

नागल। बीती रात कस्बे के एक बैंकट हॉल में बेटी की शादी मनाने आये गांव शीतलाखेड़ा निवासी एक परिवार के घरों को चोरों ने निशाना बनाते हुए अलमारी से लाखों रुपए के आभूषण, नगदी तथा ट्रैक्टर चोरी कर लिया। पीड़ित परिवार ने पुलिस को अज्ञात चोरों के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामला दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पीड़ित विपिन ने पुलिस को बताया कि रात उसके चाचा चरण सिंह की लड़की की शादी कस्बे के एक बैंकट हॉल में थी और उनका पूरा परिवार घर का ताला लगाकर शादी समारोह में आया था। रात करीब 2 बजे जब उसके चाचा का परिवार घर गया तो देखा कि मकान का ताला तोड़कर घर में रखी आलमारी से लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवर तथा 20 हजार रुपए की नगदी चोरी हो गयी। सूचना पर चाचा कस्बे से घर गये तो देखा कि उसके घेर में खड़ा महिंद्रा 265 ट्रैक्टर को भी चोरों ने चोरी कर लिया है। थाना प्रभारी राजकुमार चौहान ने बताया कि घटना की तहरीर आई है अज्ञात चोरों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

शातिर चोर गिरफ्तार, दो सोलर प्लेट बरामद

बेहट। कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है।उसके कब्जे से दो सोलर प्लेटे बरामद हुई। बताते चलें कि रामवीर पुत्र मुख्यतारा निवासी ग्राम भागूवाला ने थाने में तहरीर दी थी कि किसी अज्ञात चोर ने ग्राम मिरगपुर पांजूवाला में स्थित काली मंदिर की छत से दो सोलर प्लेट चोरी कर ली है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतपाल सिंह भाटी ने बताया कि मुकदमा दर्ज करने के बाद पूछताछ और सूचना के आधार पर पुलिस ने फोनी पुत्र अतर सिंह निवासी ग्राम मिलकपुर पंजूवाला को गिरफ्तार किया। अभियुक्त की निशानदेही पर दो सोलर प्लेट बरामद की गयी है।

फर्स्ट एड और बेसिक लाइफ सपोर्ट विषय पर कार्यशाला आयोजित

पुष्पा देवी पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट की अनूठी पहल

सहारनपुर। स्प्रिंग बेल्स स्कूल दिल्ली रोड़ शनिवार को फर्स्ट एड और बेसिक लाइफ सपोर्ट पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं को जीवन रक्षक तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला का संयुक्त रूप से संचालन पुष्पा देवी पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट, सहारनपुर एवं पुष्पा देवी डायलिसिस सेंटर की टीम ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुष्पा देवी पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट के चेयरमैन नितिन पंवार, उप प्रधानाचार्य नीरज कौशिक और ने की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपातकालीन स्थिति में सही समय पर दी गई प्राथमिक चिकित्सा किसी की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकती है, इसलिए ऐसे प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक हैं। इंस्टीट्यूट के चेयरमैन नितिन पंवार, ऑपरेशन मैनेजर विक्रम सिंह, वरिष्ठ पत्रकार एस के चंदनानी, एकेडमिक मैनेजर रीतू पंवार, हॉस्पिटल एवं डायलिसिस मैनेजर हिना गुप्ता, डॉक्टर श्रीति (एमबीबीएस), सीनियर डायलिसिस टेक्निशियन टिंकू, जूनियर डायलिसिस टेक्निशियन बतुल जहरा और वर्कशॉप ट्रेनर नमरा अंसारी (फैकल्टी) ने छात्राओं को सीपीआर, हृदय गति रुकने पर तुरंत उपचार, बेहोशी की हालत में प्राथमिक चिकित्सा, चोट लगने पर तत्काल सहायता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

विधायक खेल स्पर्धा का समापन

सहारनपुर। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग, सहारनपुर के तत्वाधान में विधानसभा सहारनपुर नगर की दो दिवसीय विधायक खेल स्पर्धा का पुरस्कार वितरण के साथ समापन हो गया। विधायक खेल स्पर्धा में विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी विकास कुमार ने बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय माननीय विधायक खेल स्पर्धा मे एथलेटिक्स, वॉलीबाल, कबड्डी, बैडमिंटन, कुश्ती खेल की प्रतियोगिताओ का आयोजन सब जूनियर, जूनियर व सीनियर वर्गो मे किया गया। इस अवसर पर प्रवीन कुमार सहायक प्रशिक्षक (बॉक्सिंग), लाल धर्मेन्द्र प्रताप, आदेश कुमार, ईश्वरपाल सिंह मुखिया, सुनील कुमार, जयेन्द्र कुमार, दीपक शर्मा, पोपिन कुमार, रविकान्त धीमान, प्रियंका चौहान, रुपेश, अमित राठी, सुभाष चौधरी, जयंत सैनी, सतीश, महेन्द्र, बृजेश आदि उपस्थित रहे।

शौर्य, समृद्धि, विश्व कल्याण की कामना के साथ महायज्ञ सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। बेहट

तहसील क्षेत्र के ग्राम बाबैल बुजुर्ग में चल रहे तीन दिवसीय गायत्री महायज्ञ एवं संस्कार महोत्सव का भारत की शौर्य समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना के साथ पूर्णाहुति से समापन हो गया। इस दौरान सैकडों लोगो ने गुरु और गायत्री मंत्र की दीक्षा लनेने के साथ साथ विभिन्न संस्कार भी कराये। महायज्ञ के दौरान टोली नायक सुरेन्द्र नाथ ने संस्कारों की महिमा बतायी। फिर गर्भधान, पुंसवन, नामकरण, विद्यारम्भ, गुरुदीक्षा आदि संस्कार भी यज्ञ के बीच में कराये गये। इस बीच युग गायक दीपक बघेल,गोपाल मालवीय,वादक नरेंद्र कुमार रामगोपाल मालवीय आदि ने युग संगीत के माध्यम से श्रोताओं को भक्ति रस से सराबोर किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से त्रिपाल सिंह, सुरेश शर्मा, सत्यपाल, रमन शर्मा दिनेश राणा, सुधीर राणा नीरज, अक्षय यादव, डॉ महिपाल सिंह, अनिल वत्स, अशोक गुप्ता, सुरेश रुहेला, पीके शर्मा, प्रमोद रुहेला, पवन शर्मा, दिव्यांश राणा, शिवकुमार, अखिलेश, अरुण, नीरज काम्बोज,नकली राम शर्मा, श्याम सिंह प्रधान सहित बडी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

न्यायालय ने तोड़फोड़ के मामले में दो अभियुक्तों पर लगाया जुर्माना

कैराना। उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप शामली पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध की जा रही प्रभावी एवं सशक्त पैरवी के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। थाना बाबरी क्षेत्र के एक पुराने मामले में माननीय न्यायालय कैराना ने दो अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए अर्थदंड से दंडित किया है। पुलिस के अनुसार वर्ष 2019 में थाना बाबरी पर मु0अ0सं0 74/2019 धारा 427 भादवि के अंतर्गत ग्राम बन्तीखेड़ा निवासी सद्दाम पुत्र रशीद एवं कय्यूम पुत्र रशीद के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मामले में पुलिस द्वारा न्यायालय में प्रभावी पैरवी की गई। शनिवार को माननीय न्यायालय कैराना ने दोनों अभियुक्तों को दोषी पाते हुए प्रत्येक पर 500-500 रुपये का अर्थदंड लगाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शासन की मंशा के अनुरूप अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और न्यायालय में प्रभावी पैरवी आगे भी जारी रहेगी।

दबोची गई पतिहंता वांछित 20 हजार की इनामी सुमायरा

■ प्रेमी संग मिलकर की थी हत्या, शव छपार क्षेत्र में फेंकने के बाद फरार हो गई थी आरोपी पत्नी

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

छपार थाना क्षेत्र में हुए सलमान हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में लंबे समय से फरार चल रही मृतक की पत्नी सुमायरा को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी महिला पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा द्वारा 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

पुलिस अधीक्षक नगर सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि कुछ समय पूर्व छपार क्षेत्र में मेरठ के लिसाड़ी गेट निवासी सलमान का गोली लगा शव बरामद हुआ था। मामले की जांच में पुलिस ने पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्याकांड का खुलासा कर दिया था। जांच में सामने आया था कि सलमान की पत्नी सुमायरा के किसी अन्य युवक से अवैध संबंध थे, जिनका सलमान विरोध करता था।

इसी रंजिश के चलते सुमायरा ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर सलमान की गोली मारकर हत्या कर दी और शव को छपार क्षेत्र में फेंक दिया। घटना के बाद से ही सुमायरा फरार चल रही थी। पुलिस की लगातार तलाश के बाद उसे दिल्ली से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर छपार लाया गया। शनिवार को आरोपी सुमायरा निवासी मेरठ को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

कॉलेज में खेल मैदान का लोकार्पण

■ शिक्षा के साथ खेल जरूरी : डीआईओएस

पायनियर समाचार सेवा। शामली

आरडी इंटर कॉलेज सिक्का सिलावर के खेल मैदान की चारदीवारी और मुख्य द्वार का लोकार्पण समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। खेल मैदान की चारदीवारी का निर्माण पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी एवं सदस्य विधान परिषद श्रीचंद शर्मा के सहयोग से कराया गया, जबकि मुख्य द्वार का निर्माण विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य स्वर्गीय ज्ञान सिंह तोमर द्वारा कराया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक ऐश्वर्या लक्ष्मी जायसवाल ने डीसीडीएफ चेयरमैन पवन तरार और अमित तोमर की गरिमामयी उपस्थिति में लोकार्पण किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंध समिति के अध्यक्ष विक्रम सिंह ने की, जबकि संचालन प्रवक्ता विजय नारायण ने किया। समारोह को संबोधित करते हुए डीआईओएस श्रीमती ऐश्वर्या लक्ष्मी जायसवाल ने कहा कि हर विद्यालय में बेहतर खेल मैदान होना आवश्यक है। इससे छात्र-छात्राओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ती है और उनका शारीरिक व मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी जरूरी है, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव हो सके। डीसीडीएफ चेयरमैन पवन तरार ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के साथ नैतिक और चरित्र शिक्षा भी अत्यंत आवश्यक है। समय-समय पर गोष्ठियों के माध्यम से बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने और सफल होने के मूल मंत्र दिए जाने चाहिए। इस अवसर पर प्रबंधक प्रवीण तरार, प्रधानाचार्य वीके गुलाटी, अमित मलिक, पूजा मलिक, हरवेंद्र सिंह, ज्ञानेन्द्र मलिक, शान्तनु मित्तल, संदीप गुप्ता, वीरेंद्र जैन, राजेश मित्तल, कुलदीप मलिक, आशु मलिक, ओम सिंह, दलबीर सिंह, मदन गोपाल, सुधीर तरार, देवेंद्र मुखिया, वीरपाल सिंह, ऋषिपाल सिंह, संजीव प्रधान, अरविंद प्रधान, जयप्रकाश शर्मा, उमेश शर्मा, नरेश कश्यप, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. भूरा खान, सुदेश पाल तरार, योगेंद्र सिंह, रणदीप मलिक, यशपाल निर्वाल, जितेंद्र प्रधान, संजय देशवाल, जितेंद्र तरार, पुष्पराज, डॉ. चयन सिंह पुंडीर, विनय गौतम, दीपक संगल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र-छात्राएं और अभिभावक मौजूद रहे।

अधिवक्ता समाज का अभिन्न अंगः डा. यादव

सहारनपुर। अधिवक्ता भी समाज का अभिन्न अंग है। अधिवक्ता विधिक सेवाओं के द्वारा देश एवं समाज की उन्नति में उतना ही उपयोगी, सहभागी है जितना अन्य। उक्त विचार आज यहां जिला एवं सत्र न्यायालय में आयोजित एक कार्यक्रम में सदस्य बार कौसिंल आफ उ.प्र. के प्रत्याशी एडवोकेट डा.वीरेन्द्र प्रताप सिंह यादव ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता सम्पूर्ण मानव जाति की सेवा जाति धर्म पंथ सम्प्रदाय से ऊपर उठकर जीवन परियन्त करता है, इसलिए सरकार का दायित्व है कि अधिवक्ता समाज की मूलभूत सुविधाओं का समाधान प्राथमिकता पर किया जाये।

उन्होंने मांग की कि अधिवक्ताओं के लिए ए.टी.पी. चलाकर शिक्षा, संगोष्ठी, सेमिनार एवं वर्कशॉप आदि का नियमित आयोजन किया जाये, प्रत्येक तहसील एवं जनपद न्यायालय पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एम्बुलेंस व डाकघर की व्यवस्था करायी जाये, अधिवक्ताओं को आवास, वान, लाईब्रेरी बनाने हेतु रियायती दर पर लोन सरकारी बैंकों से उपलब्ध कराया जाये। अधिवक्ताओं के प्राइवेट वाहन पर टोल टैक्स बन्द हो तथा रेलवे रिवर्जेशन में प्राथमिकता दिलाई जायेगी के साथ साथ समस्याओं का भी प्राथमिकता पर निदान कराया जाए।

ऑपरेशन सवेरा के तहत नशा-मुक्ति कार्यक्रम आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। कैराना

■ छात्रों को नशे से दूर रहने की दी सीख

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा नशे के अंधकार से, जीवन के उजाले की ओर अभियान के तहत थाना कैराना पुलिस ने शनिवार को क्षेत्र के एक कम्पोजिट उच्च माध्यमिक विद्यालय में नशा-मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें नशा-मुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। इससे न केवल पढ़ाई प्रभावित होती है, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहकर अनुशासित जीवन अपनाने, शिक्षा के साथ खेलकूद व रचनात्मक गतिविधियों में रुचि बढ़ाने तथा सकारात्मक सोच के साथ उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नशे के दुष्प्रभाव, युवाओं को नशे की लत से बचाने के उपाय व हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई।

जनपद न्यायाधीश बीरेन्द्र कुमार सिंह ने सुलह-समझौते से न्याय को बताया सबसे प्रभावी माध्यम

राष्ट्रीय लोक अदालत में लाखों प्रकरणों का हुआ त्वरित निस्तारण

पायनियर समाचार सेवा। मुजफ्फरनगर

जिला न्यायालय परिसर में द्वितीय शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष बीरेन्द्र कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में उन्होंने राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोक अदालत में निर्णय आपसी सहमति से होते हैं, जिससे किसी की हार-जीत नहीं होती और आपसी सौहार्द बना रहता है। साथ ही वादकारियों का समय और धन दोनों की बचत होती है।

जनपद न्यायाधीश ने उपस्थित बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऋण संबंधी मामलों में ग्राहकों को अधिकतम राहत देते हुए मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय श्री खलीकुज्जमा ने पारिवारिक विवादों को सुलह-समझौते के माध्यम से सुलझाने पर विशेष बल दिया।

परिवार न्यायालयों द्वारा कुल 67 मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी एवं अपर जिला जज रवि कुमार दिवाकर ने कहा कि लोक अदालत त्वरित और सुलभ न्याय प्रदान करने का सशक्त माध्यम है, जो विशेषकर समाज के कमजोर और वंचित वर्ग के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री सीताराम ने जानकारी दी कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 3,57,954 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। मोटर दुर्घटना दावा प्राधिकरण की पीठासीन अधिकारी आदेश नैन द्वारा 73 मामलों का निस्तारण करते हुए 6 करोड़ 35 लाख 13 हजार रुपये का प्रतिकर प्रदान किया गया। वहीं जनपद न्यायालय के विभिन्न न्यायालयों में 6,306 शमनीय फौजदारी एवं 47 दीवानी मामलों का निस्तारण हुआ।

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह का रिकॉर्ड, 1.80 लाख मामलों का हुआ निस्तारण

कैराना। नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के तत्वावधान में शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत जनपद में न्यायिक व्यवस्था की एक बड़ी सफलता बनकर सामने आई। लोक अदालत के सफल आयोजन पर जनपद न्यायाधीश इंदरप्रीत सिंह जोश ने न्यायिक अधिकारीगण, न्यायालय के समस्त कर्मचारी, प्रशासनिक अधिकारियों, जनपद की जनता तथा लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार में सहयोग देने वाले मीडिया कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सिविल न्यायालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जनपद न्यायाधीश ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से सुलह-समझौते के आधार पर लगभग एक लाख 80 हजार वादों का निस्तारण कराया गया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल न्यायालयों पर बढ़ते बोझ को कम करने में सहायक सिद्ध हुई है, बल्कि आमजन को शीघ्र और सस्ता न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में भी एक मजबूत कदम है। जनपद न्यायाधीश ने इसे जनपद की अब तक की सबसे सफल राष्ट्रीय लोक अदालतों में से एक बताया। लोक अदालत के दौरान कई वर्षों से लंबित पारिवारिक विवादों का भी सौहार्दपूर्ण समाधान कराया गया। इसी क्रम में वर्षों से आपसी मतभेदों के कारण अलग रह रहे तीन दंपत्ति जोड़ों के बीच आपसी सहमति से समझौता हुआ। इस भावुक और प्रेरणादायी क्षण पर जनपद न्यायाधीश इंदरप्रीत सिंह जोश ने तीनों दंपत्तियों को पुष्प भेंट कर बधाई दी और उनके सुखद, शांतिपूर्ण एवं उज्ज्वल दांपत्य जीवन की कामना की।

अब अवैध नशे के सौदागरों की खैर नहीं

योगी सरकार एएनटीएफ को करेगी और मजबूत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के युवाओं को नशे के आगोश में धकेलने वाले अवैध नशे के सौदागरों की अब खैर नहीं। योगी सरकार अवैध नशे के सौदागरों पर बड़ा एक्शन लेने जा रही है। इसके लिए योगी सरकार ने एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स (एएनटीएफ) को और मबजूत करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में एएनटीएफ में पुलिस कर्मियों को प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया गया है। इसके अलावा विभाग में नियतन के हिसाब से फोर्स भी कम है। ऐसे में योगी सरकार ने एएनटीएफ को और मजबूत करने के लिए रेग्युलर पुलिस कर्मियों की तैनाती और नियतन के अनुसार फोर्स उपब्लध कराने का निर्णय लिया है। इससे जहां एएनटीएफ को मजबूती मिलेगी, वहीं दूसरी ओर अवैध नशे के सौदागरों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आएगी।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि वर्तमान में एएनटीएफ में फोर्स को प्रतिनियुक्ति पर तैनात किया गया है। वहीं मानक के अनुरूप फोर्स भी नहीं है। इस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने उच्च अधिकारियों को एएनटीएफ में सभी पुलिसकर्मियों को रेग्युलर तैनाती के निर्देश दिये। साथ ही नियतन के अनुसार जल्द से जल्द फोर्स तैनात करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ड्रग माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए विभाग का गठन किया गया। ऐसे में उन्हे ड्रग माफियाओं की कमर तोड़ने के लिए फोर्स के साथ आधुनिक उपकरण तत्काल उपलब्ध कराएं जाएं।

आईजी ने बताया कि एएनटीएफ में पुलिस अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों की नियुक्ति का नियतन 386 है। इसमें राजपत्रित अधिकारी 15, मुख्यालय पर 59, 6 थानों पर 168, 8 यूनिट पर 144 पदों पर तैनाती का नियतन है।

वर्तमान में विभाग में 236 पदों पर तैनाती की गयी है जबकि 150 पद खाली हैं। सीएम योगी के निर्देश के बाद जल्द सभी खाली पदों पर तैनाती की जाएगी।

एएनटीएफ यूनिट पर 18 और थानों पर 28 पदों पर तैनाती का है नियतन

एएनटीएफ आईजी अब्दुल हमीद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अवैध नशे पर नकेल कसने और ड्रग माफियाओं के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के लिए वर्ष 2022 में एएनटीएफ का गठन किया था। इस दौरान 6 थाने और 8 यूनिट का गठन किया गया। इन थानों में 28 पुलिसकर्मियों की तैनाती का नियतन रखा गया। इसमें एक निरीक्षक, 4 उपनिरीक्षक, 3 कंप्यूटर ऑपरेटर, 3 मुख्य आरक्षी, 12 आरक्षी, 2 आरक्षी चालक और 3 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हैं। इसी तरह यूनिट में 18 पुलिस अधिकारियों समेत कर्मचारियों की तैनाती का नियतन रखा गया। इसमें एक पुलिस उपाधीक्षक, 1 निरीक्षक, 2 उप निरीक्षक, 1 कंप्यूटर ऑपरेटर, 2 मुख्य आरक्षी, 8 आरक्षी, 2 आरक्षी चालक, 2 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में उच्च अधिकारियों के साथ एएनटीएफ की समीक्षा बैठक की थी।

किसानों से हुई बाजरा खरीद, 421.39 करोड़ हुआ भुगतान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी आदित्यनाथ सरकार का अन्नदाता किसानों की 'आर्थिक समृद्धि' पर विशेष जोर है। योगी सरकार एक तरफ न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान बिक्री के लिए 4645 क्रय केंद्र स्थापित कर सभी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है तो वहीं दूसरी ओर डीबीटी के माध्यम से किसानों को सीधे अकाउंट में पैसे भी भेज रही है। आंकड़ों पर ध्यान दें तो 3.15 लाख से अधिक किसानों से 19.14 लाख मीट्रिक टन धान खरीद हो चुकी है। इसके एवज में किसानों को 4500 करोड़ से अधिक का भुगतान भी किया जा चुका है। यही नहीं, बाजरा बिक्री करने वाले 35 हजार से अधिक किसानों को 421.39 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश में 'श्रीअन्न' की खरीद पहली अक्टूबर से हो रही है। पहली अक्टूबर से पश्चिम उत्तर प्रदेश व पहली नवंबर से पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान खरीद हो रही है। खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ धान की बिक्री, किसानों को भुगतान, क्रय केंद्र की व्यवस्था आदि को लेकर निरंतर समीक्षा बैठक कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को समय से भुगतान करने का निर्देश दिया है। शनिवार दोपहर 12 बजे तक 3.15 लाख किसानों से 19.14 लाख मीट्रिक टन धान खरीद हो चुकी है। इस एवज में यूपी के किसानों को 4541.94 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। अब तक 4645 क्रय केंद्र भी स्थापित हो चुके हैं। वहीं 'श्रीअन्न' की बात करें तो बाजरा किसानों को 421.39 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है, पिछले वर्ष इस अवधि तक 187.98 करोड़ रुपये भुगतान हुआ था। सीएम योगी

पिछले सत्र से अधिक किसानों ने कराया पंजीकरण

योगी सरकार साल दर साल अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में 13 दिसंबर तक 6.70 लाख किसानों ने धान बिक्री के लिए पंजीकरण कराया था, जबकि 2025-26 में अब तक यह आंकड़ा 7.83 लाख से अधिक है। बाजरा बिक्री के लिए पिछले वर्ष इस अवधि तक 21630 किसानों का पंजीकरण हुआ था, जो इस वर्ष में 80 हजार से अधिक हो गया है। वहीं ज्वार व मक्का में भी पंजीकरण बढ़ गया। ज्वार बिक्री के लिए पिछले साल 12 हजार किसानों ने पंजीकरण कराया था, इस साल 16 हजार से अधिक किसानों का पंजीकरण हो चुका है। बाजरा खरीद 33 व ज्वार खरीद 11 जनपदों में हो रही है।

31 तक होगी 'श्रीअन्न' की खरीद

'श्रीअन्न' की खरीद पहली अक्टूबर से शुरू हुई थी, जो 31 दिसंबर तक चलेगी। श्रीअन्न के अंतर्गत बाजरा 33, मक्का 25 व ज्वार खरीद 11 जनपदों में हो रही है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में 31 जनवरी व पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 फरवरी तक धान खरीद होगी। धान (कॉमन) का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 व (ग्रेड ए) का 2389 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। ज्वार का न्यूनतम समर्थन मूल्य (मालदांडी) 3749, ज्वार (हाईब्रिड) 3699 रुपये प्रति कुंतल, बाजरा का 2775 व मक्का का 2400 रुपये प्रति कुंतल न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है।

17 जनपदों में उड़द खरीद के लिए खोले जा रहे 50 सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किसानों को बड़ी राहत

❖ भुगतान 3 दिन के भीतर सीधे खाते में : रजिस्ट्रेशन शुरु, जल्द एमएसपी पर की जाएगी खरीद

उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी है। प्रदेश के 17 जिलों में उड़द खरीद के लिए नेफेड के द्वारा 50 सेंटर खोले जा रहे हैं। यहां किसान अपना उत्पाद न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,800 प्रति क्विंटल पर बेच सकेंगे। इसके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है और खरीद जल्द ही आरंभ की जाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि किसान को उपज बेचने के तीन कार्य दिवसों के भीतर भुगतान सीधे बैंक खाते में हस्तांतरित हो जाए।

नेफेड की ओर से चलाई जा रही 'आत्मनिर्भर दाल योजना' के तहत किसानों से 29 जनवरी 2026 तक सीधी खरीद की व्यवस्था की गई है। इससे न सिर्फ उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित होगा, बल्कि बिचौलियों की भूमिका भी समाप्त होगी। नेफेड के राज्य प्रमुख रोहित जैमन ने बताया कि प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल के निर्देशन में पूरी प्रक्रिया को तेज, सरल और किसान-केन्द्रित तरीके से चलाया जा रहा है। जिससे प्रदेश का हर किसान इस योजना का हकदार बने। उड़द उत्पादन वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए ललितपुर, झांसी, महोबा, जालौन, हमीरपुर, बदायूं, बरेली, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रामपुर, संभल, बुलंदशहर, मुरादाबाद, सोनभद्र, सीतापुर, शाहजहांपुर में खरीद की तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसान-हितैषी नीति के तहत पूरी खरीद प्रक्रिया पारदर्शी बनाते हुए यह सुनिश्चित किया गया है कि किसान को उपज बेचने के तीन कार्य दिवसों के भीतर भुगतान सीधे बैंक खाते में हस्तांतरित हो जाए। सरकार का उद्देश्य है कि किसान को उसकी उपज की सही कीमत बिना देर और बिना परेशानी के मिले।

पंजीकरण अनिवार्य

- योजना का लाभ केवल पूर्व-पंजीकृत किसानों को दिया जाएगा। किसानी-Samridhi ऐप या निकटतम नेफेड केंद्र पर पंजीकरण करा सकते हैं।
- किसान हेल्पलाइन : 1800-210-1222
- धान खरीद (2025-26)
- योगी आदित्यनाथ सरकार का किसानों की 'आर्थिक समृद्धि' पर जोर
- धान किसानों को 4500 करोड़ से अधिक का भुगतान
- धान खरीद सत्र में पंजीकृत हुए 7.83 लाख से अधिक किसान
- 3.15 लाख से अधिक किसानों से हुई 19.14 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद
- धान बिक्री के लिए पूरे प्रदेश में स्थापित किए जा चुके हैं 4645 धान क्रय केंद्र

देश का संविधान सभी को बराबरी का हक देता है: अखिलेश

डिजिटल डिवाइड को लेकर सपा ने बड़े पैमाने पर काम किया

❖ हैदराबाद में विजन इंडिया एआई समिट में अखिलेश ने किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को हैदराबाद में विजन इंडिया एआई समिट को संबोधित किया। अखिलेश यादव ने कहा कि भारत को विकसित देश बनाना है तो डेमोग्राफिक डिविडेंड में आने वाली चुनौतियों पर विचार करना पड़ेगा।

स्टार्टअप का इको सिस्टम तैयार करना पड़ेगा। देश में सबसे बड़ी चुनौती गरीबी है। नौजवानों को नौकरी और रोजगार कैसे मिले इसके लिए कार्यक्रम और नीतियां बनानी पड़ेगी। भारत में अभी भी गांव की आबादी 70 फीसदी है। गांव के लोग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कैसे जुड़े, तकनीक का लाभ उन तक कैसे पहुंचे, यह बड़ी चुनौती है। एआई से पुलिसिंग में सुधार कर सकते है। अपराध की जांच में मदद हो सकती है। साइबर क्राइम को डिटेक्ट कर सकते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि देश का संविधान सभी को बराबरी का हक देता है। इस दिशा में सरकारों को काम करना पड़ेगा। आज डाटा सेंटर की बात होती है। इस पर विचार करने की जरूरत है कि डाटा सेंटर कैसे बने। डाटा सेंटर के लिए इस तरह की नीति बनाएं जिससे सबका साथ और सबका विकास एक साथ हो सके। समाज में पढ़ाई को लेकर बहुत भेदभाव है, वह कैसे दूर हो। इस बात पर विचार करना पड़ेगा कि स्वास्थ्य क्षेत्र, कृषि क्षेत्र और तेजी से बढ़ रहे शहरीकरण के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग किस तरह से हो, इस विषय पर भी काम होना चाहिए। श्री यादव ने कहा कि डिजिटल डिवाइड को लेकर सपा ने बड़े पैमाने पर काम किया। सपा की सरकार के दौरान यूपी में छात्र-छात्राओं को लाखों की संख्या में लैपटॉप बांटा गया था। हम यूपी में एचसीएल को लेकर आए। उन्हें आधारभूत ढांचा दिया पॉलिसी से जोड़ा। अखिलेश यादव ने इस अवसर पर आए विभिन्न क्षेत्रों के एक्सपर्ट का स्वागत करते हुए कहा कि यहां से जो भी सुझाव आएंगे उन्हें हम भविष्य में अपने कार्यक्रमों में शामिल करेंगे और उसके अनुसार कार्य करेंगे। अगर हम ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा को एआई जोड़ने में सफल हो गए तो बड़ा बदलाव आएगा। श्री यादव ने कहा कि हैदराबाद में सबसे पहले 108 एंबुलेंस शुरू हुई थी। हमने प्रोफेसर वेंकट को साथ लेकर यूपी में 108 एम्बुलेंस योजना की शुरूआत की। यूपी बड़ा स्टेट है। बड़ी आबादी का राज्य है। हमने यूपी में सबसे अच्छा 108 एंबुलेंस का ढांचा तैयार किया। उसके साथ-साथ पुलिस रिस्पांस सिस्टम डायल-100 तैयार कराया। प्रो वेंकट यूपी के अधिकारियों को न्यूयॉर्क लेकर गये। न्यूयार्क पुलिस की कार्य प्रणाली को देखकर उसके अनुसार यूपी डॉयल-100 का ढांचा तैयार किया गया। डेटा और तकनीक के साथ पुलिस का इतना बड़ा रिस्पांस सिस्टम कहीं नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि भविष्य में एआई का ऐसा सिस्टम बनाना पड़ेगा जिससे उसका अच्छा यूज हो। मिसयूज न हो। यह बड़ी चुनौती है। एआई कृषि क्षेत्र किसानों और खाद्य सुरक्षा में बड़ा योगदान दे सकता है।

चार शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जिले की महेशगंज थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति के आरोप में चार शिक्षकों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी वृजनंदन राय ने शनिवार को बताया कि थाना महेशगंज स्थित शांभवी संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चितामनपुर पटना की प्रबंधक कलावती पाण्डेय ने शुक्रवार को तहरीर दी कि विद्यालय के प्रधानाचार्य पद से 2021 में सेवानिवृत्त होने से पहले हरिश्चन्दर शुक्ला ने 2017 में प्रबंधक का फर्जी हस्ताक्षर कर कूटरचित दस्तावेज के सहारे अपने बेटे शक्ति प्रकाश और अपनी परिचितों नंदनी देवी एवं खुशबू की सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति की थी। कलावती ने आरोप लगाया कि सेवानिवृत्ति के बाद शुक्ला ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर अपने बेटे को 2021 में विद्यालय का प्रधानाचार्य बना दिया। राय ने बताया कि पुलिस तहरीर के आधार पर पूर्व प्रधानाचार्य हरिश्चन्दर शुक्ला, शक्ति प्रकाश, नंदनी देवी एवं खुशबू के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है।

विकसित उत्तर प्रदेश 2047

आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप इकोनोमिक ड्राइवर बनने की ओर

❖ उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से यहां 500 से अधिक स्टार्टअप लिख रहे सफलता की बड़ी कहानी

❖ आईआईटी कानपुर देश का इकलौता ऐसा इनक्यूबेटर सेंटर जो खुद एक मेंटर है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश, देश के एक बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम के रूप में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। इस दिशा में देश के सबसे प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों में शामिल आईआईटी कानपुर अपनी एक सशक्त भूमिका निभा रहा है। आईआईटी कानपुर अब केवल शिक्षा और रिसर्च तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह देश के आर्थिक भविष्य को दिशा देने वाला एक मजबूत स्टार्टअप हब बनकर उभर रहा है। यहां स्थित स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी) में इस समय 521 स्टार्टअप अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के साथ देश-प्रदेश के इकनोमिक ड्राईवर के रूप में अपनी सशक्त पहचान बना रहे हैं। साथ ही उत्तर प्रदेश को नवाचार की नई राजधानी के रूप में स्थापित करने का काम कर रहे हैं।

आईआईटी कानपुर में औद्योगिक एवं प्रबंधन इंजीनियरिंग विभाग एवं डिज़ाइन प्रोग्राम और एसआईआईसी के इंचार्ज प्रोफेसर दीपू फिलिप का कहना है कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार स्टार्टअप को लेकर बहुत कुछ कर रही है। आने वाले समय में यह प्रदेश स्टार्टअप का बड़ा केंद्र होगा।

आईआईटी कानपुर के स्टार्टअप इकोसिस्टम को उत्तर प्रदेश सरकार का सीधा और रणनीतिक सहयोग मिल रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार की स्टार्टअप फ्रेंडली नीतियों, आसान फंडिंग व्यवस्था और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते यहां इनोवेशन को तेज गति मिली है। सरकार और संस्थान की साझेदारी ने आईआईटी कानपुर को ऐसा प्लेटफॉर्म बना दिया है जहां आइडिया (विचार) सीधे इंडस्ट्री और बाजार से जुड़ रहा है।

खास बात यह है कि आईआईटी कानपुर के इनक्यूबेशन सेंटर में मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्शन से जुड़े स्टार्टअप्स को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप यहां सेमीकंडक्टर, एआई, हार्डवेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, डिफेंस प्रोडक्शन, ड्रोन, एग्री टेक, क्लीन एनर्जी, इन्टरनेट ऑफ़ थिंग्स (आईओटी) और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े आइडिया को बड़े बिजनेस का रूप दिया जा रहा है। कई स्टार्टअप आज हजारों करोड़ रुपये के बाजार को टारगेट कर रहे हैं और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा रहे हैं। आईआईटी कानपुर कैम्पस में स्थित ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग से संबंधित स्टार्टअप द्वारा निर्मित ड्रोन का उपयोग ऑपरेशन सिन्दूर में किया गया था। कोविड-19 के दौरान भी यहाँ के स्टार्टअप ने बड़ी भूमिका निभाई थी।

देश के किसी भी क्षेत्र के स्टार्टअप कर सकते है आवेदन

प्रोफेसर दीपू फिलिप बताते है कि आईआईटी कानपुर का इनक्यूबेटर किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। देश के किसी भी कोने से आने वाला स्टार्टअप यहां आवेदन कर सकता है। चयन पूरी तरह आइडिया की गुणवत्ता, तकनीकी क्षमता और बिजनेस संभावनाओं के आधार पर होता है। यही कारण है कि आईआईटी कानपुर का स्टार्टअप नेटवर्क आज राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान बना चुका है, लेकिन इसका सबसे बड़ा लाभ उत्तर प्रदेश को मिल रहा है।

खुद मेंटर की भूमिका निभाता है आईआईटी कानपुर

आईआईटी कानपुर आज देश का इकलौता ऐसा इनक्यूबेटर सेंटर है जो केवल स्टार्टअप को जगह और संसाधन ही नहीं देता, बल्कि खुद एक मेंटर की भूमिका निभाता है। प्रोफेसर दीपू फिलिप का कहना है कि यहां के स्टार्टअप को आगे बढाने के लिए एक फैकल्टी मेम्बर को मेंटर बनाया जाता है। स्टार्टअप को तकनीकी मार्गदर्शन, बिजनेस मॉडलिंग, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केट एक्सेस और निवेशकों से जुड़ने तक का पूरा इकोसिस्टम उपलब्ध कराया जाता है। यही वजह है कि यहां के स्टार्टअप शुरुआती चरण में ही मजबूत आधार के साथ आगे बढ़ते हैं।

सीएम योगी की नीतियों से महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर लगा अंकुश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मिशन शक्ति अभियान

योगी आदित्यनाथ सरकार ने महिला सुरक्षा को लेकर अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति के तहत त्वरित न्याय प्रणाली ने महिलाओं की सुरक्षा को नई ऊंचाई दी है। 2017 के बाद प्रदेश सरकार ने महिला सुरक्षा प्रतिक्रिया प्रणाली को लेकर कई अहम निर्णय लिए हैं। पुलिस द्वारा बेटियों और महिलाओं की शिकायतों का प्राथमिकताओं के आधार पर निस्तारण किया जा रहा है। महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की एडीजी, पद्मजा चौहान का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश भर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर समय-समय पर अभियान चलाये जाते हैं। इसी का परिणाम है कि साढ़े आठ वर्षों में महिलाओं से सम्बंधित अपराधों में काफी कमी दर्ज की गई है। मिशन शक्ति अभियान से महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक भी किया जाता है । इस अभियान ने महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन प्रदान किया है। इस अभियान के प्रति महिलाओं को जागरूक कर एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यशालाओं के माध्यम से यह अभियान महिलाओं के जीवन में परिवर्तन आ रहा है। इससे समावेशी एवं सशक्त समाज की स्थापना होगी। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया जाता है। इसके साथ ही उन्हें कानूनी धाराओं और महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी जाती है, जिसमें शामिल है वीमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930, अग्निशमन सेवा 101, आपातकालीन पुलिस सेवा 112 और 1076 शामिल है। यह अभियान 24 दिसंबर तक चलने वाला है।

मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत प्रदेश के कई जिलों में सक्रिय रूप से जागरूक अभियान चलाये जा रहे हैं। हेल्पलाइन सेवाओं, साइबर मॉनिटरिंग और डिजिटल ट्रैकिंग के माध्यम से सोशल मीडिया से जुड़े अपराधों, ऑनलाइन उत्पीड़न और फर्जी प्रोफाइल के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी नीति के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक नया मॉडल स्थापित किया।

मां के बगल में सो रही एक वर्षीय बच्ची को उठा ले गया भेड़िया, तलाश जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/बहराइच

बहराइच जिले की कैसरगंज तहसील अंतर्गत गोड़िहया नंबर चार गांव में एक भेड़िया घर में घुसकर मां के बगल में सो रही एक वर्षीय बच्ची को उठा लिया।

ड्रोन कैमरे की मदद से वन विभाग की कई टीम व ग्रामीणों ने पूरी रात तलाश की, लेकिन कोहरे की वजह से अभी तक ना तो बच्ची का कुछ पता चला और ना ही भेड़िया नजर आया है।

प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) राम सिंह यादव ने बताया कि नदी किनारे स्थित गोड़िहया नंबर चार गांव में रामकुमार की पत्नी अपनी बच्ची आरवी (01) के साथ घर के बरामदे में सो रही थीं। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार व शनिवार की दरमियानी रात में भेड़िया बच्ची को उठाकर ले गया। डीएफओ ने बताया कि ड्रोन कैमरे लगाकर रात से तलाश की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कोहरा अधिक होने के कारण ना तो बच्ची ना ही भेड़िए का कुछ पता लग सका है। सुबह कोहरा छंटने के बाद कुछ और टीम लगाकर तलाश में तेजी लाई गई है। डीएफओ ने कहा, ''नदी के किनारे व गन्ने के खेतों में हमारी कई टीम तलाश में जुटी हैं। टीम में प्रशिक्षित शूटर्स भी हैं। शीघ्र ही बच्ची को बचा लिया जाएगा और आवश्यकता पड़ी तो भेड़िये को गोली मार दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस गांव में पहले कभी भेड़िया के आने की सूचना नहीं मिली थी। डीएफओ ने कहा कि गांव से करीब आठ किलोमीटर दूर स्थित मल्लहनपुरवा गांव में बीती सात दिसंबर को भेड़िया ने चार माह के बच्चे को उठा लिया था। उन्होंने बताया कि बच्चे के कपड़े व सिर के अवशेष गन्ने के एक खेत में पाए गए थे। डीएफओ के मुताबिक, आठ किलोमीटर दूर मल्लहनपुरवा में 29 नवंबर से सात दिसम्बर तक भेड़िए के तीन हमले हो चुके हैं।

वन विभाग के अनुसार बहराइच जनपद के कुछ गांवों में नौ सितंबर से शुरू हुए भेड़ियों के हमलों से नौ बच्चों व एक बुजुर्ग दंपति सहित 11 लोगों की मौतें हो चुकी हैं तथा कम से कम 32 लोग घायल हुए हैं।

रोपवे स्टेशन का काम इस साल के अंत तक पूरा करने के निर्देश

वाराणसी। वाराणसी में रोपवे स्टेशन का निर्माण कार्य 31 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पूर्णा बोरा ने शनिवार को यह जानकारी दी। बोरा ने बताया कि वाराणसी स्टेशन से गोदौलिया तक बनाए जाने वाले रोपवे की कुल लंबाई 3.8 किलोमीटर होगी। उन्होंने बताया कि रोपवे के लिए कुल पांच स्टेशन और 29 टावर बनाए गए हैं। इस रोपवे परियोजना की कुल लागत 815.58 करोड़ रुपये है, जिसमें 25 साल का परिचालन और रखरखाव शामिल है। बोरा ने कहा कि रोपवे स्टेशन का निर्माण कार्य 31 दिसंबर से पहले पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि रोपवे परियोजना काशी के लिए ना केवल शहरी यातायात का एक अत्याधुनिक साधन होगी बल्कि पर्यटन, रोजगार एवं आर्थिक विकास का नया द्वार भी खोलेगी।

मनरेगा: रिकॉर्ड 48 लाख से अधिक परिवारों को मिला रोजगार

मनरेगा के जरिए मजबूत हुआ ग्रामीण रोजगार, योगी सरकार में बन रहे रिकॉर्ड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में रोजगार सृजन को लेकर सकारात्मक और ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 48 लाख से अधिक परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। इनमें 31 प्रतिशत से अधिक परिवार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं, जो सामाजिक समावेशन और समान अवसर की दिशा में योगी सरकार के प्रयासों और प्राथमिकता को दर्शाता है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के तहत 97 प्रतिशत से अधिक श्रमिकों को समय पर भुगतान किया जा चुका है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों में भरोसा बढ़ा है और श्रमिकों को उनकी मेहनत का पूरा और पारदर्शी लाभ मिल रहा है। योगी सरकार ने 6703 करोड़ रुपए की धनराशि व्यय की है, जिससे गांवों में आय के नए स्रोत तैयार हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में रोजगार सृजन का बेहतर माहौल बन रहा है। मनरेगा के जरिए गांवों में विकास कार्यों को गति मिल रही है और लाखों परिवार आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहे हैं। यह मॉडल उत्तर प्रदेश में समावेशी विकास और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर पेश कर रहा।

अनुसूचित जाति-जनजाति के परिवारों को मनरेगा में विशेष प्राथमिकता

योगी सरकार की प्राथमिकता है कि लोगों को रोजगार के साथ सम्मान भी मिले। इसी सोच के तहत अनुसूचित जाति-जनजाति के परिवारों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि पलायन पर भी प्रभावी रोक लगी है।

एक शर्त की वजह से बलि चढ़ा अमृता-शास्त्री का रिश्ता

80 के दशक की लव स्टोरी का हुआ था दुखद अंत

> 1983 में सनी देओल के अपोजिट फिल्म बेताब से एक्टिंग किया था डेब्यू।

पॉपुलर एक्ट्रेस अमृता सिंह का नाम 80 और 90 के दशक की उन अभिनेत्रियों में शुमार है जिनकी तगड़ी फैन फॉलोविंग थी। इंडस्ट्री से भी कई एक्टर्स उनके दीवाने हुआ करते थे। अमृता सिंह अपने जमाने की बोल्ड एक्ट्रेस थीं जो जिंदगी अपनी शर्तों पर जीती थीं। फरवरी 1958 में दिल्ली में जन्मी अमृता ग्लैमर और राजनीतिक जगत की कुछ बड़ी हस्तियों से जुड़ी हैं। उनके पिता एक सेना अधिकारी थे और उनकी मां संजय गांधी की पॉलिटिकल एसोसिएट थीं। वह दिवंगत लेखक खुशवंत सिंह की पोती और राजनेता उज्ज्वल सिंह की परपोती हैं। अमृता ने साल 1983 में सनी देओल के अपोजिट फिल्म बेताब से एक्टिंग डेब्यू किया था। इसके अलावा उन्होंने मर्द, साहेब, चमेली की शादी, नाम, खुदगर्ज, वारिस जैसी कई फिल्मों में काम किया। एक सक्सेफुल करियर के अलावा अमृता सिंह अपने रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में रहीं।

उन्होंने कई पॉपुलर सेलेब्स को डेट किया और उनके रिश्ते की कभी हैप्पी एडिंग नहीं हुई। इनमें से एक थे रवि शास्त्री। एक्ट्रेस और क्रिकेटर्स का रिश्ता कोई नई बात नहीं है। 80 के दशक में अमृता सिंह और रवि शास्त्री का रिश्ता खूब चर्चा में था। यहां तक कि उन्होंने सिने ब्लिट्ज पत्रिका के नवंबर 1986 के अंक में कवर पेज के लिए पोज भी दिया था, जिससे उनके अफेयर की अफवाहों को और हवा मिली। यह भी बताया गया कि दोनों लव बर्ड्स ने सगाई भी कर ली थी और बहुत जल्द शादी करने वाले थे।

बेहद शर्मीले थे रवि शास्त्री

रिपोर्ट के अनुसार, रवि शास्त्री और अमृता सिंह की पहली मुलाकात मुंबई के एक रेस्टोरेंट में हुई थी। एक इंटरव्यू में रवि शास्त्री ने स्वीकार किया था कि वो बेहद शमीर्ले इंसान थे और अमृता से मिलते समय वो शुरू में 10 मिनट तक बात ही नहीं कर पाए। तब अमृता ने ही बात करना शुरू किया। लेकिन फिर जब सब अच्छा-अच्छा चल रहा था तो फिर रिश्ता टूटा क्यों।

क्या थी शास्त्री की शर्त

दरअसल उस समय एक इंटरव्यू में रवि शास्त्री ने साफ कर दिया था कि वह किसी एक्ट्रेस को अपनी पत्नी नहीं बनाना चाहते। उन्होंने कहा था कि उनकी पार्टनर की पहली प्राथमिकता उसका घर होना चाहिए। उस वक्त अमृता अपने करियर के पीक पर थीं और सुपरहिट फिल्म दे रही थीं। उनके पास ऑफर्स की लाइफ थी। अमता ने यह कहते हुए विरोध जताया कि वह अपने प्रोफेशन से यूं ही दूर नहीं जा सकतीं। हालांकि, उन पर तंज कसते उन्होंने यह भी कहा था कि कुछ साल के बाद वह एक हाउसवाइफ बनकर जरूर रह सकती हैं और घर संभालने में ध्यान लगाएंगी।

जब तीन हीरो का रोल खा गया था अकेला खलनायक

हिंदी फिल्मों के इतिहास में कई ऐसी फिल्में हैं जो कारोबार के हिसाब से बेहद सफल नहीं हो सकीं, लेकिन कल्ट फिल्म के तौर पर याद की जाती हैं। ऐसी फिल्में अपने क्राफ्ट के कारण वर्षों बाद भी लोगों की जुबान पर होती हैं। 'जाने भी दो यारो', 'मेरा नाम जोकर' और 'लम्हे' कुछ ऐसी ही फिल्में हैं, जो आज भी बेहतरीन फिल्मों की सूची में शामिल हैं, लेकिन वो सफल फिल्मों की श्रेणी में नहीं आतीं। ऐसी ही एक और फिल्म है आज से 45 वर्ष पूर्व प्रदर्शित हुई 'शान'। फिल्म 'शोले' की सफलता के बाद रमेश सिप्पी एक शहरी और आधुनिक कहानी पर फिल्म बनाना चाहते थे। ऐसी फिल्म जिसमें नायक, नायिकाएं, खलनायक सभी शहरी हों और फिल्म का वातावरण भी आधुनिक लगे।

45 साल पुरानी फ्लॉप फिल्म आज बनी कल्ट

लेखक सलीम-जावेद की हिट जोड़ी उनके साथ थी। फिल्म 'शान' की कहानी तैयार हो गई, जिसमें इयान फ्लेमिंग के उपन्यासों और जेम्स बांड सीरीज की फिल्मों के खलनायक ब्लोफेल्ड पर आधारित एक खलचरित्र रचा गया। शाकाल नाम का ये पात्र गंजा है। 'शोले' की तरह ही इस फिल्म को मल्टीस्टारर बनाने की योजना बनी। रमेश सिप्पी चाहते थे कि फिल्म 'शोले' में काम करने वाले अभिनेता और अभिनेत्रियां फिल्म 'शान' में भी अलग -अलग भूमिका करें। शाकाल की भूमिका के लिए रमेश सिप्पी पहले संजीव कुमार को ही चाहते थे, लेकिन उनकी अन्यत्र व्यस्तता थी। धर्मेंद्र और हेमा मालिनी भी 'शान' फिल्म के लिए समय नहीं निकाल सके तो शशि कपूर और बिंदिया गोस्वामी को भूमिकाएं दी गईं। कुछ दिनों पहले धर्मेंद्र ने एक साक्षात्कार में कहा था कि वो चाहते थे कि फिल्म 'शान' में काम कर सकें, लेकिन उनके पास डेट्स नहीं थीं। जब 'शोले' बन रही थी, तब भी गब्बर सिंह के किरदार के लिए रमेश सिप्पी की पसंद संजीव कुमार थे। इस बात का उल्लेख कई पुस्तकों में मिलता है। फिल्म 'शोले' के प्रदर्शित होने के दो वर्ष बाद 'शान' का निर्माण आरंभ हो गया था। तीन वर्षों में ये फिल्म बनकर तैयार हुई। इस फिल्म पर निमार्ता ने काफी खर्च किया था।

फिल्म की आईकॉनिक स्टार कास्ट

करीब 45 वर्ष पूर्व एक द्वीप के अंदर तकनीक के तामझाम के साथ शूट करना कठिन था। कुलभूषण खरबंदा अभिनीत किरदार शाकाल जिस कुर्सी पर बैठता था, उसके सामने कई रंगों की जलती-बुझती बत्तियां और कई तरह के स्विच व लीवर एक शहरी खलनायक की ऐसी छवि

दर्शकों के समक्ष उपस्थित करते थे, जिसके मोहपाश में बंधने की संभावना थी। अमिताभ बच्चन, शत्रुघ्न सिन्हा, शशि कपूर, जीनत अमान, राखी जैसे कलाकार फिल्म को हिट कराने के लिए काफी थे। शाकाल के गुर्गों की भूमिका भी बेहतरीन अभिनेताओं को दी गई। शोले में सांभा की भूमिका निभाने वाले मैकमोहन शाकाल के साथी जगमोहन की भूमिका में थे।

फ्लॉप के बावजूद बनी कल्ट

शान जबरदस्त हिट तो नहीं हो सकी, लेकिन इसके क्राफ्ट ने इसको कल्ट फिल्म बना दिया। रमेश सिप्पी ने सलीम-जावेद के लिखे किरदार शाकाल को इस तरह से पर्दे पर गढ़ा कि उसका गंजापन और संवाद अदायगी दर्शकों को पसंद आई। कुलभूषण खरबंदा ने पर्दे पर शाकाल को जीवंत कर दिया। फिल्म के अंतिम दृश्य में जब उसको गोली लगती है तो वो कहता है कि मुझे मालूम है कि मैं मरने वाला हूं, लेकिन तुम लोग भी बचोगे नहीं। ऐसा कहने से पहले शाकाल एक हैंडल को नीचे की ओर झुका देता है, जिससे उसका ठिकाना धमाके में नष्ट हो जाए। कुलभूषण खरबंदा की संवाद अदायगी बढ़िया थी। इस फिल्म में एक गाना है यम्मा यम्मा। इसको आर. डी. बर्मन और मोहम्मद रफी ने साथ मिलकर गाया है। दोनों का साथ गाया यह एकमात्र गाना है।

25 साल पहले रही नेशनल क्रश

44 की उम्र में एक्ट्रेस की ब्यूटी के आगे फेल नई हसीनाएं

एक्ट्रेस ने साल 2000 में एक सुपरहिट फिल्म के साथ हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। लेकिन इससे पहले वह मॉडलिंग में भारत का नाम रोशन कर चुकी थी। बीते 25 साल से ये अदाकारा एक्टिंग की दुनिया में अपनी शानदार अदाकारी का लोहा मनवा रही है। इतना ही नहीं अपने वक्त में ये अभिनेत्री हिंदी सिनेमा की नेशनल क्रश मानी जाती थी। आलम ये है कि 44 साल की उम्र में इस एक्ट्रेस की ब्यूटी के आगे बी टाउन की नई हसीनाएं भी फेल हैं। हिंदी सिनेमा की जिस अदाकारा के बारे में इस लेख में जिक्र किया जा रहा है, उसने दो शादियां रचाई हैं। पहली शादी 5 साल चली और इससे उनको एक बेटी भी हुई। इसके बाद 2021 में इस हसीना ने दूसरी बार शादी की और उससे उनका एक बेटा है।

> पहली शादी 5 साल चली और इससे उनको एक बेटी भी हुई। इसके बाद 2021 में इस हसीना ने दूसरी बार शादी की और उससे उनका एक बेटा है। फिल्मों में कमाल की अदाकारी और बेबाक खूबसूरती के लिए इन्हें खूब जाना जाता है।

फिल्मों में कमाल की अदाकारी और बेबाक खूबसूरती के लिए इन्हें खूब जाना जाता है। चलिए आपका सस्पेंस खत्म करते हुए बता दें कि यहां बात अभिनेत्री दीया मिर्जा की जा रही है। अभिनेता आर माधवन की फिल्म रहना है तेरे दिल में से बॉलीवुड में एंट्री मारी। इससे पहले दीया ने मॉडलिंग करियर में खूब शोहरत हासिल की। वह साल 2000 में मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में दूसरी रनर-अप रहीं और फिर इसके तुरंत बाद मिस एशिया पैसिफिक इंटरनेशनल 2000 में उन्होंने जीत का परचम लहराकर देश का नाम रोशन किया। दीया मिर्जा की हॉटनेस और नेचुरल ब्यूटी का अंदाजा आप उनकी इन फोटो को देखकर आसानी से लगा सकते हैं। फैंस को दीया सादगी भरा काफी पसंद आता है और वे उनकी फोटोज पर बेशुमार प्यार बरसाते हैं।

शबाना आजमी ने दिखाई कॉलेज के दिनों की झलक

> शबाना आजमी जया बच्चन की एक्टिंग को देखकर इस कदर मंत्रमुग्ध हो गई थीं कि उन्होंने भी फिल्म में आने का फैसला ले लिया।

बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा शबाना आजमी ने अपने कॉलेज के दिनों की एक पुरानी तस्वीर शेयर की है। ये तस्वीर उन दिनों की है जब वो फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, पुणे में थीं और वहां उनका पहला साल था वहां। शबाना ने अपनी ये ब्लैक एंड वाइट तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है। बताया जाता है कि शबाना आजमी जया बच्चन (तब जया भादुड़ी) की एक्टिंग को देखकर इस कदर मंत्रमुग्ध हो गई थीं कि उन्होंने भी फिल्म में आने का फैसला ले लिया। हालांकि, पिता का भी सपोर्ट रहा और फाइनली उन्होंने एक्टिंग सीखने के लिए फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, पुणे में एडमिशन लिया।

शबाना ने इस तस्वीर को शेयर कर बस इतना ही लिखा है कि ये भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) के फर्स्ट इयर की है। इस तस्वीर को देखकर लोगों ने कहा है- तभी से एक्टिंग इनकी आखों से ही छलकती थी। कुछ ने इनोसेंट लुक कहा है तो किसी ने डेलिकेट और एलिगेंट भी कहा है उन्हें। बता दें कि आजमी का जन्म 18 सितंबर 1950 को हैदराबाद में हुआ था।

पिता कवि और गीतकार कैफी आजमी और रंगमंच कलाकार शौकत आजमी के घर हुआ था। शुरू में शबाना को उनके माता-पिता मुन्नी ही कहकर बुलाया करते थे। वहीं आजमी का बचपन उनके घर पर होने वाली अनगिनत महफिलों का गवाह रहा है जहां उनके माता-पिता के साथ बड़े-बड़े लोग उनकी कविताएं सुनने आया करते।

पिता भी निभाया करते थे बच्चों के देखभाल की जिम्मेदारी

जब उनकी मां पृथ्वी थिएटर के दौरे पर जाया करतीं तो उनके पिता कैफी आजमी उनकी और उनके भाई की देखभाल करते थे। वे शौकत को उनके नए नाटक या फिल्म के लिए तैयारी करने में भी मदद करते थे। उनका मानना था कि एक परिवार के रूप में यह उनका कर्तव्य है कि वो उनके (शौकत) लिए यह संभव बनाएं कि वे जितनी बार चाहें उतनी बार अपनी लाइनों का अभ्यास कर सकें।

माता-पिता के साथ मुशायरों में भी जातीं

अपने एक इंटरव्यू में शाबाना ने बताया था, 'मैं ध्यानमग्न होकर बैठ जाती, उन्हें आधा भी समझ नहीं पाती थी कि वे क्या पढ़ रहे हैं, लेकिन फिर भी उन्हें सुनने के लिए उत्साहित रहती थी। उनके खूबसूरत शब्द मेरे नन्हे कानों पर किसी संगीत की तरह पड़ते थे।' शबाना ने बताया था कि वह अपने माता-पिता के साथ मुशायरों में भी जाती थीं और साहिर लुधियानवी और अली सरदार जाफरी की नज्में सुनती थीं ।

गल्फ देशों में बैन धुरंधर का फैन हुआ पाकिस्तान

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर तारीफ-कमाई के साथ-साथ आलोचना भी झेल रही है। फिल्म को लेकर दुनियाभर में बवाल मचा हुआ है। कुछ देशों में तो इसे बैन भी कर दिया गया है। यहां तक कि फिल्म को 'एंटी-पाकिस्तानी मूवी' बताया जा रहा है। इस बीच पाकिस्तान ही फिल्म की तारीफ कर रहा है।

जी हां, 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई धुरंधर की तारीफ हो रही है, वो भी पाकिस्तान में। रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकारों से सजी फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से खूब सराहा जा रहा है। यहां तक कि पाकिस्तान में लोग इसकी सराहना कर रहे हैं। यहां तक कि पाकिस्तान फिल्म में दिखाए गए ल्यारी क्षेत्र को देख हैरान है। दरअसल, धुरंधर में दिखाया गया ल्यारी क्षेत्र को वास्तव में पंजाब के लुधियाना स्थित खेड़ा गांव में शूट किया गया है, लेकिन फिल्म देख लगता है कि यह असली ल्यारी क्षेत्र है। फिल्म में दिखाए गए ल्यारी क्षेत्र को देख पाकिस्तान हैरान है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा पंजीकृत कार्यालय 201-205, 208-210 द्वितीय मंजिल, प्रताप भवन, 5 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष : 01169342500, 46035729 से प्रकाशित तथा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. ए-8, सेक्टर 7, जिला गौतमबुद्धनगर- उत्तर प्रदेश, नोएडा 201, 301, फोन नंबर 0120-2470700 से मुद्रित। प्रधान संपादक डॉ. देवेन्द्र सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

अधिकांश खिलाड़ी किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी को तैयार हैं : तिलक

धर्मशाला। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में लचीलेपन पर जोर देने वाले टीम प्रबंधन से सहमति जताते हुए शनिवार को कहा कि अधिकांश खिलाड़ी मैच हालात को देखते हुए किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी के लिये तैयार हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी20 श्रृंखला फिलहाल 1.1 से बराबरी पर है । तीसरा मैच रविवार को यहां खेला जायेगा।अगले

साल होने वाले टी20 विश्व कप के मद्देनजर भारत मध्यक्रम में प्रयोग कर रहा है। तिलक ने कहा कि इस प्रारूप में हालात के अनुकूल ढलना सबसे अहम है। उन्होंने मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कांफ्रेंस में कहा,सलामी बल्लेबाजों को छोड़कर सभी किसी भी क्रम पर खेल सकते हैं। मैं तीसरे से छठे नंबर तक कहीं भी खेल सकता हूं, जहां टीम को मेरी जरूरत हो। उन्होंने कहा ,हर टीम को लगता है कि कोई फैसला रणनीति की दृष्टि से जरूरी है तो सभी उसके साथ होते हैं। तिलक ने कहा कि ऐसे फैसले हालात को देखकर लिये जाते हैं। उन्होंने कहा, एक मैच खराब हो सकता है। अक्षर पटेल ने यहां अच्छा प्रदर्शन किया। यह हालात पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि ठंडे मौसम के बावजूद धर्मशाला की पिच बल्लेबाजों की मददगार हो सकती है। उन्होंने कहा,मैं यहां पहले भारत के लिये अंडर 19 श्रृंखला खेल चुका हूं। हम विकेट को देख रहे हैं और लगता है कि काफी रन बनेंगे। शाम सात बजे शुरू होने वाले मैच में ओस की भूमिका के लिये टीम मानसिक तौर पर तैयार है।

ओडिशा मास्टर्सः हुड्डा और ईशारानी महिला फाइनल में

कटक। शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा और हमवतन ईशारानी बरुआ ने शनिवार को यहां ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर महिला एकल फाइनल में जगह बना ली।अठारह वर्षीय हुड्डा टूर्नामेंट के 2022 चरण और 2023 अबुधाबी मास्टर्स की विजेता रह चुकी हैं। उन्हें पूर्व जूनियर नंबर एक खिलाड़ी तसनीम मीर ने कड़ी चुनौती दी। लेकिन हुड्डा एक घंटे तक चले मुकाबले में 18-21, 21-16, 21-16 से जीत दर्ज करने में कामयाब रहीं।दूसरे सेमीफाइनल में असम की ईशारानी ने शानदार वापसी करते हुए तन्वी हेमंत को 18-21, 21-7, 21-7 से हराया। दूसरे वरीय किरण जॉर्ज और रौनक चौहान पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में जगह तय करने के लिए सेमीफाइनल में एक दूसरे से भिड़ेंगे।वहीं मिश्रित युगल सेमीफाइनल में भारत के एस कनापुरम और आर उथयसूरियन को इंडोनेशिया के देजान फर्डिनान्स्याह और बी वर्डाना की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 16-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

त्सिगानकोव के दो गोल से गिरोना ने रीयाल सोसिएदाद को 2-1 से हराया

मैड्रिड। यूक्रेन के स्ट्राइकर विक्टर त्सिगानकोव के आखिरी 15 मिनट में दो गोल की मदद से गिरोना ने स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग में रीयाल सोसिएदाद पर 2-1 से जीत हासिल की। यह 'ला लीगा' के मौजूदा सत्र में प्रतिद्वंद्वी टीम के मैदान पर गिरोना की पहली जीत है। गोंकालो गुएडेस ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले एक शानदार स्ट्राइक के साथ सोसिएदाद के लिए गोल किया, लेकिन त्सिगानकोव ने आठ मिनट के अंदर (76वें और 84वें मिनट) दो गोल के साथ गिरोना को रेलीगेशन जोन (20 टीमों की तालिका में आखिरी दो स्थान) से बाहर निकाल दिया। इस जीत से गिरोना की टीम तालिका में 17वें स्थान पर पहुंच गयी। सोसिएदाद 14वें पायदान पर है।

डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स पर आठ विकेट से हराया

दुबई। खुजैमा तनवीर के चार विकेट के बाद सैम कुरेन और मैक्स होल्डेन के बीच 77 गेंद में 123 रनों की अटूट साझेदारी से डेजर्ट वाइपर्स ने गल्फ जायंट्स को आठ विकेट से हराकर आईएलटी20 के मौजूदा सत्र में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। तनवीर ने 10 रन देकर चार विकेट लिये, जो आईएलटी20 के इतिहास में यूएई के किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वह इसके साथ ही इस लीग के पावरप्ले में चार विकेट लेने वाले अपने देश के पहले गेंदबाज भी बन गये। गल्फ जायंट्स की टीम खराब शुरुआत के बावजूद सात विकेट पर 157 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रही। लक्ष्य का पीछा करते हुए वाइपर्स ने दूसरे ओवर में क्रिस वुड की गेंद पर फखर जमां (आठ गेंद में 14 रन) और फिर चौथे ओवर में हसन नवाज (नौ गेंद में सात रन) का विकेट गंवा दिया। नवाज रन आउट हुए। कुरेन और होल्डेन ने इसके बाद आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 19 गेंद शेष रहते आसान जीत दिला दी। कुरेन ने 43 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 67 रन की पारी खेली जबकि होल्डेन ने 41 गेंद में नाबाद 64 रन बनाये। इससे पहले नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के आये लियाम डॉसन ने 14 गेंद में तीन चौके और इतने ही छक्के की मदद से नाबाद 38 रन की पारी खेली जिससे गल्फ जायंट्स की टीम 157 रन तक पहुंचने में सफल रही।

राष्ट्रीय निशानेबाजी : ओलंपियन रेइजा ढिल्लों को स्कीट में दो स्वर्ण

नईदिल्ली। पेरिस ओलंपिक खेल चुकी रेइजा ढिल्लों ने राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप में महिलाओं के सीनियर और जूनियर दोनों वर्गों में स्कीट में स्वर्ण पदक जीता। 21 वर्ष की इस निशानेबाज ने महिलाओं के फाइनल में 56 स्कोर करके यशस्वी राठौड़ को हराया जिसने 55 अंक के साथ रजत पदक जीता ।ओलंपियन गनीमत सेखों को कांस्य पदक मिला। इससे पहले क्वलीफिकेशन में यशस्वी ने 118 अंक लेकर शीर्ष स्थान पाया था जबकि गनीमत और रेइजा के 116 अंक थे। शूटआफ में रेइजा दूसरे और गनीमत तीसरे स्थान पर रही। महिला टीम वर्ग में राजस्थान को स्वर्ण पदक मिला। यशस्वी दर्शना और ओलंपियन माहेश्वरी चौहान ने 343 अंक लेकर पहला स्थान हासिल किया। मध्यप्रदेश दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर रहा। जूनियर वर्ग में रेइजा को स्वर्ण, वंशिका तिवारी को रजत और मानसी रघुवंशी को कांस्य पदक मिला। जूनियर टीम वर्ग में मध्यप्रदेश पहले, राजस्थान दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर रहा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरा टी20 आज रात 7 बजे से,सीरीज 1-1 की बराबरी पर

गिल की बल्लेबाजी पर होंगी नजरें

एजेंसी। धर्मशाला

भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो सब की निगाहें शुभमन गिल की बल्लेबाजी पर होगी जो इस प्रारूप में खुद को साबित कर चुके संजू सैमसन की जगह लेने के बाद अपने प्रदर्शन से प्रभावित करने में नाकाम रहे है।गिल को श्रृंखला के बाकी बचे तीनों मैचों में एकादश में जगह मिलना लगभग तय है लेकिन उनके लिए चीजें आसान नहीं है। टी20 विश्व कप अब सिर्फ छह सप्ताह दूर है और यह सलामी बल्लेबाज इन मैचों में अगर लय हासिल करने में विफल रहा तो टीम दूसरी योजना पर काम करने का मन बना सकती है। धर्मशाला में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का पूर्वानुमान है और बर्फ से ढकी धौलाधार पर्वतमाला की पृष्ठभूमि में खेले जाने वाले मुकाबले से पहले भारतीय ड्रेसिंग रूम के भीतर माहौल गर्म होगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव की लंबे समय से चली आ रही खराब लय पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि उपकप्तान गिल अब तक भरोसा जगाने में नाकाम रहे हैं।

तीसरे टी20 मैच से पूर्व अभ्यास में जुटे शुभमन गिल

संजू सैमसन जैसे स्थापित सलामी बल्लेबाज की कीमत पर टीम में शामिल किए गए गिल प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करते नजर आए हैं। एनरिच नॉर्किया, मार्को यानसन, लुंगी एनगिडी, ओटनील बार्टमैन और लुथो सिपामला जैसे गेंदबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीकी टीम की तेज गेंदबाजी आक्रमण पहले ही दिखा चुकी है कि भारतीय परिस्थितियों का कैसे फायदा उठाया जाए। धर्मशाला में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल होगी। दुनिया भर की मौजूदा टी20 टीमों को देखे तो दक्षिण अफ्रीका इस बार उपमहाद्वीप में खिताब जीतने के लिए काफी मजबूत और संतुलित नजर आ रहा है। टीम ने श्रृंखला के शुरुआती मैच में बड़ी हार का सामना करने के बाद दूसरे मैच में दमदार वापसी कर भारत को हर विभाग में पछाड़ दिया। श्रृंखला अब 1-1 से बराबरी पर है। क्विंटन डिकॉक की वापसी और उनके साथ कप्तान एडन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, डोनोवन फरेरा, डेविड मिलर और हरफनमौला यानसन की मौजूदगी ने उनकी बल्लेबाजी को बेहद खतरनाक बना दिया है।विश्व कप से पहले अब भारत के पास सिर्फ आठ मैच बचे हैं। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने कठिन चुनौतियां हैं। खराब फॉर्म से जूझ रहे शीर्ष क्रम के दो बल्लेबाजों को एक साथ खिलाना शायद टीम के लिए जोखिम भरा साबित हो सकता है।

बड़े लक्ष्य का पीछा करते बल्लेबाजों में भूमिका की कमी दिखी: उथप्पा

एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय भारत की बल्लेबाजी रणनीति में भूमिका को लेकर स्पष्टता की कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पारी की शुरुआत में अत्यधिक लचीलेपन के कारण रन बनाना मुश्किल हो जाता है। भारतीय टीम बृहस्पतिवार को मुल्लनपुर में खेले गए दूसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.1 ओवर में 162 रन पर आउट हो गयी। इस 51 रन की हार के साथ पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गयी।

उथप्पा ने कहा कि समस्या शुरुआती विकेट गिरने की नहीं थी, बल्कि शुभमन गिल के आउट होने के बाद अपनाई गई रणनीति की थी। भारत के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है लेकिन टीम ने उसका इस्तेमाल अच्छे से नहीं किया। उन्हों 'जियो हॉटस्टार' पर कहा,शुभमन गिल आउट हुए तो अक्षर पटेल बल्लेबाजी करने आए। उस समय उन्हें एक ऐसे बल्लेबाज की भूमिका निभानी थी जो जोखिम उठाकर बल्लेबाजी करें और तेजी से रन बनाकरे अभिषेक शर्मा पर से दबाव कम कर सके। उथप्पा का मानना था कि अक्षर की धीमी गति से खेली गई 21 रनों की पारी दबाव कम करने में विफल रही, जिससे उनके आसपास विकेट गिरने लगे और रणनीति में बदलाव करना पड़ा। इससे लक्ष्य का पीछा करना और धीमा हो गया। उन्होंने कहा,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्लेबाजों को अपनी भूमिकाओं और पारी को आगे बढ़ाने के तरीके के बारे में स्पष्ट जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा,पहले छह से आठ ओवरों के बाद बल्लेबाजों की रणनीति में लचीलापन ठीक है, लेकिन बड़े स्कोर का पीछा करने से पहले एक मजबूत नींव की जरूरत होती है। बिना मजबूत आधार के गगनचुंबी इमारत नहीं खड़ी की जा सकती।उन्होंने कहा,खिलाड़ियों से एक ही मैच में कई भूमिकाएं निभाने की उम्मीद करना चीजों को जटिल बना देता है और भारत यहीं चूक कर रहा है।

सौरव के शतक से रूद्रांश क्लब की 135 रन की शानदार जीत

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

मैन ऑफ द मैच सौरव (103 रन, 101 गेंद, 14 चौके) की शानदार शतकीय पारी की बदौलत 21वीं बीबीडी सी डिवीजन क्रिकेट लीग में रूद्रांश क्रिकेट क्लब ने गुजराल क्रिकेट क्लब को 135 रनों से करारी शिकस्त दी।

जीजीएस स्पोर्ट्स कॉलेज मैदान पर खेले गए मुकाबले में रूद्रांश क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 290 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज गौरव चौहान (8) और शौर्य भट्ट (9) जल्दी आउट हो गए, लेकिन इसके बाद क्रीज पर उतरे विकास यादव और सौरव ने पारी को मजबूती दी। दोनों के बीच दमदार साझेदारी हुई। विकास यादव ने 54 गेंदों में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 68 रन बनाए,जबकि दूसरे छोर पर सौरव ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए 101 गेंदों में 14 चौकों की मदद से 103 रन की शानदार शतकीय पारी खेली।

मैन ऑफ द मैच सौरव (103 रन, 101 गेंद, 14 चौके)।

इसके अलावा दिव्यांशु स्वरूप ने 24 और शौर्य प्रताप सिंह ने 38 रन का योगदान दिया। गुजराल क्रिकेट क्लब की ओर से तुषार राजदूत और अंशुमन मिश्रा ने दो-दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजराल की टीम रूद्रांश के गेंदबाजों के आगे टिक नहीं सकी और 40 ओवर में नौ विकेट पर 155 रन ही बना पाई। राज द्विवेदी (14), एके रंजन (34) और देवराज बघेल (35) ही कुछ देर टिक सके। रूद्रांश क्लब से आदित्य यादव, अशु गुप्ता और सत्यम सिंह ने दो-दो विकेट लेकर टीम की जीत को आसान बना दिया।

हिमाचल,हैदराबाद व झारखंड की जीत से शुरुआत

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

वीमेंस अंडर-19 वनडे ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी

वीमेंस अंडर-19 वनडे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप-सी के मुकाबलों में शनिवार को झारखंड, हैदराबाद और हिमाचल प्रदेश ने जीत के साथ अपने अभियान की शानदार शुरूआत की। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम के बी ग्राउंड पर खेले गए मैच में झारखंड ने जम्मू एंड कश्मीर को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। वहीं,जीसीआरजी ग्राउंड पर हैदराबाद ने मुंबई को छह विकेट से मात दी। स्पोर्ट्स गैलेक्सी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने चंडीगढ़ को 106 रनों के बड़े अंतर से हराया।

अहाना के शतक हिमाचल प्रदेश ने चंडीगढ़ 106 रनों से रौंदा:हिमाचल प्रदेश को चंडीगढ़ को हराने के लिए अधिक मेहनत नही करनी पड़ी। हिमाचल प्रदेश ने 50 ओवर में पांच विकेट खोकर 291 रनों का स्कोर बनाया। जवाब में चंडीगढ़ की टीम 185 रनों के योग पर सिमट गई। हिमांचल प्रदेश की ओर से अहाना शर्मा ने विस्फोटक बल्लेबाजी की और 80 गेंदों में 18 चौके और चार छक्के की बदौलत 120 रन बनाये। पल्लवी ठाकुर ने तीन और अहाना ने दो विकेट लेकर चंडीगढ़ को सस्ते में समेट दिया।

हैदराबाद ने मुंबई को छह विकेट से दी मात :हैदराबाद और मुंबई के बीच खेला गया मुकाबला भी एकतरफा रहा। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई को हैदराबाद के गेंदबाजों ने 94 रनों के योग पर रोक दिया। मुंबई की जीया ने सबसे अधिक 38 रन बनाये। हैदराबाद की ओर से जैजमिन गिल ने 10 ओवर में पांच मेडन और 19 रन देकर तीन विकेट चटकाये। जवाब में हैदराबाद ने चार विकेट खोकर 16वें ओवर में जीत हासिल कर ली।

झारखंड ने जम्मू-कश्मीर को नौ विकेट से हराया :लीग के अन्य मुकाबले में झारखंड के 118 रनों के जवाब में झारखंड ने मात्र एक विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। झारखंड की ओर से कुमारी पलक ने तीन और भूमिका ने दो विकेट चटकाये। आरुषी ने नाबाद अर्धशतक जड़ा और गुरुलीन कौर ने नाबाद 49 रनों की पारी खेली।

तमिलनाडु, असम के खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण पदक

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

माध्यमिक शिक्षा विभाग की देखरेख में अंडर-17 आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं की 69वीं राष्ट्रीय स्कूली एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारंभ शनिवार को कुर्सी रोड स्थित गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के एथलेटिक्स स्टेडियम में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि कृषि उत्पादन आयुक्त एवं एसजीएफआई के अध्यक्ष दीपक कुमार ने ध्वजारोहण कर किया। इस अवसर पर प्रतिभागी टीमों ने मार्च पास्ट कर मुख्य अतिथि को सलामी दी।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर मुख्य सचिव माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा तथा खेल सचिव सुहास एलवाई उपस्थित रहे।

मीडिया कॉर्डिनेटर डॉ. दिनेश कुमार के अनुसार पहले दिन बालक एवं बालिका वर्ग में 3000 मीटर, 100 मीटर और 800 मीटर दौड़ के साथ शॉटपुट के प्रथम चरण एवं क्वालिफिकेशन राउंड आयोजित किए गए। कुछ स्पधाओं के फाइनल मुकाबले भी खेले गए। पहले दिन की प्रतियोगिताओं में तमिलनाडु और असम के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, कर्नाटक और

ऊंची कूद प्रतियोगिता में जंप लगाती एथलीट।

उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने रजत, जबकि दिल्ली और केरल के खिलाड़ियों ने कांस्य पदक जीते। पूर्व खेल निदेशक विजय सिंह चौहान ने विजेता खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया। उद्घाटन समारोह में शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) डॉ. महेंद्र देव, सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद भगवती सिंह, निदेशक एससीईआरटी गणेश कुमार, संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मंडल डॉ. प्रदीप कुमार, अपर राज्य परियोजना निदेशक वीके पांडेय, उप शिक्षा निदेशक लखनऊ मंडल रेखा दिवाकर, वरिष्ठ विशेषज्ञ समग्र शिक्षा (माध्यमिक) मुकेश कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक समग्र शिक्षा राजकुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ राकेश कुमार तथा स्पोर्ट्स कॉलेज के प्राचार्य अतुल सिन्हा मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मनः इससे पहले खेल सद्भावना बनाए रखने को प्रतीक मशाल को मुख्य अतिथि के साथ ही राष्ट्रीय पदक विजेता खुशी कुमारी, ऋषभ तोमर एवं काजल ने प्रज्वलित किया। स्पोर्ट्स कॉलेज के राष्ट्रीय पदक विजेता अतुल यादव ने खिलाड़ियों को खेल शपथ दिलाई। इसके बाद बाल निकुंज इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने विकसित भारत स्वर्णिम भारत, श्री राम एकेडमी इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने खेल थीम एवं पायनियर मोंटेसरी इंटर स्कूल ने मोटिवेशनल थीम पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दी। प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को लखनऊ और आसपास के पर्यटन स्थलों के भ्रमण की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अपर मुख्य सचिव माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि विभिन्न प्रांतो से आए हुए सभी प्रतिभागी लखनऊ की खूबसूरती का लुत्फ उठाएं और खेल भावना को बनाएं रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का जीत से आगाज

पायनियर संवाददाता। लखनऊ

कप्तान मयूर शुक्ला (4 विकेट, 49 रन) के आलराउंड प्रदर्शन से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एकादश ने एसबीआई कप लखनऊ मीडिया प्रीमियर लीग (एलएमपीएल) 2025 के उद्घाटन मैच में हिंदुस्तान टाइम्स को 6 विकेट से हराकर विजयी शुरूआत की। लखनऊ स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन (एलएसजेए) के तत्वावधान में आयोजित लीग में दूसरे मैच में एलएसजेए एकादश ने मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश को 75 रन से शिकस्त दी।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर शुरू हुई लीग का उद्घाटन मुख्य अतिथि एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष पीयूष सिंह चौहान ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत एलएसएजेए के सचिव एसएम अरशद ने किया। पहले मैच में पिछली विजेता इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एकादश ने हिंदुस्तान टाइम्स को

मीडिया लीग के उद्घाटन के बाद खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते मुख्य अतिथि एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के उपाध्यक्ष पीयूष सिंह चौहान

6 विकेट से पराजित किया। हिंदुस्तान टाइम्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 123 रन बनाए। जवाब में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एकादश ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.3 ओवर में 4 विकेट पर 125 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस मैच में उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्यमंत्री व पूर्व रणजी क्रिकेटर मोहसिन रजा और आज समाचार पत्र के संपादक हरिंदर सिंह साहनी ने मयूर शुक्ला को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया।

एलएसजेए ने मान्यता प्राप्त को 75 रन से हराया : दूसरे मैच में एलएसजेए एकादश ने मैन ऑफ द मैच नदीम खान (4 विकेट) की गेंदबाजी से मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश को 75 रन से हराया। एलएसजेए एकादश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 118 रन बनाए। जवाब में मान्यता प्राप्त पत्रकार एकादश 10.4 ओवर में 43 रन ही बना सका।

मेस्सी के खुमार में कोलकाता,आधी रात को स्वागत को पहुंचे हजारों प्रशंसक

एजेंसी। कोलकाता

दिसंबर की सर्दी के बावजूद हजारों की संख्या में प्रशंसक आधी रात को अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियानेल मेस्सी का स्वागत करने पहुंचे जो भारत में तीन दिन के भीतर चार शहरों के 'जीओएटी भारत दौरा 2025' के लिये यहां पहुंचे। बार्सीलोना के सुपरस्टार मेस्सी शनिवार को तड़के दो बजकर 26 मिनट पर यहां पहुंच गए और अपने फुटबॉल प्रेम के लिये मशहूर पूरा शहर मेस्सी के खुमार में डूब गया है। अंतरराष्ट्रीय आगमन द्वार पर उनके नाम की गूंज, अर्जेंटीना के झंडे और फोन की फ्लैश लाइट देखी जा सकती थी।

प्रशंसक एक दरवाजे से दूसरे दरवाजे के बीच दौड़ते रहे ताकि अपने पसंदीदा खिलाड़ी की एक झलक पा सकें। कइयों ने बच्चों को कंधों पर उठा रखा था। भारी सुरक्षा के बीच मेस्सी वीआईपी गेट से बाहर निकल गए। एक बड़े काफिले के साथ वह होटल तक पहुंचे जहां भी सैकड़ों प्रशंसक मौजूद थे। जगह जगह बैरीकेड लगाये हुए थे और भारी तादाद में पुलिस बल भी तैनात था । मेस्सी के साथ लंबे समय से उनके साथी स्ट्राइकर रहे

लुई सुआरेज और अर्जेंटीना के साथी रौद्रिगो डि पॉल भी पहुंचे हैं। वह अगले 72 घंटे में कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली जायेंगे जहां मुख्यमंत्रियों, कारपोरेट दिग्गजों, बॉलीवुड कलाकारों और सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलेंगे। देर रात तक जागने के बावजूद कई प्रशंसकों को निराशा हाथ लगी क्योंकि वे मेस्सी की झलक नहीं देख सके। भारी सुरक्षा के बीच मेस्सी को हवाई अड्डे से निकाला गया और वह रात साढे तीन बजे पीछे के दरवाजे से होटल पहुंचे। इससे होटल के मुख्य द्वारा पर जमा सैकड़ों प्रशंसकों को मायूसी ही मिली। हवाई अड्डे पर स्टाफ ही अर्जेंटीना के इस सुपरस्टार को देख सका जब वह निजी गल्फस्ट्रीम वी से उतरे। सफेद टी शर्ट के ऊपर काला सूट पहने मेस्सी को सीधे वहां से सुरक्षा घेरे में ले जाया गया। हयात रीजेंसी होटल की लॉबी में प्रशंसक गलियारे में दौड़ते दिखे । देर रात से तड़के तक 'मेस्सी मेस्सी' का शोर गूंजता रहा। होटल की लॉबी अर्जेंटीना फैन क्लब की तरह लग रही थी जिसके आसमानी जर्सी, स्कार्फ और झंडे ही नजर आ रहे थे। दुधमुंहे बच्चों को सीने से लगाये मां, छोटे बच्चे और उम्रदराज प्रशंसक लॉबी में सोफे पर बैठे हुए थे। मेस्सी कमरा नंबर 730 में गए और पूरा सातवां फ्लोर उनके लिये आरक्षित कर दिया गया था । भारी सुरक्षा के बीच कुछ प्रशंसक होटल में कमरा बुक करने में कामयाब रहे ताकि मेस्सी के करीब रह सकें। न्यू अलीपुर से एक परिवार एक दिन पहले ही होटल में आ गया था ताकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो का प्रशंसक उनका बेटा कृष गुप्ता मेस्सी को देख सके। बिड़ला हाई स्कूल में नौवी कक्षा के छात्र कृष ने कहा ,मैं रोनाल्डो का प्रशंसक हूं। तो क्या हुआ। उसका सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी मेरे शहर में है और मैं यह मौका चूक नहीं सकता। वह अपनी मां और बड़ी बहन के साथ कॉफी शॉप के आसपास घूमता रहा। इस दौरे के प्रमोटर सताद्रू दत्ता ने हवाई अड्डे पर मेस्सी की अगवानी की। उन्होंने पत्रकारों से कहा ,2011 में वह कप्तान बनने के बाद आये थे और आज विश्व कप और आठ बलोन डि ओर पुरस्कार जीतने के बाद आये हैं। यह बहुत खास है ।

मेस्सी ने नबी और दिपेंदु की जर्सी पर दिये आटोग्राफ

कोलकाता। लियोनेल मेस्सी का जीओएटी दौरा साल्ट लेक स्टेडियम पर अफरा तफरी और अराजकता के बीच शुरू हुआ लेकिन भारत के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ियों दिपेंदु विश्वास और सैयद रहीम नबी के लिये यह दिन यादगार बन गया। डायमंड हार्बर मेस्सी एकादश के खिलाफ मोहन बागान मेस्सी एकादश के लिये नुमाइशी मैच खेलने वाले विश्वास ने कहा कि मेस्सी ने मेरी जर्सी के बायीं ओर, सुआरेज ने दाई ओर और रौड्रिगो डि पॉल ने बीच में आटोग्राफ दिये। मेस्सी से दस साल बड़े विश्वास ने कहा ,वह मुस्कुरा रहे थे। उसका चमत्कारिक बायां पैर छूने का मौका मिलना वरदान से कम नहीं था। इससे पहले डिएगो माराडोना और पेले से जर्सी पर आटोग्राफ ले चुके विश्वास ने कहा कि विश्व चैम्पियन टीम का कप्तान, इतना बड़ा खिलाड़ी। ऐसा मौका जीवन में एक बार मिलता है। वह जितनी देर मैदान पर थे, मुस्कुराते रहे। मैदान पर हुई अफरा तफरी के बारे में उन्होंने कहा कि मैने इतने साल फुटबॉल खेली है। माराडोना और पेले भी यहां आये लेकिन दर्शकों को ऐसा बर्ताव करते कभी नहीं देखा। मेरा मानना है कि मेस्सी को खुली जीप में लाना चाहिये था, जैसे माराडोना को लाया गया था।

पायनियर द्वारा गाजियाबाद के होटल रैडिसन ब्लू में ''कैकेयी के राम'' के विमोचन की झलकियां

अयोध्या के राम से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम तक

डॉ. देवेंद्र सिंह
प्रधान संपादक

राज पथ से विमुख होकर राम के वन पथ गमन के पीछे माता कैकेयी के मंतव्य को समझने और समझाने की कृति है कैकेयी के राम। इसमें राम से मर्यादा पुरुषोत्तम राम होने की कथा है और एक मां के मार्मिक ममतत्व की व्यथा भी। सदियों से माता कैकेयी को लेकर चल रही सामाजिक सोच की असल सच्चाई को सार्थक ढंग से परिभाषित करने की यह पोथी हम सबके राम के भगवान श्रीराम होने के हर प्रसंग को सलीके से दर्शाने की एक अहम कोशिश है। यह बताने की भी पहल है कि पीढ़ियों बाद सूर्यवंश में राम के अवतरित होने का महत्व क्या है और सृष्टि से सृजित इस दैवीय रचना के वास्तविक रचनाकार कौन हैं। अब इस कृति के आकार लेने के पहलू को भी समझना होगा। बाल्मीकि रामायण से उपजी अवधारणा से रूपांतरित यह रचना बताती है कि राम कोई चमत्कार दिखाने नहीं आए थे, राम पुरुषार्थ के लिए आए थे और जो कुछ उन्होंने संसार के समक्ष रखा यह सब उनके पुरुषार्थ का प्रतिफल था।

डॉ रहीस सिंह की पुस्तक कैकई के राम मझली माँ कैकेयी के कारण दशरथ कुमार कैसे मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम बने कथा का सार तत्व है। यह एक औपन्यासिक कृति है जिसके केन्द्र में अहम सवाल भी है कि इस यात्रा की पाथेय राम की मझली माँ कैकेयी थीं और ऐसा नहीं कि राम इससे अनभिज्ञ थे। राम को इस कहानी की पूरी पटकथा ज्ञात थी। लेकिन सांसारिक सोच इसके विपरीत रही और बनी हुई है। कैकेयी के राम इस भेद को भेदने की एक सफल कोशिश है। वैसे तो सबके अपने-अपने राम हैं और सबकी अपनी-अपनी व्याख्या भी। यह भी सच है कि राम कथा के विभिन्न पात्रों को लेकर भी अलग-अलग दृष्टिकोण रहे हैं। आज के युग में भी यह कार्य अनवरत जारी है। कुल मिलाकर इस कृति के जरिए आम जनमानस में कैकेई की नकारात्मक छवि को नूतन दृष्टि देने का प्रयास हुआ है। लोकमानस में धारणा है कि कैकई ने मंथरा के उकसाने पर ही अपने पुत्र भरत को राजपाट दिलाने के लिए राम को वन प्रवास दिलाया।

भरत को भी अपनी माता कैकेई का यह कृत्य इस कदर अखरा कि उनका भरोसा मां की ममता से उठ गया। जबकि सच्चाई यही है कि राम ने मझली मां को सदैव अपना शुभचिंतक और पथ प्रदर्शक ही माना। बावजूद इसके समाज ने प्रथम दृष्टया राम के वनवास के लिए कैकेयी को ही दोषी माना। कैकेयी के राम की कहानी युगों से समाज में चली आ रही कैकेई के प्रति पारंपरिक धारणा की परिभाषा को नए सिरे से परिभाषित करने की एक सार्थक परिकल्पना है।

'कैकेई के राम' वन के हैं, राजघराने के नहीं। इसीलिए वनवासियों और गिरिवासियों के लिए उनके मन में अगाध प्रेम और सम्मान है। जब लक्ष्मण राम से प्रश्न करते हैं कि वह सामान्य वनवासी शबरी की कुटिया में क्यों जाना चाहते हैं, तो राम इस प्रश्न का वह उत्तर देते हैं जो आज के समय में भी प्रासंगिक है। लक्ष्मण से राम कहते हैं,किसी भी व्यक्ति की महत्ता और उपादेयता इस बात पर निर्भर नहीं होती कि वह झोपड़ी में रहता है अथवा राजमहल में, वह वन में रहता है अथवा किसी विशाल नगर में, वह पर्वतों पर रहता है अथवा घाटियों में, उसकी महत्ता तो 'मनसा, वाचा, कर्मणा' होनी चाहिए।...... केवल शबरी ही नहीं अपितु प्रत्येक वनवासी राष्ट्र, धर्म, संस्कृति और प्रकृति के साथ-साथ वाह्य व आंतरिक सुरक्षा के लिए अति महत्वपूर्ण होता है। संपूर्ण आटविक बल और आटविक अर्थव्यवस्था इन्हीं से बनती है जो राष्ट्र को सशक्त बनाने में नींव के पत्थर की तरह काम करती है।

राम के विराट स्वरूप की झलक दर्शाती रचना में गुरु वशिष्ठ और माता कैकेई की लोक हितकारी सोच और नजरिए का पुट भी है। राम कथा में यही वह छिपा तथ्य है जिसने आम जनमानस की सोच को नकारात्मक सांचे में ढाल दिया। वशिष्ठ के लिए राष्ट्र प्रथम था। इसलिए वह राम को राजा तब बनाना चाहते थे जब वह इस अग्निपरीक्षा में खरे उतर जाएं। क्योंकि राजमहल के दीवारों में मर्यादा पुरुषोत्तम राम की कोई जगह नहीं थी। उधर कैकई की भी इच्छा थी कि राजकुल का न होकर उनका राम लोकहित में अपने पराक्रम और पुरुषार्थ को लगाए। कैकेई का मंतव्य था राष्ट्रहित की संस्थापना और इसी के चलते उन्होंने कलंक और अपयश को स्वीकारा। कैकेई के राम एक ऐसी अनूठी साहित्यिक - सांस्कृतिक कृति है, जो राम कथा को इस नए परिवेश में नया आयाम और आकार देगी।

इस रचना में मन ही मन माता कैकेई से संवाद करते राम की पंक्तियां नए परिवेश में कथा को लेकर नई सोच की सार्थकता को साफ दर्शाती हैं।

(धन्य हो मझली मां! आपने अपने समस्त सत्कर्मों का पुण्य मुझे आशीर्वाद में दे दिया और स्वयं पाप की भागीदार कहलाने लगीं। समस्त संसार का यश मेरे हिस्से में कर दिया और सारा कलंक अपने सिर ले लिया। यह संभव है कि यह संसार आपको कभी समझ ना पाए। परंतु मैं समझ गया। मैं समझ गया माता!)

(कैकेयी कहती हैं कि हे राम मेरा जो भी था वह मैंने राम बनाने में तुम्हें अर्पित कर दिया है। यह संसार मुझे कैसे सोचेगा यह मुझे नहीं इस संसार को सोचना है।)

'अयोध्या के राज सिंहासन पर तो कोई तपस्वी ही आरूढ़ हो, ऐसी ही मेरी भी इच्छा थी। आज वह पूर्ण हो रही है। मेरा पाथेय मर्यादा पुरुषोत्तम बनें, इसी में मेरी सिद्ध थी और राष्ट्र का यश। चूंकि इस हेतु महारानी कैकेई बनीं, इसलिए हम सभी को उनका ऋणी होना चाहिए।' (राम के राज्याभिषेक के समय गुरु वशिष्ठ का स्वयं से संवाद)

'...आपने शबरी के झूठे बेर खाकर उन सारे विभेदों की समाप्ति का संदेश संपूर्ण राष्ट्र को दिया जो न जाने कब से मनुष्य- मनुष्य में भेद की खाई गहरी करते चले आ रहे थे, ऐसी खाई जिसमें संवेदनाएं गिरकर अपना दम तोड़ रही थीं। आपने सुग्रीव का साथ देकर यह बता दिया कि आप प्रत्येक निर्बल का संबल हैं।' (राम से गुरु वशिष्ठ का संवाद)

रिपुंजय ! हमारा लक्ष्य कालजयी था, अतः बहुत कुछ समय के गर्भ में रहना ही उचित था और अपेक्षित भी। बस इतना ही कहना समीचीन होगा कि मैं यह स्वीकार नहीं कर सकता था कि आप अयोध्या के राजमहल की सरस परिधियों के पीछे अपने जीवन के सार को तिरोहित कर दें। जबकि आपकी मझली माता कैकेयी इससे बहुत आगे की सोच रही थीं। वे आपके जीवन के हर अध्याय में आपकी जय लिखी हुई देखना चाहती थीं। वे अल्पविरामों में बँधी हुई उपलब्धियों और विरामों में उलझी यशगाथाओं को आपके जीवन में कोई स्थान देना नहीं चाहती थीं।''

(कैकेयी के विषय में राम से बताते हुए गुरु वशिष्ठ)

माता ! यदि आप ने मुझे वन जाने का आदेश पिताश्री के माध्यम से न दिया होता तो मुझे यह पता ही नहीं चलता कि इस राष्ट्र की रक्षा सैनिक ही नहीं आटविक भी करते हैं, योद्धा ही नहीं ऋषि भी करते हैं, अंतेवासी ही नहीं वनवासी भी करते हैं। इसके समृद्ध और सुदीर्घ होने की कामना केवल राजसिंहासन पर विराजे हुए राजा ही नहीं करते हैं अपितु उस देश की सीमाओं के भीतर रहने वाली वन्य जातियाँ और पशु-पक्षी भी करते हैं। हमारी विजय, हमारे यश और हमारी समृद्धि में उनका भी योगदान होता है। बस वे कभी अपना भाग आपसे माँगने नहीं आते, वे तो परमार्थ को ही अपना पुरुषार्थ समझते हैं।

(माता कैकेयी को वनवास का अभिप्राय बताते हुए राम)